RNI-MPHIN/2005/14721
Po-Malwa Div/244/2023-25
Desp. 02 September, 2023

अंक – 03 (मासिक) वर्ष – 19 सितम्बर, 2023 मूल्य 20/–

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

जगत का आवरण हमारा पर्यावरण

श्री चारभुजानाथ मंदिर खट्टाली में मना शताब्दी महोत्सव

अर्पित माहेश्वरी
मजबूत इरादों के युवा उद्यमी

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2023
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

बात हम सबकी
सुने हर शनिवार

Contemporary Range of Home Essentials, Crafted by Experts

FANS | LIGHTING
APPLIANCES | SWITCHES

Toll Free : 18001032676 | Email : customercare@rrglobal.com | Website: www.rrglobal.com | Follow us

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-03 ▸▸ सितम्बर 2023 ▸▸ वर्ष-19

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
प्रकाश सोनी, नागपुर

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
रामगोपाल मूंदड़ा (सूरत)
प्रो. कल्पना गगडानी (मुम्बई)
गोविन्द मालू (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 900/- for Three years
Rs. 3500/- for Life Time (12 Years)

विचार क्रान्ति

धर्म की रक्षा के लिए संगठित रहिए

महाभारत के शांतिपर्व में युधिष्ठिर को उपदेश देते हुए पितामह भीष्म एक अद्भुत बात कहते हैं। यह कि 'अतिधर्माद् बलं मन्ये बलाद् धर्मः प्रवर्तते। बले प्रतिष्ठितो धर्मो धरण्यामिव जङ्गमम्।।' अर्थात् मैं धर्म से अधिक बल को ही श्रेष्ठ मानता हूँ। इसलिए कि बल से धर्म की प्रवृत्ति होती है। जैसे चलने-फिरने वाले सभी प्राणी पृथ्वी पर ही स्थित हैं, उसी प्रकार धर्म बल पर ही प्रतिष्ठित है।

प्रायः यह विश्वास किया जाता है कि धर्म स्वयं ही बलवान होता है। धर्म ही हमें मन की शक्ति देता है जो मन के साथ तन को और दोनों के साथ जीवन को शक्तिशाली बनाती है। सरल शब्दों में धर्म सम्मत रहते हुए धर्म की शक्ति के सहारे हम जीवन के संघर्षों से पार पाते हैं। अतः धर्म ही सर्वशक्तिमान है।

तब आश्चर्य होना स्वाभाविक है कि भीष्म जैसे महामना यह क्यों कह रहे हैं कि बल से ही धर्म की प्रवृत्ति होती है और बल से ही धर्म की रक्षा होती है! जिसका आशय है कि जो बलवान होंगे वे ही अपने धर्म को बचा पाएंगे। अन्यथा बलहीन समाज अपने धर्म की रक्षा करने में असमर्थ होगा।

इसमें किसी को संदेह नहीं होना चाहिए। समझने के लिए धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ भर नहीं है। धर्म का व्यापक अर्थ में आशय न्यायपूर्ण समाज व्यवस्था और अनुशासन भी है। जिस प्रकार समाज में अनुशासन बनाए रखने के लिए दण्ड अर्थात् बल अनिवार्य होता है। ठीक उसी प्रकार धर्म की रक्षा के लिए बल आवश्यक होता है। यही भीष्म का आशय है।

आज समाज विशेषकर हिंदुओं को इस सूत्र को ग्रहण करने की सर्वाधिक आवश्यकता है कि बलवान हुए बगैर हम भविष्य में अपने धर्म की रक्षा नहीं कर सकेंगे। बल के लिए शरीर को साधना और संघर्ष के लिए तैयार रहना होगा।

साधो! संगठित रहना ही सबसे बड़ी शक्ति है। शक्तिशाली समाज ही धर्म की रक्षा में समर्थ होता है। अतः भीष्म के इस सूत्र का मर्म जानकर निरन्तर संगठित होने के लिए प्रयत्नशील रहिए।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

बिन पर्यावरण सब सुन...

संयुक्त राष्ट्र की घोषणानुसार हम प्रतिवर्ष पर्यावरण दिवस मनाते हैं और इसके बाद समस्त प्रयासों की इतिश्री हो जाती है। वास्तव में विश्व पर्यावरण दिवस मात्र एक दिवसीय पर्व नहीं है, यह तो एक सोच है, जो हमें अपने मन-मस्तिष्क में स्थापित करनी होगी, अपने पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिये। पहले तो हमें चिंतन करना होगा कि पर्यावरण है क्या? हमारे आसपास का जो सम्पूर्ण प्राकृतिक परिवेश है, सभी कुछ पर्यावरण है। इसमें पेड़-पौधे, मिट्टी, पानी, हवा सभी कुछ शामिल हैं। इन सभी के संरक्षण पर चिंतन और उसके लिये कार्य योजना बनाये बिना पर्यावरण दिवस मनाना मात्र औपचारिकता है और पौधारोपण के फोटो खींचवाकर उन्हें भूल जाने जैसा है। याद रखें हर वर्ष सम्पूर्ण विश्व में पर्यावरण दिवस मनाया जाता है, लेकिन विडंबना है कि फिर भी पर्यावरण सुधरने की जगह और भी बिगड़ता जा रहा है। कारण स्पष्ट है कि इसके लिये किये जा रहे वर्तमान प्रयास नाकाफी हैं।

पर्यावरण के महत्व को कुछ वर्षों में प्रकृति ने स्वयं अत्यंत कटू रूप में व्यक्त किया है और फिर भी हम न सम्भले तो बहुत देर हो जाऐगी। गुजरे कोरोना काल ने जीवन रक्षा में ऑक्सीजन के महत्व को अत्यंत कटू रूप में समझा दिया। इसमें रोगियों के शरीर में ऑक्सीजन की कमी को दूर करने के लिये मुंह मांगे दाम पर ऑक्सीजन सिलेन्डर खरीदना पड़े। इस स्थिति में प्रकृति ने यह इशारा कर दिया कि मात्र रोगी के शरीर में ऑक्सीजन की कमी की पूर्ति करना ही इतना कठिन है, तो यदि सम्पूर्ण वातावरण में ऑक्सीजन की कमी आ गई तो फिर दृश्य कितना भयावह होगा। वास्तव में कुछ लोग जागृत हुए भी हैं और पौधारोपण की ओर बढ़े हैं लेकिन इनकी संख्या अभी भी नगण्य ही है। जब तक आमजन पूर्ण रूप से जागृत नहीं होगा, इस भावी आपदा को टाला नहीं जा सकता।

पर्यावरण से छेड़छाड़ का प्रकृति द्वारा दिया जा रहा दूसरा संकेत उत्तराखंड में भूस्खलन के रूप में आती भयानक आपदा है। हमने विकास के लिये हिमालय का सीना छलनी कर दिया। पहाड़ियों पर बेतरतीब निर्माण कर दिये। अब उसी का खामियाजा हम सतत भुगत रहे हैं। उत्तराखंड में होने वाली भूस्खलन की घटनाऐं कुछ वर्षों में निरंतर भयावह रूप धारण करती जा रही हैं। इस वर्ष की स्थिति ने तो सम्पूर्ण मानव मन को हिलाकर रख दिया है। इस आपदा में जो लाशों के अंबार लगे हैं, यदि हमने उनसे सबक ले लिया तो ठीक अन्यथा भविष्य में और भी क्या होगा, यह कहा नहीं जा सकता?

माहेश्वरी समाज न सिर्फ शीर्ष उद्यमी समाज है, बल्कि एक ऐसा समाज भी है जिसमें मानवीय संवेदना कूट कूट कर भरी है। अतः हर मानव सेवी गतिविधियों में वह अपनी अहम भूमिका निभाता है। इसी का उदाहरण है, गत 29 जुलाई को अ.भा.माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा आयोजित वृहद अभियान ''नवहरितिमा-स्वच्छ हवा-हरित-समृद्ध धरा।'' इस अभियान में संगठन की पूरे देश की सभी शाखाओं ने इस तरह समर्पित भाव से योगदान दिया कि मात्र एक दिन में 2,72,647 औषधीय पौधे रोपण का विश्व कीर्तिमान बन गया। संगठन की यह उपलब्धि भी ''गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड'' में दर्ज हुई है। इसके लिये मैं महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू बांगड़ सहित पूरे संगठन को बधाई देता हूँ, जिनके प्रयासों ने पुनः माहेश्वरी समाज का शीश गर्व से ऊँचा कर दिया।

इस अंक में पर्यावरण को संजोने वाले कुछ पर्यावरण रक्षकों की जानकारी के साथ ही पर्यावरण से संबंधित कई महत्वपूर्ण आलेख समाहित किये गये हैं, जो पर्यावरण संरक्षण में हमेशा मार्गदर्शक सिद्ध होंगे। इस अंक से अन्य स्थायी स्तंभों के साथ एक नवीन स्तम्भ ''युवा उद्यमी'' की शुरुआत की जा रही है। इसमें हर बार ऐसे युवा उद्यमी की जानकारी समाहित होगी, तो औद्योगिक क्षेत्र में अपनी नवीन सोच से कुछ विशेष योगदान दे रहे हैं। इस बार इसके अंतर्गत अहमदाबाद निवासी नव उद्यमी अर्पित माहेश्वरी (परवाल) के प्रेरक व्यक्तित्व को प्रस्तुत किया गया है, जिन्होंने अपने पैतृक स्टील व्यवसाय को देश की सरहद से भी बाहर तक पहुंचा कर वटवृक्ष का स्वरूप दे दिया। निश्चय ही हमारी युवा पीढ़ी के लिये अर्पित का व्यक्तित्व प्रेरक सिद्ध होगा। अंत में पुनः सभी से विनम्र निवेदन यह बताना न भूलें कि आपको यह अंक कैसे लगा।

जय महेश!

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

अपने उद्यम "ऑफिसमेट" द्वारा एक सफल उद्यमी के रूप में पहचान रखने वाले नागपुर निवासी श्री प्रकाश सोनी की समाज में पहचान एक निःस्वार्थ समाज सेवी व चिंतक के रूप में भी है। श्री सोनी का जन्म श्री लक्ष्मीनारायण एवं श्रीमती विमलादेवी सोनी के यहाँ 16 मार्च 1945 को हुआ। नागपुर के ख्याति प्राप्त वीआरसीई कॉलेज से 1965 में मेकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूर्ण की। तत्पश्चात शिकागो से इंजीनियरिंग में एमएस कर वहीं ऑटो इंडस्ट्री में तीन साल तक काम किया। अमेरिका में काम तो बहुत सीखे, आमदनी भी अच्छी थी पर समाधान नहीं मिला। अपने देश के लिए कुछ कर गुजरने की चाहत मन में हिलोरे ले रही थी। आखिर अपने दिल की आवाज को तरजीह देकर आप अपने देश लौट आये। मुम्बई में एक साल इंटरनेशनल ट्रेक्टर कंपनी में कार्य किया। फिर ऑफिस में लगने वाली स्टेशनरी पर कार्य करना आरम्भ किया। 1981 से इनके इस प्रोडक्ट ने गति ली एवं देश-विदेश में इन के प्रोडक्ट की मांग बढ़ने लगी। आज से पूरे देश में उनके कई उत्पाद "ऑफिसमेट" बाँड के नाम से बिकते हैं और अलग-अलग 45 देशों में भी निर्यात होते है। मात्र 15000 रुपये से आपने स्टेशनरी का काम आरम्भ किया था। आज इस कंपनी में 600 कर्मचारी कार्य करती है। पिछले 30 सालों से मेक इन इंडिया का नारा लेकर चलने वाले श्री सोनी पर्यावरण का भी बहुत ख्याल रखते हैं। इसलिए उनके हर कारखानों में सोलर पैनल और वॉटर हार्वेस्टिंग की सुविधा है। सामाजिक क्षेत्र में भी रुचि रखने वाले श्री सोनी सक्रिय रोटेरियन रहे। फ्रेंडस ऑफ ट्राइवल सोसायटी (नागपुर चेप्टर) के अध्यक्ष पद को भी आपने सुशोभित किया। कई संस्थाओं से जुड़कर कई महत्वपूर्ण कार्य किये। आपको विशिष्ट योगदानों के लिये एआर इंटरप्रेन्योरशिप अवार्ड तथा लाइफ टाईम अवार्ड आदि जैसे कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है।

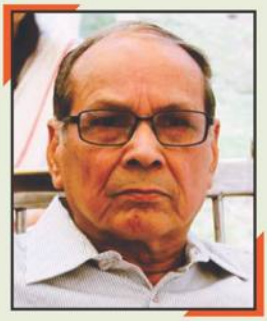

प्रदूषण एवं पृथ्वी का बढ़ता तापमान

सर्वप्रथम मैं समस्त पाठकों को विश्व पर्यावरण दिवस की बधाई देता हूँ, जो वास्तव में एक सामान्य पर्व नहीं बल्कि अपने आप में एक संदेश है। इसे मनाने के पीछे सम्पूर्ण विश्व का लक्ष्य पर्यावरण का संरक्षण करना है, जिससे भविष्य में भी मानव जीवन सुखी व सुरक्षित रह सके। इसके लिये न सिर्फ हम हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस मनाते हैं, बल्कि दुनिया भर के देश बहुत बड़ा फंड पर्यावरण संरक्षण के लिये खर्च भी करते हैं। इन सबके बावजूद भी पर्यावरण शुद्ध होने के स्थान पर और भी दुषित होता जा रहा है। पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है और इसके परिणामस्वरूप प्राकृतिक विपदाएँ बढ़ रही हैं। यह मानवता के लिए एक गंभीर समस्या है जो हमारी आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को प्रभावित कर रही है। धरती की गर्मी के लिए मुख्य कारण हमारे आस-पास का प्रदूषण है। इन स्थितियों का कारण यही है कि हम वर्तमान में जो प्रयास कर रहे हैं, वे पर्याप्त नहीं हैं।

प्रदूषण तीन प्रकार के होते हैं वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण और धरती प्रदूषण। वायु प्रदूषण वायुमंडल में उच्च कार्बन डाइऑक्साइड रहने से होता है, इससे भूमि की गर्मी बढ़ती है। जल प्रदूषण जल के स्त्रोतों मे दूषित पानी छोड़ने से होता है जो जल की गुणवत्ता को कम करता है। धरती प्रदूषण अधिक कीटनाशकों का उपयोग करने से तथा दूषित पानी धरती में छोड़ने से होता है। प्लास्टिक धरती में डालने से भी धरती का प्रदूषण होता है क्योंकि प्लास्टिक सौ साल तक विघटित हुए बिना धरती में पड़ा रहता है। भारत सरकार ने प्रदूषण कम करने के लिए ठोस क़दम उठाए हैं। भारत सरकार सोलर पैनल लगाने के लिए तथा बिजली पर चलने वाले वाहनों का उपयोग करने के लिए भी बहुत बढ़ावा दे रही है। इसी प्रकार वॉटर हार्वेस्टिंग भी भारत सरकार ने हर जगह अनिवार्य कर दिया है। हम एक ज़िम्मेदार नागरिक होने के नाते सरकार द्वारा चलाए गए इन सब उपक्रम में हिस्सा लेकर प्रदूषण को कम कर सकते हैं।

सबसे प्रथम हमारा कर्तव्य है कि हम जितने हो सके पेड़ लगाए तथा उनकी रक्षा करें। पेड़ वायुमंडल में से कार्बन डाइऑक्साइड को कम करते हैं तथा ऑक्सीजन को बढ़ाते हैं जो हमें जीवित रखने के लिए आवश्यक है। इसी तरह हम हमारे घर तथा व्यवसाय की जगह पर सोलर पैनल लगाऐं। इससे बिजली के बिल में कटौती होगी और बिजली उत्पादन में जो प्रदूषण होता है, वह भी कम होगा। हम पानी ज़मीन में डाल कर वॉटर हार्वेस्टिंग कर सकते हैं, इससे धरती का जल स्तर ऊँचा होगा और हरियाली बढ़ेगी, इसके अलावा हम जब चाहे धरती से पानी निकाल सकते हैं। विश्व के सभी देश प्रदूषण कम करने का प्रयास कर रहे हैं। नयी-नयी टेक्नोलॉजी द्वारा ऊर्जा तैयार करने का प्रयास कर रहे हैं जिसमें सर्वप्रथम सोलर, हाइड्रोजन तथा न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी शामिल हैं। हर प्रयास में भारत अपनी ज़िम्मेदारी पूर्णतया निभा रहा है। हमें याद रखना है कि पृथ्वी एकमेव ग्रह है जहाँ मानव, पशु तथा वृक्ष जीवित रह सकते हैं। अगर हम पृथ्वी की रक्षा नहीं करेंगे तो हम भी सुरक्षित नहीं रह सकते।

वर्तमान स्थितियों को यदि देखा जाऐ तो यह अनुमान लगाया जा सकता है कि भविष्य में प्राकृतिक विपदा न सिर्फ मानव बल्कि समस्त जीवन को ही नष्ट कर देंगी। इसके लिये हमें अर्थात् हर व्यक्ति को जागृत होना होगा। जब तक आमजन जागृत होकर अपनी जिम्मेदारी नहीं सम्भालेगा, पर्यावरण संरक्षण संभव नहीं। तो आईये एक प्रबुद्ध समाज के सदस्य होने के नाते हम संकल्प लें, इस पर्यावरण को स्वच्छ रखकर अपनी भावी पीढ़ियों को स्वस्थ व सुखद जीवन देने का।

प्रकाश सोनी, नागपुर

अतिथि सम्पादक

श्री नौशल्या माताजी

टीम SMT

श्री नौशल्या माताजी माहेश्वरी समाज की खटोड़ खाँप की कुलदेवी हैं। स्थानीय स्तर पर श्री नौशल्या माताजी के प्रति लोगों की अपार श्रद्धा है। अग्रवाल समाज वाले भी कुलदेवी के रूप में पूजते हैं।

श्री नौशल्या माताजी का भव्य मंदिर नागौर जिले के ग्राम जायल में स्थित है। इसकी स्थापना करीबन 200-250 वर्ष पूर्व हुई थी। यहाँ लगे शिलालेख के अनुसार इस मंदिर का जीर्णोद्धार 21 अप्रैल सन् 1947 को हुआ। यह मंदिर अपने आप में अनोखा है क्योंकि यहाँ माताजी की प्रतिमा नहीं है। केवल माताजी का त्रिशुल बना हुआ है जिसकी शक्ति स्वरूप में मांडना मांडकर पूजा होती है। नवरात्रि में विशेष श्रंगारित त्रिशुल की रचना होती है। आम श्रद्धालुओं की माताजी के प्रति इतनी श्रद्धा है कि दूर-दूर से श्रद्धालु यहाँ आते हैं। मान्यता के अनुसार यह ऐसा सिद्ध स्थान है जहाँ मांगी गई मिन्नतें अवश्य पूरी होती हैं। प्रतिदिन सुबह यहाँ पूजा होती है और मिश्री आदि पंच मेवे का भोग लगाया जाता है।

विशेष आयोजनः चेत्र व आसोज नवरात्रि में यहाँ भव्य मेला लगता है जिसमें दूर-दूर सें बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं तथा चुनड़ चढ़ा कर मिन्नत मांगते हैं व पूरी भी करते हैं। इस दौरान यहाँ विशाल भंडारा भी होता है। स्थानीय ग्रामीण इस आयोजन में विशेष सक्रियता निभाते हैं।

कैसे पहुँचें-कहाँ ठहरें: ग्राम जायल सड़क मार्ग से जुड़ा है। नागौर, डेगाना, जयपुर, सीकर, झुंझुनू, पिलानी, दिल्ली, हिसार, जोधपुर, बाड़मेर, बालोहरा, सूरत, अहमदाबाद, फलौदी आदि से ग्राम जायल की बसें उपलब्ध रहती हैं। मंदिर पुजारी ताराचंदजी मंदिर परिसर में ही निवास करते हैं। अतः चाहे जाने पर भोजन व ठहरने की व्यवस्था वे करवा देते हैं।

देश भर में हुआ पौधारोपण

महिला संगठन का अभियान ''नवहरितिमा'' में पौने तीन लाख पौधारोपण

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन ने पर्यावरण संरक्षण के अपने वृहद प्रयास अंतर्गत अभियान नवहरितिमा प्रारम्भ किया गया। इसके अंतर्गत देशभर के जिला व स्थानीय संगठन अपने-अपने क्षेत्र में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे रहे हैं।

नासिक। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा अपनी संकल्प सिद्धा समिति के अंतर्गत अपने मेगा प्रोजेक्ट 'नवहरीतिमा'- स्वच्छ हवा - हरित - समृद्ध धरा में गत 29 जुलाई 2023 को एक ही दिन में पूरे भारतवर्ष तथा नेपाल में औषधीय पौधों का पौधारोपण किया गया। इसके अंतर्गत संगठन ने संपूर्ण भारतवर्ष के विभिन्न शहरों और छोटे-छोटे गांवों में एक ही दिन में कुल 2,72,647 औषधीय पौधारोपण (तुलसी, नीम, गिलोय, आंवला, सदाबहार, हल्दी, हरसिंगार, एलोवेरा, अश्वगंधा, बबूल, करी पत्ता, नींबू, पुदीना, अर्जुन आदि) का एक रिकॉर्ड लक्ष्य प्राप्त किया। एक ही दिन में यह सर्वाधिक औषधीय पौधे स्कूल, हॉस्पिटल, वृद्धाश्रम, सामाजिक भवन, अनाथ आश्रम, फैक्ट्री, सोसाइटी परिसर आदि में लगाए गए। इसके लिए गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड के एशिया हेड डॉक्टर मनीष विश्नोई ने स्वयं उपस्थित होकर नासिक में आयोजित 9-10 अगस्त 2023 की राष्ट्रीय बैठक 'मंगलाचरण' में इसकी घोषणा की तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू बांगड एवं राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति राठी को यह प्रमाण पत्र प्रदान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू बांगड ने कहा यह संगठन की सामूहिक शक्ति का परिणाम है। त्रयोदश सत्र के घोषवाक्य -'पर उपकार वचन मन काया' को सार्थक करते हुए सभी आंचलिक, प्रादेशिक, जिला, स्थानीय, तहसील के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता बहनों ने मिलकर सामूहिक प्रयास किया। विशेष रुप से संकल्प सिद्धा ग्राम विकास व राष्ट्रोदय समिति की प्रभारी भावना राठी, प्रदर्शक रेनू सारड़ा, सह प्रभारी-नीतू सोमानी, सुनीता रांदड, श्रद्धा राठी, मंजूषा राठी, प्रभा चांडक आदि के प्रयास सराहनीय थे तथा मध्यांचल की पदाधिकारी उपाध्यक्ष उर्मिला कलंत्री, संयुक्त मंत्री अनीता जावदिया पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगरानी की विशेष सहभागिता। संपूर्ण कार्यक्रम के संयोजन में संचार सिद्धा तकनीकी ज्ञान समिति की राष्ट्रीय प्रभारी भाग्यश्री चांडक तथा उनकी टीम का अत्यधिक सहयोग प्राप्त हुआ। बड़े प्रदेशों में सर्वाधिक पौधारोपण पूर्वी मध्य प्रदेश द्वारा 31684 हुआ तथा छोटे प्रदेशों में सर्वाधिक पौधारोपण मध्य उत्तरप्रदेश कानपुर द्वारा 15300 हुआ। उक्त कार्यक्रम की सरकार, वन विभाग एवं प्रशासन के सभी अधिकारियों द्वारा भी अत्यधिक सराहना की गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष किरण लड्ढा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री ममता मोदानी, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी, स्वागत अध्यक्ष अरुणा लड्ढा, स्वागत मंत्री शैला कलंत्री, संरक्षक मंडल- मां रतनी देवी, लता लाहोटी, गीता मूंदड़ा, विमला साबू, सुशीला काबरा एवं संपूर्ण भारतवर्ष की नेपाल चैप्टर सहित 27 प्रदेशों की अध्यक्ष, मंत्री, पदाधिकारी उपस्थित थीं।

इस तरह हुआ लक्ष्य पूरा

जयपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन के अन्तर्गत क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन जोन-2 द्वारा गत 30 जुलाई को अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन के आह्वान पर पौधारोपण किया गया। अध्यक्ष राजोल तापड़िया ने बताया कि जिला महिला संगठन की संरक्षक उमा परवाल, जिला अध्यक्ष उमा सोमानी एवं जिला मंत्री सविता राठी द्वारा प्रोत्साहित इस कार्यक्रम के अन्तर्गत गोपेश्वर महादेव मन्दिर प्रांगण तथा विद्याधर नगर सेक्टर-2 के शहीद सैनिक उद्यान में कुल 275 पौधे लगाए गए। संगठन मंत्री शोभा साबू ने बताया कि कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बीजेपी की जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष अनुराधा कचोलिया थी, जिन्होंने 100 पौधे भी निःशुल्क उपलब्ध करवाये। प्रचार एवं संगठन मंत्री अलका खटोड़ के अनुसार इस अवसर पर जिला अध्यक्ष उमा सोमानी, क्षेत्रीय पार्षद दिनेश कांवट, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विजयश्री तापड़िया, क्षेत्रीय संगठन के सभी पदाधिकारी एवं विभिन्न सदस्य आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजक स्नेहा साबू थीं।

सूरत। ज़िला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा सूरत में गत 29 जुलाई को सीताराम गौशाला (कामरेज), चारभुजा मंदिर (अमरोली), देवनारायण मंदिर (अमरोली), गणेश मंदिर (पर्वतपाटिया) व इस्कॉन मंदिर (वेसू) में पौधारोपण किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन की नि. वर्तमान अध्यक्षा उमा जाजू एवं विशेष अतिथि कॉर्पोरेटर रश्मि साबू थीं। इसमें इन्होंने नीम, तुलसी, गिलोई, सदाबहार, हल्दी, पपीता इत्यादि पौधों के बारे में जानकारी भी दी। ज़िला संगठन द्वारा सभी को मिला कर 251 पौधे लगाये गये। श्वेता जाजू, वंदना भंडारी, रेखा पोरवाल, सुनीता सोमानी, रेणु मुंदड़ा, शोभा बजाज, रेखा मंत्री, संगीता राठी एवं अनीता राठी आदि का विशेष रूप से सहयोग रहा। उक्त जानकारी अध्यक्षा वीणा तोषनीवाल व सचिव प्रतिभा मोलासरिया ने दी।

मथुरा। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला मण्डल द्वारा चलाई हुई मुहिम के अन्तर्गत माहेश्वरी महिला मंडल, मथुरा द्वारा महिला मंडल की अध्यक्षा रेखा सारडा के नैतृत्व में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के मथुरा कार्यालय के पार्क में गत 29 जुलाई को एक वृहद वृक्षारोपण का आयोजन हुआ। इसमें 350 औषधीय पौधे रोपे गये। इस अवसर पर रेखा माहेश्वरी, पूजा गोदानी, आभा माहेश्वरी, उषा दीवान, रचना राठी, वन्दना राठी, कविता माहेश्वरी, रुचि माहेश्वरी, श्वेता चाण्डक, शशि राठी, कीर्ति माहेश्वरी, श्वेता माहेश्वरी, ऋचा राठी, मथुरा माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष एड. राजेंद्र माहेश्वरी, सचिव अभिषेक राठी व अनूप माहेश्वरी आदि उपस्थित थे।

शाजापुर। नवहरितिमा स्वच्छ हवा-हरित समृद्ध धरा अभियान में मेगा मेडिसिन ट्री प्लांटेशन पर शाजापुर महिला मंडल द्वारा 50 पौधे का दान किया गया। उक्त जानकारी समाज अध्यक्ष मिथलेश माहेश्वरी ने दी।

नावां। विवेकानंद स्कूल नावां में पर्यावरण गोष्ठी का आयोजन हुआ। नगर पर्यावरण संयोजक सत्यनारायण लढा व मदनलाल पिपलोदा ने स्कूल संचालक लक्ष्मण सिंह के सान्निध्य में स्कूल विद्यार्थियों को वृक्षारोपण के लिए पौधे भी वितरित किए।

जोधपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्ष उषा बंग ने बताया कि जिलों, स्थानीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों द्वारा सावन मास तथा अधिक मास पर पीपल, बड, नीम, हरसिंगार, नींबू, गिलोय, एलोवेरा, आंवला, करी पत्ता, अजवाइन, पुदीना, बेल, रोजमेरी, शमी पत्र आदि के तकरीबन 2500 से ज्यादा पौधों का रोपण विभिन्न स्कूलों गुरुकुल आदि में किया गया। जिला सचिव नीलम भूतड़ा ने बताया कि इस कार्यक्रम में विशेष सहयोग मनीषा मूंदड़ा पश्चिमी राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष, जिला कोषाध्यक्ष आनंद भूतड़ा, शिवकन्या धूत, आशा फोफलिया, अरुणा तापड़िया, सुनीता हेड़ा, सुषमा सोनी, मंजू केला, वीणा सोनी, लता राठी, अनीता कालानी, डॉ. सूरज, स्थानीय एवं ग्रामीण अध्यक्ष रुचि राठी आदि का रहा।

जयपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन के अन्तर्गत क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन जोन-3 द्वारा गत 30 जुलाई को सीकर रोड पर खेतान हास्पिटल एवं विद्याधर नगर स्थित गणेश पार्क में 500 पौधे लगाए गए। क्षेत्रीय महिला संगठन की अध्यक्ष कविता जाखोटिया ने बताया कि इस कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष उमा सोमानी, भाजपा जयपुर जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष अनुराधा कचोलिया, जिला संगठन की सांस्कृतिक मंत्री कृष्णा सोनी एवं संयुक्त मंत्री मीना बिन्नानी उपस्थित थी। क्षेत्रीय संगठन के विभिन्न पदाधिकारी एवं सदस्य सरिता भुराड़िया, सुनीता सोमानी, शैलजा खटोड़, वर्षा खटोड़, ममता मान्धना तथा रानी रांदड़ आदि ने भी उपस्थित होकर वृक्षारोपण किया ।

अनुमान गलत हो सकता है पर अनुभव कभी नहीं गलत होता क्योंकि अनुमान हमारे मन की कल्पना है अनुभव हमारे जीवन की सीख है।

अहमदाबाद। माहेश्वरी सखी संगठन द्वारा 29 जुलाई को संकल्प सिद्धा ग्राम विकास व राष्ट्रोदय समिति के अन्तर्गत 'नव हरितिमा-स्वच्छ हवा-हरित समृद्ध धरा' प्रोजेक्ट के अंतर्गत नवरंगपुरा, गुरुकुल व बोपल क्षेत्र में 583 पौधे लगाए गए। सम्माननीय अतिथि भूतपूर्व मेयर एवं एलिस ब्रिज विधानसभा के अमित शाह उपस्थित रहे। अध्यक्षा अनुराधा अजमेरा ने तुलसी वृक्ष देकर उनका सम्मान किया और आभार व्यक्त किया। संरक्षक सदस्य इंदिरा राठी एवं माहेश्वरी सखी संगठन की अध्यक्ष अनुराधा अजमेरा के साथ कमेटी सदस्य टीना राठी, प्रियंका लड्ढा, सविता जैसलमेरिया, नीलम मालपानी व प्रचार प्रसार मंत्री जया जेठा के साथ सोसायटी सदस्य भी उपस्थित रहे।

जयपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन के अन्तर्गत क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन जोन-6 के पदाधिकारियों द्वारा 11 अगस्त को महारानी महाविद्यालय के एनीबिसेंट छात्रावास में पौधारोपण किया गया। क्षेत्रीय संगठन की अध्यक्ष सुलभा सारडा ने बताया कि उन्होंने परिसर में फलों वाले और छायादार वृक्ष लगाकर छात्राओं को उनकी सुरक्षा करने का संकल्प दिलाया। क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन की मंत्री अनिला मेघा झंवर ने बताया कि छात्रावास अधिकारी डॉक्टर डेज़ी शर्मा और प्रीति शर्मा द्वारा पौधारोपण हेतु महिला संगठन का आभार व्यक्त किया गया।

धार्मिक यात्रा का किया आयोजन

अहमदाबाद। अहमदाबाद जिला माहेश्वरी सभा-साबरमती क्षेत्र (2023-25) माहेश्वरी समाज की ओर से श्रावण के महीने में अधिक मास का लाभ लेते हुए गत 06 अगस्त को एक दिवसीय 'श्री सालंगपुर बालाजी, शनिदेव, गणेशपुरा सिद्धि विनायक एवं बुट भवानी दर्शन' धार्मिक यात्रा का आयोजन किया गया। अध्यक्ष दीनदयाल मालपानी ने बताया कि इस यात्रा में 200 से अधिक श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। ये श्रद्धालु यात्रा की आनंदमय यादें लेकर अपने घरों को लौटे। रात्रि भोजन के बाद श्री सालंगपुर बालाजी दर्शन यात्रा संपन्न हो गई। यात्रा में जिला के मंत्री अनिल लाहोटी परिवार व अन्य सदस्यों ने साथ चलकर सबका उत्साह बढ़ाया।

त्रिदिवसीय भागवत कथा का आयोजन

जयपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन के अन्तर्गत क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन जोन-5 द्वारा श्री सिद्धेश्वर हनुमान मन्दिर (स्वेज फार्म रोड) में त्रिदिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया। कथावाचक राज राजेश्वरी वल्लभ चितलांग्या ने 28 से 30 जुलाई तीन दिन में पूरी भागवत का सार बताया। श्रीमती चितलांग्या भागवत कथा वाचन के लिए कोई दक्षिणा नही लेती हैं। सिद्धेश्वर हनुमान मन्दिर के महन्त श्री अवधेश दास महाराज ने मन्दिर प्रांगण निःशुल्क उपलब्ध करवाया। इस कथा की प्रायोजक रेखा घूत, विजयलक्ष्मी बियाणी, संतोष बियाणी, प्रिन्सी मंडोवरा, उषा राठी, दुर्गा राठी एवं सरिता मोहता थीं। क्षेत्रीय संगठन की अध्यक्ष रेखा धूत ने बताया कि इस कार्यक्रम हेतु उमा सोमानी, उमा परवाल, गायत्री परवाल, शशि लखोटिया, निधि भंडारी, द्रोपदी साबू, मोनिका सोमानी, सीमा मालानी आदि सहित पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन का भी आर्थिक सहयोग रहा। क्षेत्रीय संगठन की मंत्री विजयलक्ष्मी बियाणी के अनुसार तीनों दिन करीब 200 महिलाओं ने उपस्थित होकर कथा श्रवण का लाभ लिया। पूर्वोत्तर राजस्थान प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम परवाल, प्रादेशिक सभा के उपाध्यक्ष रामअवतार आगीवाल, महेश अस्पताल के चिकित्सा मंत्री सत्यनारायण मोदानी तथा जयपुर समाज के भवानी शंकर बाहेती, प्रदेश महिला संगठन की अध्यक्ष पूनम दरगड़ एवं मंत्री सुनिता जैथलिया, माहेश्वरी महिला परिषद की मंजू सोडानी, अल्पना सारडा व सुनीता पेडीवाल भी उपस्थित रहीं। जिला संगठन के विभिन्न पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। समापन के दिन करीब 150 लोगों ने प्रसादी ग्रहण की, जिसमें करीब 50 संतगण शामिल थे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

बेंगलुरु। राजराजेश्वरी नगर स्थित माहेश्वरी बॉयज हॉस्टल में ध्वजारोहण के साथ 77वाँ स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हॉस्टल के छात्र, माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमैन राजगोपाल भूतड़ा व अन्य ट्रस्टीगण, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष निर्मल कुमार तापड़िया सहित कार्यसमिति सदस्य, विशिष्ट अतिथि श्रीगोपाल सारडा व अन्य समाज सदस्य उपस्थित रहे। उक्त जानकारी ट्रस्टी ललित मालानी ने दी।

रक्तदान के साथ ध्वजारोहण

अहमदाबाद। स्थानीय माहेश्वरी युवा संगठन ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक अनूठा और समर्पित कदम उठाया। उन्होंने रक्तदान के साथ ही राष्ट्रीय ध्वज को फहराने का आयोजन DHS अस्पताल के साथ संयुक्त रूप से किया। इस उत्सव में लगभग 50 रक्तदाताओं ने भाग लिया। यह समाज को जागरूक करने का एक नया प्रयास है, जिसका मुख्य उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रक्तदान के महत्व को बढ़ावा देना था। उपस्थित लोगों ने इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज को फहराया और एकता के संकेत के रूप में यह उत्सव मनाया। सह - संयोजक धनेश जाखोटिया, आदित्य सोमानी, संगठन के पूर्व अध्यक्ष मनोज सोमानी, अनिल मणियार, विकास मूंदड़ा, वर्तमान अध्यक्ष दीपक मणियार, सचिव अभिषेक मालपानी और कोषाध्यक्ष प्रवीण माहेश्वरी ने सभी का आभार प्रकट किया। उक्त जानकारी संगठन मंत्री अर्पित बाहेती द्वारा दी गयी।

बचपन भी कितना खबसूरत था ना यारों, घड़ी एक के पास होती थी और समय सबके पास होता था। आज घड़ी सबके साथ है पर समय किसी के पास नहीं है।

'मंगलाचरण' से महिला संगठन के 13वें सत्र का शुभारम्भ

नासिक जिला महिला संगठन के आतिथ्य में हुआ प्रथम कार्यसमिति बैठक का आयोजन

नासिक। अखिल भारतवर्षीय महिला संगठन के त्रयोदश सत्र की प्रथम राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक गत 8, 9, 10 अगस्त को प्रसिद्ध तीर्थ नगरी नासिक में संपन्न हुई। इस बैठक का आयोजन महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन व आतिथ्य नासिक जिला माहेश्वरी महिला संगठन ने किया था। प्रकल्प प्रदर्शक पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगरानी, स्वागत अध्यक्ष राष्ट्रीय कार्य समिति अरुणा लड्ढा व स्वागत मंत्री शैला कलंत्री के नेतृत्व में यह बैठक सम्पन्न हुई। 8 अगस्त को सावन के अधिक मास में त्रयंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन का सभी को सौभाग्य प्राप्त हुआ। संध्या 7:00 बजे सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री तथा राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा मंच पूजन किया गया। तत्पश्चात राष्ट्रीय महिला संगठन द्वारा सभी सदस्याओं का पिन लगाकर स्वागत किया गया। विमला साबू द्वारा अपनी पारिवारिक खुशियों के उपलक्ष्य में उपस्थित सभी महिलाओं को बधाई स्वरूप साड़ियां प्रदान की गई। आयोजक संस्था द्वारा सुंदर सावन महोत्सव का आयोजन मेले के रूप में किया गया था जिसमें सभी सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मनोरंजक गेम्स व झूले के साथ सावनी गीत नृत्य संगीत का मनोहारी कार्यक्रम महोत्सव का विशेष आकर्षण रहा। उद्घाटन सत्र 9 तारीख को सुबह 10 बजे से 1 बजे तक रहा। रामायण थीम के अनुरूप स्वागत करते हुए राष्ट्रीय पदाधिकारियों को रथ में बैठाकर राम-राम की धुन के साथ सभागार में प्रवेश कराया गया। रामायण के विभिन्न पात्रों अहिल्या, शबरी आदि की वेशभूषा में खड़ी सदस्याओं ने स्वागत किया। ''अपनी-अपनी तुलिका अपने अपने राम'' चित्र कला प्रतियोगिता के माध्यम से सम्पूर्ण सभागार श्री राम की विभिन्न लीलाओं से सुसज्जित था। अतिथियों के स्वागत में सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई, विशेष रूप से हनुमान चालीसा पर सामूहिक नृत्य प्रस्तुति अद्भुत तथा अविस्मरणीय थी। स्वागत अध्यक्ष अरुणा लड्ढा द्वारा मंचासीन अतिथियों का शाब्दिक स्वागत किया गया।

प्रेरक सम्बोधन से शुरुआत

उद्घाटनकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू बांगड, प्रमुख अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति राठी, रामनिवास मानधने, विशेष अतिथि प्रमोद भुराडिया, लक्ष्मीकांत राठी, पियूष सोमानी व सविता राठी थे। निवर्तमान अध्यक्ष आशा माहेश्वरी, मां रत्नीदेवी काबरा आदि सभी अतिथियों का आयोजक संस्था महाराष्ट्र प्रदेश की अध्यक्ष सुनीता पलोड़ ने शाब्दिक स्वागत किया। स्वागत मंत्री शैला कलंत्री द्वारा त्रिदिवसीय कार्यक्रम की जानकारी दी गई। मंचासीन सभी अतिथियों ने सदन के समक्ष अपने विचारों को रखा। राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति राठी ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि मेहनत लगती है सपनों को सच करने में और हौसला लगता है बुलंदियों को पाने में। समय के साथ यदि परिवर्तन आया है तो जागरूकता भी आ गई है किंतु सामाजिक संस्था में अनुभव का स्थान सर्वोपरि होता है। निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी ने कहा कि सभी पदाधिकारियों को उनके पद के अनुरूप जिम्मेदारी दी गई है किंतु कार्य करते समय हमें यह ध्यान रखना है, हमें हमारा कद इतना छोटा रखना चाहिए कि सब हमारे साथ बैठ सके और मन इतना बड़ा रखें सब आपके साथ खड़े रहें। मां रत्नी देवी काबरा ने अपने आशीर्वचन में कहा कि इस कार्यक्रम में जो प्रशिक्षण दिया जा रहा है वह श्रृंखलाबद्ध संगठन में प्रत्येक संस्था में होना चाहिए। सम्माननीय अतिथि प्रमोद भुराडिया ने कहा जिस तरह घर की नींव यदि मजबूत हो तो कोई भी विपदा आने पर हानि नहीं होती है। ठीक उसी तरह हमारी धरोहर हमारी नींव हमारी युवा शक्ति है। अतः उनके लिए प्रत्येक जगह शिविरों का आयोजन करें। लक्ष्मीकांत राठी ने संगठन के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि केवल कार्यक्रम करना हमारा ध्येय ना हो बल्कि प्रोडक्टिव कार्य करें और उन कार्यों के इफेक्ट को देखें। रामनिवास मानधने ने महासभा के मुख पत्र माहेश्वरी पत्रिका की आंशिक जानकारी दी।

परिचय पुस्तिकाओं का हुआ विमोचन

कार्यालय मंत्री प्रीति तोषनीवाल के सौजन्य से राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू बांगड़ एवं अतिथियों द्वारा सर्वप्रथम संगठन की परिचय पुस्तिका 'पुष्पक' व महाराष्ट्र प्रदेश की परिचय पुस्तिका 'सेतुबंध' का विमोचन किया गया। श्रीमती बांगड़ ने अपना उद्बोधन मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के जीवन से प्रारंभ किया। उन्होंने कहा जिस तरह रामचरितमानस में

बालकांड की शुरुआत मंगलाचरण से हुई थी ठीक उन्ही भावनाओं के साथ प्रथम राष्ट्रीय कार्य समिति बैठक के अंतर्गत P.S.T ट्रेनिंग प्रोग्राम ''गुरुकुल'' का शुभारंभ मंगलाचरण से करने का विचार आया। आपने राम के प्रत्येक गुण को अपने सुंदर शब्दों में परिभाषित कर ''पर उपकार वचन मन काया'' के हमारे घोष वाक्य को हम कैसे चरितार्थ कर सकते हैं, बताया। हमें मैं से बड़ा हम और स्वयं की भावना से परे हटकर परहित को जानना होगा तभी हम समाज में सामाजिक समरसता का भाव ला सकते हैं। आपने आयोजक संस्था का सुंदर व्यवस्था के लिए अभिनंदन भी किया। महाराष्ट्र प्रदेश द्वारा पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगरानी को जीवन गौरव सम्मान प्रदान कर उनका अभिनंदन किया गया। राष्ट्रीय महिला संगठन की ओर से पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विमला साबू व सुशील काबरा का 75 वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता मूंदड़ा द्वारा अभिनंदन व सम्मान किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू बांगड़ द्वारा सम्मान पत्र वाचन कर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री साबू भी उपस्थित थे। संगठन ने नव-हरीतिमा से प्रोजेक्ट विश्व कीर्तिमान बनाकर गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज किया। इसकी घोषणा गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड के एशिया हेड डॉ. मनीष बिश्नोई ने स्वयं मीटिंग में उपस्थित होकर की।

ट्रेनिंग प्रोग्राम गुरुकुल का प्रथम सत्र प्रारंभ

महामंत्री ज्योति राठी द्वारा कार्यक्रम को प्रारंभ कर गुरुकुल के प्रसिद्ध स्पीकर के रूप में आये अतिथियों को मंचासीन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समिति के सभी सहप्रभारियों ने आए हुए ट्रेनर्स का परिचय दिया। गिरीश मालपानी ने बताया कि एक अच्छे नेतृत्व कर्ता में किन-किन गुणों का समावेश होना जरूरी है? क्या करें क्या ना करें इसकी पहचान उसे होनी चाहिए। अनेक उदाहरण द्वारा हम मोटिवेशन के साथ सबको साथ लेकर कैसे चल सकते हैं.. बहुत अच्छी तरह से समझाया। राजेश चांडक ने संगठन या संस्था में कोषाध्यक्ष के पद का महत्व व दायित्व क्या होता है कैसे कार्य करे तथा आय व्यय संबंधी प्रत्येक जानकारी को सूक्ष्मरूप से दर्शाया। आपने कहा यदि हमें अपना लक्ष्य पाना है तो प्रत्येक पदाधिकारी को जिम्मेदारी से कार्य करना होगा। द्वारकादास जालान ने संगठन के टीमवर्क के बारे में बहुत सुंदर तरीके से बताया। संस्था अपने टीम वर्क से आगे बढ़ती है। पारखी नजरों से कार्यकर्ता ढूंढना, उनकी क्षमता अनुसार उन्हें कार्य सोंपना, सही गलत से सभी को अवगत कराना, साथ ही अपनी टीम को अपने विश्वास में रखना जरूरी है। टाइम मैनेजमेंट एवं पब्लिक स्पीकिंग इन दोनों विषयों की जानकारी आपने सभागार के समक्ष बहुत अच्छे से रखी। समय सीमा का ध्यान रखते हुए कब, क्यों और कहां कितना बोलना चाहिए, ऑडियंस के सामने अपनी बात कैसे रखें? हमारे शब्दों का प्रभाव सब पर कैसे हो? हमारा आत्मविश्वास कैसे रहें? ऐसे अनेक विषयों पर सुंदर सरल शब्दों में आपने अपनी बात रखी। गुरुकुल के सभी ट्रेनर्स ने विभिन्न एक्टिविटी के साथ कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया। संपूर्ण राष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष, सचिव, कार्यसमिति व कोषाध्यक्ष की ट्रेनिंग के लिए यह कार्यक्रम रखा गया था। अष्टसिद्धा समिति प्रभारी नम्रता बियानी व सभी आंचलिक सहप्रभारियों ने बहुत ही सुचारू रूप से कार्यक्रम को संपादित किया। रात्रि में अधिक मास के उपलक्ष में महाराष्ट्र प्रदेश की समाज की प्रतिभाओं द्वारा अविस्मरणीय सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।

चारभुजा मंदिर खट्टाली में मना शताब्दी महोत्सव

खट्टाली। क्षेत्र के प्रसिद्ध श्री चारभुजा नाथ मंदिर के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर ग्राम बड़ी खट्टाली में 31 जुलाई से 6 अगस्त तक शताब्दी महोत्सव मनाया गया। इसमें प्रमुख रुप से पंच कुंडी विष्णु महालक्ष्मी यज्ञ तथा प्रतिदिन भगवान का अभिषेक व अर्चना विशेष रुप से 41 वेद पाठी ब्राह्मणों द्वारा संपूर्ण प्रक्रिया संपन्न की गई। यज्ञ हेतु विशेष यज्ञशाला का निर्माण भी किया गया।

परवाल परिवार ने करवाया था निर्माण

मंदिर निर्माण के बारे में प्राप्त जानकारी के अनुसार इसका निर्माण मादोजी वंश के परवाल परिवार के सेठ रामनारायण जी परवाल के सुपुत्र सेठ मयाराम उर्फ दयाराम परवाल की धर्म पत्नी गेंदी बाई ने संवत 1980 में करवाया था। यह जानकारी जागाजी (जो माहेश्वरी समाज की जानकारी को लिपिबद्ध करते है) राधेश्याम निहाल चंद पिताजी शंकरलाल भीलवाड़ा द्वारा दी गई। मंदिर के पुजारी पंडित नारायण शर्मा ने बताया कि श्री चारभुजा नाथ की प्रतिमा काफी प्राचीन है, पहले यह चलित प्रतिमा थी तथा मंदिर के पास बने एक छोटे से स्थान पर इसकी पूजा अर्चना की जाती थी। प्रतिमा के बारे में तो ठीक ठीक पता नहीं है कि यह कितने वर्ष पुरानी है परंतु जिस स्थान पर वर्तमान में भगवान चारभुजानाथ स्थापित है, उस स्थान को 100 वर्ष पूर्ण हो गए हैं। जागा जी ने बताया कि दयाराम जी की कोई संतान नहीं थी तब उन्होंने उक्त स्थान पर श्री चारभुजा नाथ का मंदिर स्थापित कर इस चलित प्रतिमा की स्थापना कर मंदिर की सेवा पूजा का जिम्मा माहेश्वरी समाज बड़ी खट्टाली को प्रदान कर दिया ताकि उनके वंश के रूप में याद किया जाता रहे। श्री चारभुजानाथ खट्टाली मंदिर में सभी प्रमुख त्यौहार धूमधाम से मनाया जाते हैं। किन्तु इस गांव में मनाया जाने वाले डोल ग्यारस पर्व का विशेष महत्व है। साथ ही फाल्गुन मास की रंग तेरस को भी मंदिर में विशेष आयोजन होते हैं।

अविस्मरणीय रहा शताब्दी महोत्सव

श्री चारभुजा धाम बड़ी खट्टाली में सप्त दिवसीय शताब्दी महोत्सव का शुभारंभ प्रथम दिवस को भव्य कलश शोभायात्रा के साथ हुआ। श्रृंगार आरती के पश्चात पंचकर्म की विधि संपन्न हुई जबकि प्रातः 10:00 बजे कलश पूजन के बाद भव्य शोभा यात्रा निकली जो गांव के प्रमुख मार्गो से होते हुए महाकाल मंदिर पहुंची तथा वहां से पुनः श्री चारभुजा नाथ मंदिर पहुंची, जहां कलश यात्रा का समापन हुआ। दोपहर 3:00 बजे यज्ञशाला में पूजन विधि प्रारंभ हुई वही सप्त दिवसीय भगवान श्री चारभुजा नाथ के अभिषेक का भी पूजन के पश्चात प्रारंभ हुआ। शोभायात्रा में दाहोद गुजरात के साथ ही जिले के अनेक स्थानों के साथ झाबुआ जिले से भी श्रद्धालु बड़ी खट्टाली पहुंचे जबकि दोपहर में हनुमंत आश्रम पीपल खूंटा के महंत दयाराम जी महाराज भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। दोपहर में भगवान श्री चारभुजा नाथ के अभिषेक की बोली लगाई गई। बोली का लाभ रामकिशन रूपचंद माहेश्वरी ने लिया जबकि यज्ञ के मुख्य यजमान की बोली धनराज बाबूलाल परवाल परिवार द्वारा ली गई।

भव्य चल समारोह के साथ समापन

चारभुजानाथ मंदिर के शताब्दी महोत्सव के समापन पर अंतिम दिन चल समारोह निकाला गया। इसमें बडी संख्या में क्षेत्रवासी शामिल हुए। भगवान की एक झलक पाने श्रद्धालु लालायित नजर आए। शताब्दी महोत्सव के अंतिम दिन सुबह से ही मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ नजर आई। सुबह 10:30 बजे यज्ञशाला के समीप आरती प्रारंभ हुई। 11 बजे यज्ञ की पूर्णाहुति हुई। इसके बाद सुबह 11:30 बजे मंदिर परिसर से चल समारोह की शुरुआत हुई। पं. कमल किशोर नागर के पुत्र प्रभुजी नागर ने भी भगवान की आरती कर प्रवचन दिए। इस दौरान भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष नागरसिंह चौहान भी आरती में शामिल हुए। आलीराजपुर क्षेत्र के विधायक मुकेश पटेल ने भी भगवान के दर्शन किए। आलीराजपुर नपा अध्यक्ष सेना पटेल और कांग्रेस नेता महेश पटेल ने भी भगवान की आरती की। उन्होंने 1 किलो चांदी की शिला मंदिर में अर्पित की। पटेल दंपत्ति ने पंडित नागर का शॉल भेंटकर सम्मान भी किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पुणे। सांगवी परिसर महेश मंडल की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन पंडित भीमसेन जोशी रंगमंदिर में किया गया। इस अवसर पर बच्चों के लिये फेन्सी ड्रेस, एकल नृत्य, युगल और सामूहिक नृत्य की स्पर्धा आयोजित की गयी। बच्चों ने अपनी वेशभूषा से सामाजिक संदेश दिये। महिलाओं ने आपणो उत्सव समूह नृत्य से राजस्थानी संस्कृति से अवगत कराया। इस अवसर पर सुनील लोहिया, सतीश लोहिया, निलेश अटल आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का सूत्र संचालन डिम्पल हेडा और स्नेहल सारडा ने किया। निर्णायक के तौर पार दीप चरखा ने काम किया। गणेश चरखा, पंकज पनपालिया, दिनेश लोहिया, मनोज अटल और विवेक झंवर आदि का इसमें योगदान रहा।

माहेश्वरी भवन कार्यालय का उद्घाटन

खामगांव। स्थानीय माहेश्वरी भवन के नूतन कार्यालय का उद्घाटन गत 30 जुलाई को अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री अजय काबरा के करकमलो द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर सभापति कार्यालय सह मंत्री नारायण राठी, संयुक्त मंत्री (मध्यांचल) दिनेश राठी, विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमलकिशोर माहेश्वरी, पूर्व विदर्भ प्रदेश अध्यक्ष सज्जनकुमार मोहता, माहेश्वरी मंडल खामगांव के अध्यक्ष दिनेश गांधी, कार्यालय नवीनीकरण हेतु विशेष सहयोग देने वाले मदनलाल गोदाणी, कार्यक्रम समन्वयक विवेक मोहता, जिला अध्यक्ष संजय सातल, विदर्भ प्रदेश सह मंत्री डॉ. विजय टावरी, महिला संगठन की जिला अध्यक्षा सुनिता भैय्या, तहसील अध्यक्षा नीता चांडक, माहेश्वरी महिला मंडल खामगांव की सचिव ममता पनपालिया आदि मंचासीन थे। अतिथिगणों का परिचय पूर्व अध्यक्ष सुभाष मंत्री, मंडल के कोषाध्यक्ष जगदीश नावंदर एवं सहसचिव आनंद झँवर ने दिया। कार्यक्रम की प्रस्तावना मंडल के अध्यक्ष दिनेश गांधी ने की। कार्यक्रम का संचालन संजय सातल एवंम सपना तथा आभार प्रदर्शन मंडल के सचिव विवेक मोहता ने किया।

श्रीमती बसंती चांडक साहित्यिक पुरस्कार - वर्ष-2023

माहेश्वरी महिला साहित्यकार इस पुरस्कार के लिये पात्र होंगी

पुरस्कार : रुपये एक लाख तथा 100 ग्राम का चांदी का सिक्का

माहेश्वरी समाज में इस प्रकार का महिलाओं के लिए दिया जानेवाला प्रथम पुरस्कार है।

श्रीमती बसंती चांडक साहित्यिक पुरस्कार समिति

बसंती हॉस्पीटल, रामदासपेठ, अकोला - ४४४००५. मो. 8007720747

puraskarsamiti@gmail.com

इंडोर क्रिकेट का हुआ आयोजन

कलकत्ता। दक्षिण कलकत्ता माहेश्वरी सभा एवं दक्षिण कोलकाता युवा माहेश्वरी संगठन के सयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय इंडोर क्रिकेट दक्षिण प्रीमीयर लीग DPL-2023 का आयोजन 29 जुलाई तथा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह गत 30 जुलाई को आयोजित हुआ। शुभारम्भ के मुख्य अतिथि समाजसेवी राजेश सिन्हा (काउन्सलर वार्ड नंबर 25), विशिष्ट अतिथि विनोद जाजू (अध्यक्ष-वृहत्तर कोलकाता माहेश्वरी सभा), संपत मांधना (मंत्री - वृहत्तर कोलकाता माहेश्वरी सभा), निवर्तमान अध्यक्ष सीए भँवर लाल राठी आदि थे। तीन महिला टीम ने इस क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लिया और डागा रॉकस्टार्स इसकी विजेता रही जिन्होंने फाइनल मुकाबले में मांधाना फ़ाइटर्स को हराकर DPL-2023 महिला का खिताब अपने नाम किया। दस पुरूष टीमों ने इस क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लिया था जिसमें विजेता जाजू सुपर किंग्स रहे जिन्होंने बेहद रोमांचक होने वाले इस फाइनल मुकाबले में मुंधड़ा रॉकर्स को हराकर DPL-2023 पुरुष का खिताब अपने नाम किया। कार्यक्रम मे नन्दकिशोर लखोटिया, सुरेश झवर, सुरेश बागडी, महेश मिमानी, बुलाकी दास मिमानी, हरिशंकर झवर, प्रदीप राठी, अनिल लखोटिया, गोपाल दम्मानी, अशोक भट्टर आदि उपस्थित थे।

चौथ व्रत का सामूहिक उद्यापन

जयपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन के अन्तर्गत क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन जोन-1 द्वारा गत 4 अगस्त को श्रावण के अधिकमास की चौथ के अवसर पर लहरिया थीम पर सामूहिक उद्यापन का आयोजन किया गया। इसमें 14 महिलाओं ने अपना उद्यापन किया। जोन-1 की अध्यक्ष उर्मिला लोहिया ने बताया कि संत कौशलदास की बगीची में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम करीब 80 संतों ने प्रसादी ग्रहण की तथा कुल करीब 200 महिलाओं ने सहभोज का आनन्द लिया। क्षेत्रीय संगठन की प्रचार एवं संगठन मंत्री भारती मंत्री ने बताया कि इस अवसर पर जिला संरक्षक उमा परवाल, जिला अध्यक्ष उमा सोमानी, जिला मंत्री सविता राठी तथा जिला संगठन, प्रदेश संगठन एवं सभी जोनों के विभिन्न पदाधिकारी भी उपस्थित थे। जोन की सांस्कृतिक मंत्री अपला मूंदड़ा ने बताया कि इस अवसर पर हनुमान चालीसा का ग्यारह बार सामूहिक पाठ भी किया गया। इस कार्यक्रम में प्रेमलता मांधना, अनिता मूंदड़ा एवं रमेश मूंदड़ा का सराहनीय सहयोग रहा।

कल्याणी बने व्यापार उद्योग मंडल अध्यक्ष

बीकानेर। उद्योग मंडल अध्यक्ष पद का निर्वाचन चुनाव प्रक्रिया द्वारा ही संपन्न हुआ। इसमें माहेश्वरी समाज के कल्याण प्रिंटिंग प्रेस के डायरेक्टर मनमोहन कल्याणी ने 113 मतों से अध्यक्ष पद पर विजय श्री प्राप्त की। समस्त स्नेहीजनों ने इस अवसर पर हर्ष व्यक्त किया।

गुजरात युवा संगठन का गठन

अहमदाबाद। गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन में सत्र 2023-2026 के लिए रामप्रकाश झंवर अध्यक्ष (सूरत), मयंक बागड़ी मंत्री एवं प्रवीण माहेश्वरी का चयन उपाध्यक्ष के लिए अहमदाबाद से एवं ऋषि झंवर कार्य समिति राजकोट, निखिल काबरा संगठन मंत्री मोरबी, दिनेश राठी सांस्कृतिक मंत्री सूरत, सुनील हिरानी खेल मंत्री मोडासा का निर्विरोध चयन हुआ। अंत में सत्र 2020-2023 के अध्यक्ष नरेश केला और मंत्री विशाल होलानी ने अपने 3 साल के कार्यकाल में सबके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उक्त जानकारी गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन समिति सदस्य अर्पित बाहेती द्वारा दी गयी।

मनासा में भी बायोडाटा अवलोकन सुविधा

मनासा (नीमच)। मेवाड़ माहेश्वरी मंडल, भीलवाड़ा के बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम के लिए नवीन शाखा कार्यालय उदयपुर, चित्तौड़गढ़ के बाद मनासा जिला नीमच में गत 16 जुलाई को द्वारकापुरी धर्मशाला मनासा जिला नीमच में प्रारंभ किया गया। परिचय पत्रक (बायोडाटा) अवलोकन कार्यक्रम के साथ विवाह योग्य युवक-युवतियों के अभिभावकगण का परिचय सम्मेलन भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि-माधवलाल मारू विधायक (मनासा), मानकचंद बिडला पूर्व जिला अध्यक्ष- नीमच माहेश्वरी सभा, विशेष अतिथि- सुरेश अजमेरा अध्यक्ष माहेश्वरी समाज नीमच, प्रद्युम्न मारू अध्यक्ष माहेश्वरी समाज (मनासा), दिलीप बांगड़ अध्यक्ष माहेश्वरी समाज (जावद), रमेश राठी मंत्री भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा आदि उपस्थित थे।

लाहोटी बने चेम्बर अध्यक्ष

हैदराबाद। रमेशचंद्र लाहोटी मैनेजिंग कमिटी की बैठक में फेडरेशन ऑफ कर्नाटका चेंबर ऑफ कॉमर्स ट्रेड एंड इंडस्ट्री के वर्ष 2023-2024 के लिए अध्यक्ष निर्वाचित हुए। आगामी 30 सितंबर को वार्षिक साधारण सभा एवं कार्यसमिति सदस्यों की चुनाव प्रक्रिया होने के बाद उसी दिन सायंकाल समारोह में पद ग्रहण किया जाएगा। समस्त कर्नाटक प्रदेश में 400 से अधिक संस्थाएं (व्यापार, इंडस्ट्री, ईकॉमर्स एवम अन्य) 106 वर्ष से कार्यरत वाणिज्य संस्था FKCCI के अंतर्गत है।

गौमाता के लिए छप्पन भोग आयोजित

हैदराबाद। संस्कार-धारा एक विचार कोठी सुल्तान बाज़ार द्वारा पुरुषोत्तम मास के अवसर पर गौमाता के लिए छप्पन भोग संस्था की संस्थापिका कलावती जाजू के नेतृत्व में शमशेर गंज गोशाला में आयोजित किया गया। अध्यक्ष पुष्पा दरक व मंत्री कलावती दरक की देखरेख में पहले शिवजी का अभिषेक, तत्पश्चात छप्पन भोग का आयोजन कर सदस्याओं द्वारा भजन संकीर्तन और वहाँ (गोशाला) में कार्यरत सेवको को वस्त्रों का वितरण किया गया। कोषाध्यक्ष प्रेमलता काकांणी, सत्र सरंक्षक श्यामा नावंदर, संगठन मंत्री सविता मालाणी, संयोजिका इन्द्रा दरक, किरण बंग, संतोष लाहोटी, किरण अट्टल आदि का सहयोग रहा।

देवेश ने किया लंदन से इंजीनियरिंग

लंदन। धोरीमन्ना निवासी स्वर्गीय रामजीवन पुंगलिया के सुपौत्र माहेश्वरी समाज लंदन के भूतपूर्व अध्यक्ष दिलीप-कविता पुंगलिया जोधपुर निवासी हाल लंदन के सुपुत्र देवेश ने इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की उपाधि लंदन की क्वीन मेरी यूनिवर्सिटी से प्राप्त की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

कल्याणी को एलएलबी उपाधि

भोपाल। कु. कल्याणी राठी ने अपनी वकालात की डिग्री नेशनल ला यूनिवर्सिटी कटक (ओडिशा) से 23 साल की उम्र में 3 स्वर्ण पदक के साथ पूर्ण की। आप कविता पंकज राठी निवासी बरेली, भोपाल की सुपुत्री हैं।

जावंदिया का किया सम्मान

नागदा। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन मध्यांचल की नव निर्वाचित संयुक्त मंत्री अनिता जावंदिया एवम होशंगाबाद के पूर्व जिला अध्यक्ष राजेश जावंदिया का नागदा आगमन पर समाज जन एवम महिला मंडल द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया। उल्लेखनीय है कि हाल ही में अ.भा. महिला संगठन के त्रयोदश सत्र 2023-26 की नवीन कार्यकारिणी में नरेंद्र राठी परिवार की बेटी बनखेड़ी (होशंगाबाद) निवासी अनिता जावंदीया निर्विरोध संयुक्त मंत्री चुनकर आई हैं। उक्त जानकारी माहेश्वरी समाज नागदा के पूर्व अध्यक्ष सतीश बजाज द्वारा दी गई।

खरी-खरी...

संबंधों की मृदुता है
केवल अभिव्यक्त विचारों तक

दायित्वों को सौंप हमें
वह सीमित हैं अधिकारों तक

सुख-सरिता की नौका में तो
सबने साथ विहार किया

बाढ़ बढ़ी विपदाओं की तो
साथी रहे किनारों तक

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

सुंदरकांड का हुआ आयोजन

हिम्मतनगर (गुजरात)। राष्ट्रीय संत डॉ. मिथिलेश नागर के मुखारबिन्द से सुन्दरकाण्ड का आयोजन किया गया। इसमें माहेश्वरी समाज तथा अन्य भक्तजन बडी संख्या में उपस्थित थे। बालकृष्ण प्रियांशु कुमार काबरा, हिम्मतनगर द्वारा समुह भोज का आयोजन भी श्री माहेश्वरी सेवा समिति द्वारा इस अवसर पर रखा गया।

प्रोजेक्ट योग सोपान का शुभारम्भ

राजनांदगांव। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन अंतर्गत संस्कारसिद्धा बाल एवं किशोरी विकास समिति द्वारा जून से अगस्त तक योग सोपान का प्रोजेक्ट आयोजित किया जा रहा है। इसमें छत्तीसगढ़ के स्कूलों में 16 योगासन सिखाया जा रहा है। इसी कड़ी में रामदेव राठी के सहयोग से महिला मंडल द्वारा दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनांदगांव में योग कराया गया। प्रदेश समिति संयोजिका पिंकी धूत ने बताया कि इसमें प्रदेश सांस्कृतिक मंत्री एवं गीता परिवार अध्यक्ष सुषमा राठी और महिला मंडल राजनांदगांव की सांस्कृतिक मंत्री रुपाली गांधी की विशेष उपस्थिति रही।

पुण्य स्मृति में रक्तदान शिविर

गंगापुर। स्वर्गीय श्री संजय समदानी की स्मृति में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ शांतिलाल समदानी, पवन समदानी, श्याम समदानी, राजेश समदानी (सिंघम), सांवर बियानी आदि ने किया। यह शिविर भारत विकास परिषद और समदानी परिवार द्वारा मिलकर आयोजित किया गया। इस शिविर में नारी शक्ति ने भी बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस रक्तदान शिविर में कुल 175 यूनिट रक्त संग्रहण हुआ।

नरसेवा-नारायण सेवा का आयोजन

जयपुर। जरूरतमंद वर्ग के सेवार्थ श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के नवीनतम प्रयास महेश अन्न सेवा का गत 30 जुलाई को विधिवत शुभारम्भ किया गया। इसमें अस्पताल (बांगड़ परिसर-गेट न. 5) के बाहर लगाए गए सेवा केंद्र पर 527 जरूरतमंद लोगों को भोजन प्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर समाज संरक्षक राजेन्द्र मूंधड़ा, रमेशचन्द मनिहार, समाज अध्यक्ष केदारमल भाला, महामंत्री मनोज मूंदड़ा, पूर्व समाज अध्यक्ष सत्यनारायण काबरा (मालवीय नगर), बालकिशन सोमानी, महासचिव शिक्षा मधुसूदन बिहाणी, उपाध्यक्ष शिक्षा बजरंग बाहेती, सत्यनारायण काबरा (जेडी सुपारी), उपाध्यक्ष वित्त पवन बजाज, संयुक्त सचिव बृजमोहन बाहेती, वरिष्ठ आवास एवं कल्याणमंत्री श्रीबल्लभ मारू, नवयुवक मण्डल अध्यक्ष अभिषेक मांधना, गिरधर झंवर, मनीष जाजू, संयोजक चांदरतन बिड़ला आदि उपस्थित थे।

गीता प्रवचन एवं सम्मान समारोह

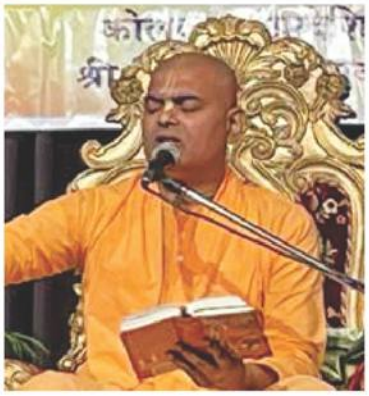

कोलकाता। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी रामगोपाल सोहिनी देवी नागोरी चैरीटेबल ट्रस्ट, श्री डीडवाना नागरिक सभा एवं कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के संयुक्त तत्वावधान में श्रद्धेय स्व. श्री बद्री विशाल नागोरी की 21वीं पुण्य तिथि पर वार्षिक व्याख्यानमाला का आयोजन 2 अगस्त को स्थानीय कला कुंज सभागार में किया गया। इसमें ''हमारे जीवन में गीता का महत्व'' विषय पर ओजस्वी वक्ता एवं गीता मर्मज्ञ इस्कॉन के स्वामीजी श्री राधावल्लभ दास जी महाराज का व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सर्राफ ने की। स्वागत भाषण डीडवाना नागरिक सभा के अध्यक्ष अरूण मल्लावत ने प्रस्तुत किया। मधु माहेश्वरी ने श्रीभगवद्गीता एवं अपने पिता स्व. श्री बद्रीविशाल नागौरी के प्रति अपने मनोभाव व्यक्त किए। इस अवसर पर डॉ. मनोज कुमार डागा को स्व. बद्री विशाल नागोरी स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नागोरी परिवार से हीरामणी, प्रभा, सरिता, निशा, अभिलाषा, उपमा, हेमा, राजश्री, राजेश, नरेश, किशन, कुलदीप, राहुल, ऋषभ नागोरी आदि उपस्थित रहे। अन्य गणमान्य लोगों में श्याम काबरा, दुर्गा व्यास, शशी भईया, स्नेहा भराड़िया, भँवरलाल राठी, सीताराम मूँधडा, बल्लभ भूतड़ा, श्रीराम मुंधड़ा, अरुण अनिता लढा, दीनदयाल जाजू आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

योग शिविर का हुआ आयोजन

फरीदाबाद। माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अंतर्गत 10 दिवसीय योग शिविर का आयोजन हुआ। सभी बच्चों को नीतू भूतड़ा द्वारा योग सिखाया गया व योगा सीखने का सर्टिफिकेट भी प्रदान किया गया। सचिव श्रवण मीमाणी ने बताया कि स्कूल की प्रधानाचार्य, सभी अध्यापक, उत्तरांचल की उपाध्यक्षा सुमन जाजू, हरियाणा पंजाब-हिमाचल-जम्मू कश्मीर की अध्यक्षा सीमा मूंदड़ा, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कमल आगीवाल, माहेश्वरी मंडल के अध्यक्ष रामकुमार राठी, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के सचिव श्रवण मिमाणी, माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा पुष्पा झंवर, युवा मंडल के अध्यक्ष मोहित झंवर, रेखा राठी, नीतू भूतड़ा आदि की उपस्थिति रही।

शरद पूर्णिमा और हिंडोला झूला उत्सव

नागदा। महात्मा गाँधी मार्ग स्थित श्री गोवर्धननाथ जी की हवेली में पुरूषोत्तम मास श्रावण के चलते वर्ष भर में आने वाले त्योहारों के दर्शन हो रहे हैं। इसी क्रम में पूर्णिमा को शरदोत्सव उत्सव मनाया गया। ठाकुरजी को श्वेत वस्त्र धारण करवाकर दूध का भोग लगाया। साथ ही नित्य प्रतिदिन हिंडोला झूला उत्सव भी मनाया जा रहा है। मंदिर में प्रतिदिन श्री यमुना कीर्तन मंडली द्वारा कीर्तन किए जा रहे है जिसमें गोविंदलाल मोहता, बंसीलाल राठी, गिरिराज मालपानी, घनश्याम राठी, नंदकिशोर मालपानी, संजय मवानीं प्रकाश मालपानी आदि का सहयोग प्राप्त हो रहा है। उत्सव के लाभार्थी अशोक चांदमल बीसानी, मुरलीधर राठी परिवार, सतीश बजाज परिवार व राजकुमार कन्हेयालाल मोहता थे। उक्त जानकारी समिति के गोविंदलाल मोहता एवं सतीश बजाज द्वारा प्रेषित की गई।

मुखौटे बचपन में देखे थे मेले में टंगे हुए समझ बढ़ी तो देखा लोगों पर चढ़े हुए। कितने भी अच्छे कर्म कर लो तारीफ श्मशान में ही होगी।

सुपोषित आहार किट वितरण

फरीदाबाद। माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारा गत 24 जुलाई को 'सुपोषित माँ अभियान' कार्यक्रम के अंतर्गत पांचवी एवं छठी (दोनों एक साथ-वजन करीब 15 किलो प्रति लाभार्थी) 'सुपोषित आहार 'की किट वितरित की। कार्यक्रम का संचालन- कार्यक्रम संयोजक नीतू भूतड़ा ने किया। इसमें 170 गर्भवती महिलाओं और 32 टीबी के मरीजों को भी सुपोषित आहार की किट प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में लगभग 325 लोगों द्वारा सुपोषित आहार ग्रहण किया गया। सुपोषित आहार की व्यवस्था देवेश चांडक द्वारा की गई। इस कार्यक्रम में माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कमल आगीवाल, सचिव श्रवण मिमाणी, महिला मंडल की अध्यक्षा पुष्पा झंवर, आशु झंवर, सीमा माहेश्वरी, रेखा राठी, सुलोचना मालपानी, मंजू पेडीवाल, गायत्री नेवर, रीता राठी, सुमन सोढानी, शिखा मंत्री, संगीता केला, अलका राठी आदि का योगदान रहा। यह योजना मेसर्स किर्लोस्कर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, पीतांबरा ग्रेनाइट प्राइवेट लिमिटेड, ए बी एम इंटरनेशनल लिमिटेड, बागला ग्रुप ऑफ कम्पनीज के सीएसआर फंड से प्राप्त धन राशि से क्रियान्वित है।

पुलिहरा से बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

हैदराबाद। सिकन्दराबाद मारवाडी महिला संगठन ने गत 28 जुलाई को अध्यक्ष कलावती जाजू के नेतृत्व व मार्गदर्शन में दक्षिण भारत के प्रसिद्ध पुलिहरा को विश्वस्तर पर अधिकतम मात्रा में बनाकर अपना नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड मे दर्ज कराया। इस रिकॉर्ड को हासिल करने के लिए उल्लेखनीय रूप से 3,550 किलो पुलिहरा तैयार किया गया। कानो गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड टेलेंट मैनेजमेंट प्राईवेट लिमिटेड के एशिया हेड डॉ. मनीष कुमार विश्नोई ने मंडल द्वारा विश्वस्तर पर, अधिकतम पुलिहरा बनाकर गोल्ड बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने की अधिकारिक घोषणा की। इस अवसर पर उन्होंने रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र संगठन की अध्यक्षा कलावती जाजू को हस्तांतरित किया। संगठन मंत्री मंजू लाहोटी ने बताया कि इसमें 10 क्विंटल चावल 500 किलो अन्य प्रकार की सहायक सामग्री का प्रयोग कर 3,550 किलो पुलिहरा बनकर तैयार किया। इसे शहर के नौ केन्द्रों पर 12,000 पैकेट बनाकर वितरित किया गया। इस रिकॉर्ड को स्थापित करने में नगर की विभिन्न स्थानीय संस्थाओं द्वारा भी सहयोग प्रदान किया गया। इसमें संगठन की समस्त सदस्याओं का सहयोग रहा।

चारभुजानाथ मंदिर के पुजारीगण का सम्मान

उज्जैन। गत 7 अगस्त को श्री चारभुजानाथ (गढबोड़) राजस्थान से श्री चारभुजा नाथ मंदिर खट्टाली की स्वर्ण जयंती के लिए पधारे पुजारीगण का आगमन बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में हुआ। उनके आगमन पर मालू परिवार और मित्र मंडल की ओर से एक सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। पधारे सभी पुजारीगणों का स्वागत एवं सम्मान आयोजक मालू परिवार और मित्र मंडल की ओर से किया गया। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ रमेश हेड़ा, संजय लड्ढा, उमेश मालू, मनोज हेड़ा, मनोज बजाज, निलेश हेड़ा, उज्जैन माहेश्वरी सभा जिला सचिव नवीन बाहेती एवं श्री माहेश्वरी टाइम्स के संपादक पुष्कर बाहेती उपस्थित थे। आभार उमेश मालू ने माना।

सावन और अधिक मास पिकनिक आयोजित

नागपुर। अधिक मास एवं सावन के उपलक्ष्य में ज्योति महिला मंडल द्वारा सदस्याओं के लिए पिकनिक का आयोजन किया गया। इस वर्ष श्रावण पुरुषोत्तम मास के महत्व को ध्यान में रखते हुए सबसे पहले हिंगना शिव मंदिर में शिवजी का अभिषेक किया गया। तत्पश्चात् तेलगांव हनुमान मंदिर में सामूहिक सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा का पाठ किया गया व सहस्त्र फल दायक पुरुषोत्तम मास की कथा का श्रवण भी किया गया। सभी के लिए स्वादिष्ट भोजन प्रसादी की व्यवस्था मंदिर में ही की गई। इस अवसर पर संस्थापिका शोभा सुरजन के हाथों पौधारोपण भी मंदिर परिसर में किया गया। आयोजन को सफल बनाने के लिए मंडल की अध्यक्षा अर्चना बिंझानी, सचिव स्वाति साँवल तथा पिकनिक की सभी सुनियोजित व्यवस्था में मुख्य संयोजिका माया मनियार, श्रद्धा मनियार, पूनम मनियार के साथ ही समस्त मनियार परिवार का योगदान रहा।

विद्या प्रचारक मंडल ने आयोजित किया रक्तदान अभियान

पुणे। माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल (एमवीपीएम) तथा संस्था के पूर्व छात्रों द्वारा समान विचारधारा वाली 30 अन्य संस्थाओं के सहयोग से पूरे महाराष्ट्र में गत 20 अगस्त को प्रदेशव्यापी रक्तदान अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान को पूरे प्रदेश में भारी प्रतिसाद मिला। अकेले पुणे में ही 1537 तथा सोलापुर में 884 व जलगाँव में 721 युनिट रक्त संग्रहण हुआ। इस तरह सम्पूर्ण प्रदेश से कुल 4812 बोतल रक्त संग्रह हुआ, जो जरूरतमंदों की जीवन रक्षा में सहयोगी बनेगा। उल्लेखनीय है कि माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल शिक्षा व समाजसेवा के क्षेत्र में गत 94 वर्षों से कार्यरत प्रतिष्ठित संस्था है। इसमें सहयोगी बना अभय भूतड़ा फाउंडेशन भी समाजसेवा शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सामाजिक विकास के क्षेत्र में सहयोग दे रही है।

ऋषभ-राघव को सुयश

उरई (उ.प्र.)। दो नन्हे-नन्हे बच्चे ऋषभ और राघव भट्टड़ सुपौत्र तारादेवी-स्व. श्री कैलाशनाथ एवं सुपुत्र पूजा-नवनीत माहेश्वरी, ऊरई, उत्तर प्रदेश ने इंडोनेशिया जाकर गणित की एक विशेष प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इसमें उन्होंने गोल्ड कप भी प्राप्त किया।

वेबीनार का किया आयोजन

गुरुग्राम। हरियाणा-पंजाब हिमाचल जम्म-कश्मीर प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के सान्निध्य में गुरूग्राम जिला सभा द्वारा गर्वमेंट ई-मार्केट प्लेस (GeM) वेबीनार का आयोजन हुआ। लगभग 3 घंटे तक चले इस वेबीनार में सभी प्रतिभागियों ने खुल कर भाग लिया व अपनी जिज्ञासा प्रगट की, जिसके एक्सपर्ट टीम ने संतोषप्रद उत्तर दिए। इस कार्यक्रम का प्रारंभ प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र कलंत्री ने सभी के स्वागत के साथ किया। उसके पश्चात अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति संदीप काबरा ने अपने प्रारंभिक उदबोधन में गेम के महत्व पर प्रकाश डाला। इस महत्वपूर्ण वेबीनार के सफल आयोजन में गुरूग्राम सभा के सभी कार्यकर्ताओं का सूत्रधार महेश जाखेटिया ने आभार व्यक्त किया।

डॉ. आयुषी को एमडी उपाधि

इन्दौर। कमला - जगदीश मूंगड़ की पौत्री व स्मिता-राजेश मूंगड़ की सुपुत्री तथा मनासा के बालकृष्ण मूंदड़ा की पुत्रवधु डॉ. आयुषी ने एम.डी. की उपाधि प्राप्त की। उल्लेखनीय है कि मनासा के इस परिवार में श्री मूंदड़ा की बेटी डॉ. प्राची मूंदड़ा (एमबीबीएस) तथा पुत्र डॉ. योगेश मूंदड़ा (एमएस) भी प्रतिष्ठित चिकित्सक के रूप में सेवा दे रहे हैं।

जिला सभा ने ली पद की शपथ

राजगढ़। जिला माहेश्वरी समाज ने साहू धर्मशाला नरसिंहगढ़ में नवीन कार्यकारिणी का शपथ विधि व पारितोषिक वितरण सम्मान समारोह आयोजित किया। शपथ अधिकारी अजय झंवर ने राजगढ़ जिले के सदस्यों को सभी पद की शपथ दिलाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पश्चिमांचल माहेश्वरी समाज के पूर्व संयुक्त मंत्री रामप्रसाद गगरानी ने की। मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अ. भा. माहेश्वरी युवा संगठन अशोक ईनानी, मानद मंत्री अजय झंवर, विशेष अतिथि अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा कार्यकारी मंडल सदस्य संपत मोदानी, प्रादेशिक सभा के संभागीय मालवा अंचल उपाध्यक्ष अशोक काकानी, प्रादेशिक युवा संगठन कोषाध्यक्ष अंकित अजमेरा, युवा संगठन संभागीय संयुक्त मंत्री अभिषेक बजाज, शाजापुर आगर जिला अध्यक्ष अजय राठी एवं राजगढ़ जिला अध्यक्ष जितेंद्र बाहेती आदि थे।

लाखोड़ी कार्यक्रम का हुआ आयोजन

महाराष्ट्र। माहेश्वरी महिला मंडल एवं नवयुवति मंडल के संयुक्त तत्वावधान में लाखोडी कार्यक्रम अंतर्गत शिवलिंग पर सवा लाख कल्पी मिश्री चढ़ाई गई। मुख्य अतिथि राजकुमार जाजू थे। कार्यक्रम की संयोजिका रेणु संजय टावरी ने बताया कि इसके पूर्व सवा लाख की संख्या में बिल्वपत्र, चावल एवं मूंग चढ़ाए गए थे। आगे की कड़ियों में गेहूं, जौं आदि वस्तुएं सवा लाख की मात्रा में चढ़ाई जाएंगी। इस अवसर पर महिला मंडल की अध्यक्षा अलका श्याम राठी ने बताया कि आगामी दिनों में शेगाँव दर्शन भी प्रस्तावित है।

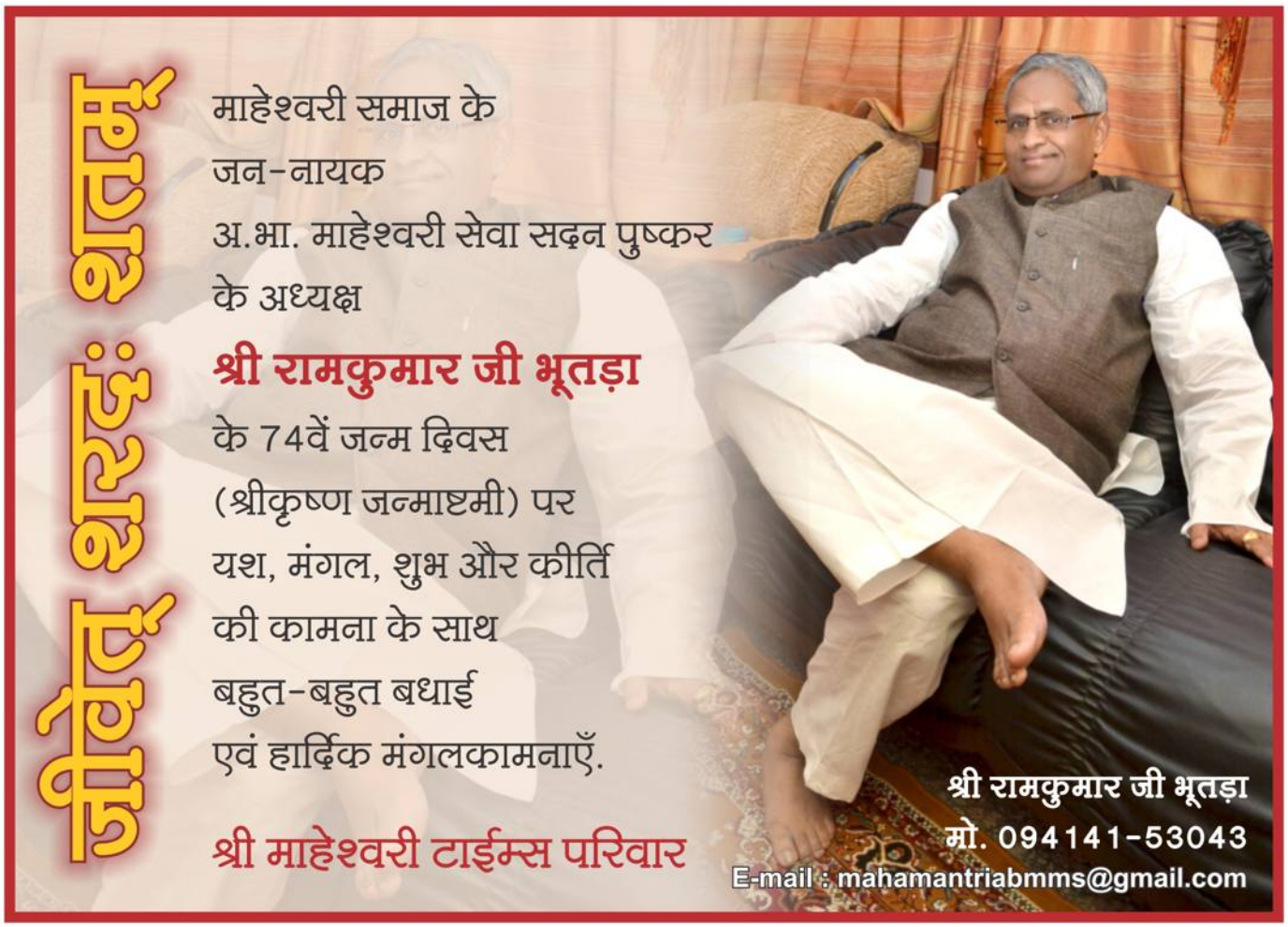

मूंदड़ा का हुआ सम्मान

जावरा। माहेश्वरी समाज जावरा के पूर्व अध्यक्ष मदनलाल मूंदड़ा कृषि उपज मंडी समिति में अपने 37 वर्षों के सहायक उप निरीक्षक पद के कार्यकाल से सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर बी एल एम पैलेस जावरा पर आयोजित सम्मान समारोह में कृषि उपज मंडी समिति खाचरोद, जावरा व बड़ावदा के साथ ही व्यापारी संगठनों, क्षेत्र के कई सामाजिक संगठनों, माहेश्वरी समाज बड़ावदा व जावरा तथा जावरा क्षेत्र के कई वरिष्ठ समाजसेवियों द्वारा उनका स्वागत व सम्मान किया गया। इस अवसर पर परिवारजनों द्वारा उनका तुला दान किया गया। माहेश्वरी समाज जावरा के अध्यक्ष प्रहलाद मालानी, माहेश्वरी समाज बड़ावदा के अध्यक्ष जगदीश अजमेरा, रामचंद्र डारिया, मनोहर तोषनीवाल, पिंकेश मेहरा, माहेश्वरी युवा संगठन प्रदेश प्रतिनिधि रोहित डांगरा, मधुसूदन मुंगड़, गोपाल मूंदड़ा, राजेंद्र मूंदड़ा, दिनेश मूंदड़ा, संजय मूंदड़ा, आदि उपस्थित थे।

महारुद्राभिषेक का हुआ आयोजन

कोलकाता। मध्य कोलकाता माहेश्वरी सभा महिला एवं युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में महारुद्राभिषेक का आयोजन स्थानीय माहेश्वरी भवन अमृत हाल में गत 9 जुलाई को प्रातः 11:30 बजे से किया गया। 29 वें महा रुद्राभिषेक में 57 जोड़ों ने भाग लिया। कार्यक्रम के संयोजक सुशील सादानी व मयूर मालानी थे। मुख्य यजमान सुदर्शन शर्मिला मूंधड़ा व पंकज अपर्णा मूंधड़ा थे। महासभा के कार्यसमिति सदस्य श्याम राठी, चुनाव समिति सदस्य गोपाल दमानी, निर्मला मल, प्रदेश महिला अध्यक्ष मंजू पेडीवाल, मंत्री कुसुम मूंधड़ा, प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाजू, मंत्री संपत मांधना, प्रदेश युवा मंत्री राजीव लखोटिया एवं कोलकाता प्रदेश के सभी दसों अंचलों के माहेश्वरी सभा के पदाधिकारियों ने भी इस आयोजन में हिस्सा लिया। 30 जुलाई से 06 अगस्त तक गोपाल व्यास के मुखारविंद से अधिक मास के पावन पर्व पर भागवत जी का प्रवचन भी स्थानीय माहेश्वरी भवन में आयोजित होगा। पूर्व अध्यक्षा सुशीला बागड़ी ने उक्त जानकारी दी।

वक्त के फैसले कभी गलत नहीं होते बस साबित होने में वक्त लगता है।

जिला युवा संगठन के चुनाव संपन्न

रतलाम। जिला माहेश्वरी युवा संगठन सत्र 2023-26 के चुनाव श्री राम बाग हनुमान मंदिर रतलाम में माहेश्वरी युवा संगठन रतलाम के आतिथ्य में संपन्न हुए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी - प्रफुल्ल सोमानी ताल, सहायक निर्वाचन अधिकारी - आशीष लोहिया रतलाम, प्रादेशिक पर्यवेक्षक - डॉ. गुंजन बाहेती महू, सपन माहेश्वरी इंदौर उपस्थित रहे। इसमें अध्यक्ष यश तोतला, सचिव - उमेश मारोठिया, प्रदेश प्रतिनिधि - रोहित डांगरा, राष्ट्रीय सदस्य - अंकित अजमेरा, उपाध्यक्ष - शुभम अजमेरा, दीपक गगरानी, कोषाध्यक्ष - अंकित चांडक, सहसचिव - आकाश लड्ढा, खेल मंत्री - नितिन धूत तथा प्रदेश कार्यकारी मंडल में - चेतन लड्ढा, रोनक सोमानी, आशीष तोषनीवाल, मोहित मूंदड़ा चुने गये।

चतुर्थी व्रत का उद्यापन

शाजापुर। माहेश्वरी समाज महिला अध्यक्ष मिथिलेश माहेश्वरी द्वारा चतुर्थी का उद्यापन गत दिनों संपन्न हुआ। इसमें रेखा माहेश्वरी, मीना माहेश्वरी, पुष्पा चितलांगिया सहित समाज की कई महिलाऐं शामिल थीं। उक्त जानकारी अध्यक्ष मिथिलेश माहेश्वरी ने दी।

प्री-वेडिंग पर रोक लगाने का निर्णय

राजसमंद। श्याम गोशाला में राजसमंद जिला माहेश्वरी संस्थान की नवीन कार्यकारिणी की पहली बैठक हुई। जिलाध्यक्ष विष्णु गोपाल सोमानी, दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक सभा सचिव रामगोपाल सोमानी, सह सचिव केदारमल न्याती, निवर्तमान जिला अध्यक्ष अर्जुन लाल चेचाणी, महिला मंडल जिला अध्यक्ष प्रेमलता चेचाणी आदि मौजूद थे। चारभुजा जलझूलनी पर आयोजित होने वाले मेले में शीतल पेयजल की व्यवस्था करने, प्रतिभावान सम्मान समारोह आयोजित करने, विधवा व असहाय महिलाओं की सहायता व आदित्य विक्रम ट्रस्ट की जानकारी देने, वाद-विवाद प्रकोष्ठ की स्थापना, प्री-वेडिंग पर पूर्ण रोक लगाने और महेश जयंती पर्व जिला स्तरीय पर मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक से पूर्व गोशाला में गायों को गुड़ का प्रसाद खिलाया। जिला अध्यक्ष विष्णु सोमानी ने आगंतुक समाजजनों का आभार व्यक्त किया। भगवती लाल असावा, नारायण लाल बाहेती, जगदीश मंडोवरा, मनोज छापरवाल, लक्ष्मी लाल ईनाणी, जगदीश चंद्र लड्ढा, सुभाष काबरा, मदन लाल मालानी, द्वारका प्रसाद झंवर आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव खूबचंद झंवर ने किया।

राज्यपाल का किया अभिवादन

रायपुर। महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री रमेश बैस के जन्मदिवस के अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता छगनलाल मूंदडा ने अपने परिवार के साथ मिलकर बधाई एवं शुभकामनाएँ दी।

सावन उत्सव का आयोजन

जोधपुर। माहेश्वरी महिला संगठन उत्तरी क्षेत्र जोधपुर शहर द्वारा 5 अगस्त को मोटर मर्चेंट हाल में सावन उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्ष मंजू लोहिया ने बताया कि उत्सव में मनोरंजक प्रतियोगिताओं के साथ महिलाओं को प्रोत्साहन देने हेतु हस्त निर्मित उत्पादो की स्टाल्स लगायी गयी। सचिव राजू मूथा ने बताया कि फूलकौर मूंदड़ा, आशा फोफलिया, ऊषा झंवर, पूजा राठी, देवकिशन बाहेती, नंदकिशोर शाह, राधेश्याम डागा, गिरीश बंग सहित समस्त महिला संगठन की अध्यक्षाऐं उपस्थित थीं। सावन-उत्सव प्रतियोगिताओं में चारू माहेश्वरी और विमला पित्ती ने निर्णायक की भूमिका निभाई। मंच संचालन सुनीता हेड़ा ने किया।

महिला मंडल ने किया धार्मिक भ्रमण

नागदा। माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वावधान में धार्मिक यात्रा का आयोजन किया गया। इसमें पावन नगरी उज्जैन में श्रीमहाप्रभुजी की बैठक में राजभोग दर्शन कर सभी सखियों ने महाप्रसादी का लाभ लिया। साथ ही श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, इस्कॉन मंदिर, चिंतामन गणेश एवं अन्य मंदिरों में दर्शनलाभ भी सभी ने लिया। उक्त जानकारी मंडल की अध्यक्ष ज्योति मोहता एवं सचिव ऋषिता खटोड़ ने दी।

रामेश्वरम भवन में किया पौधारोपण

भीलवाड़ा। एक पेड़ एक जिंदगी अभियान के तहत गत 29 जुलाई को श्रीनगर माहेश्वरी सभा की ओर से पंचवटी कॉलोनी के सामने स्थित रामेश्वरम भवन परिसर में 51 पौधे लगाए गए। नगर मंत्री संजय जागेटिया ने बताया कि इसमें बिल्व पत्र, पारिजात/हारसिंगार, मौलश्री, फस्टल पाम, वसिंहटोनिया, नीम व फलदार पौधे लगाए जिससे पक्षियों का आश्रय एवं आहार सुनिश्चित हो सके। मुख्य अतिथि सांसद सुभाष बहेड़िया, दक्षिण राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष राधेश्याम चैचानी, जिला अध्यक्ष अशोक बाहेती, रामेश्वरम भवन समिति अध्यक्ष कैलाश चंद्र कोठारी, महेश सेवा समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश नरानीवाल, महासभा कार्यालय मंत्री जगदीश प्रसाद कोगटा एवं नगर सभा अध्यक्ष केदार गगरानी थे। नगर सभा उपाध्यक्ष अभिजीत शारडा, केदारमल जागेटिया, अतुल राठी, महावीर समदानी, प्रहलाद नुवाल आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

राखी उत्सव मेला का किया आयोजन

जमशेदपुर। माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा 30 जुलाई से 1 अगस्त तक त्रिदिवसीय राखी उत्सव मेला का आयोजन हुआ। मेला का उद्घाटन अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के पूर्वांचल सह सचिव छित्तरमल धूत एवं स्थानीय बीजेपी के युवा नेता कुणाल सारंगी की धर्म पत्नी समाज सेविका डॉ. श्रद्धा सुमन ने किया। संगठन ने अपनी तरफ से 60 कस्टमर को 2500 से ज्यादा की खरीद पर 500/- का गिफ्ट दिया। आखरी दिन 5000 से ज्यादा की खरीद की उनके बीच लकी ड्रा किया गया। इस मेला आयोजन में पूर्व प्रदेश एवं स्थानीय अध्यक्ष संतोष धूत, वर्तमान प्रदेश कार्य समिति सदस्य उषा फलोर, वर्तमान महिला अध्यक्ष अनीता शारदा, पूर्व प्रदेश महिला अध्यक्ष प्रमिला आगीवाल, सचिव शशि लड्ढा, उर्मिला शारदा, चंद्रकांता शारदा आदि उपस्थित थीं।

जिंदगी से आप जो भी बेहतर से बेहतर ले सकते हो ले लो क्योंकि जब जिंदगी लेने पर आती है तो सांसे तक भी ले जाती है।

तीज पर्व का किया आयोजन

नागपुर। माहेश्वरी महिला मंडल, वाडी-हिंगना रोड द्वारा 23 अगस्त दोपहर 03:30 बजे से शाम 06:30 बजे तक सावन की हरियाली तीज उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। महिला मंडल द्वारा राजस्थानी घूमर नृत्य की प्रस्तुति, अदिति मंत्री और रचिता हुरकट द्वारा नृत्य की प्रस्तुति और विभिन्न मनोरंजक खेलो का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का संचालन राधिका राठी ने किया। अंत में सभी ने स्वादिष्ट खाने का आनंद लिया। कार्यक्रम में माहेश्वरी महिला मंडल वाड़ी-हिंगना रोड, नागपुर की अध्यक्षा- पल्लवी सोमानी, उपाध्यक्षा- नीता चांडक, सचिव - संतोष मंत्री, कोषाध्यक्ष - चंचल सोनी, सह-सचिव यशोदा माहेश्वरी, सांस्कृतिक मंत्री एवं खेलकूद मंत्री-राधिका राठी सहित सम्पूर्ण कार्यकारिणी ने योगदान दिया।

महिला मंडल ने मनाया सावन महोत्सव

भीलवाड़ा। मरुधरा माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा हर्षोल्लास से स्नेह मिलन के साथ सावन महोत्सव मनाया गया। इस दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाएं हरे रंग के परिधान में उपस्थित रहीं। अध्यक्ष सपना चांडक ने बताया कि संस्था की सभी महिलाओं में त्योहार के अनुरूप वेशभूषा एवं नृत्य किया। सीमा जेठा, कल्पना माहेश्वरी द्वारा इस दौरान महोत्सव को दर्शाने वाली सुंदर प्रस्तुति सावन के झूले, कृष्ण जन्माष्टमी, दीपावली, करवा चौथ एवं रक्षाबंधन संबधित विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रथम राम दरबार में श्रुति एवम प्रीति बाहेती, द्वितीय लक्ष्मी पूजा में भाग्यश्री एवं रेखा बाहेती रही। कार्यक्रम में प्रीति झंवर, शकुंतला, रेखा चांडक, किरण बंग, वंदना दमानी, संगीता बाहेती सहित संस्था की कई सदस्याओ ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

तीन बेहतरीन सलाह- सोचो मत शुरुआत करो, वादा मत करो साबित करो, बताओ मत करके दिखाओ।

बंधन बैंक ने मनाया स्थापना दिवस

इन्दौर। अन्नपूर्णा क्षेत्र- माहेश्वरी समाज वरिष्ठ सदस्य महेन्द्र, गोपाल अटासनिया (माहेश्वरी) ने बताया है कि गत 23 अगस्त को सुबह 12.30 बजे बंधन बैंक गुमास्ता उषा नगर शाखा में 8 वां स्थापना दिवस मनाया गया। इसमें बैंक के कई अमानतदार व वरिष्ठ नागरिकों को कार्यकम में आमंत्रित किया गया। बैंक में वरिष्ठजन एवं बैंक कर्मचारियों द्वारा 'केक काटकर' कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। बैंक के शाखा प्रबन्धक अभिनय ठाकुर ने बताया कि वर्तमान में बैंक द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को 8.35 प्रतिशत ब्याज दिया जा रहा है, जो अन्य बैंको की तुलना में फिक्स डिपाजिट में अधिक है एवं समस्त प्रकार के दिये जाने वाले ऋण में एनपीए भी कम है। आभार अभिनय ठाकुर ने माना। उक्त कार्यक्रम में कई माहेश्वरी समाजजन भी उपस्थित रहे।

सामर्थ्य सोसायटी द्वारा पाठ्य सामग्री वितरण

बूंदी। सामर्थ्य सोसायटी द्वारा 'प्रोजेक्ट आशाएं' के अंतर्गत गत दिवस 11अगस्त को गणेशपुरा में बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरित की गई। सोसायटी अध्यक्ष राशि माहेश्वरी ने बताया कि पाठ्य सामग्री के अभाव में जो बच्चे विद्यालय नहीं जा पा रहे थे ऐसे चयनित 20 बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरित कर उन्हे विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया गया। श्री माहेश्वरी ने बताया कि प्रोजेक्ट आशाएं का उद्देश्य यही है कि सभी बच्चे शिक्षित हों और स्वावलंबी बने। जिन बच्चों का नामांकन स्कूल में दस्तावेज के अभाव के कारण नहीं हो पाता है, ऐसे बच्चों के सोसायटी की ओर से निःशुल्क दस्तावेज भी तैयार करवाएं जा रहे हैं। इस दौरान सोसायटी सदस्य नम्रता शुक्ला, अनिशा जैन, मोहित व्यास एवं चिराग व्यास आदि उपस्थित रहे।

पुष्कर में अ. भा. हेड़ा संगठन का दो दिवसीय आयोजन

पुष्कर (राजस्थान)। ब्रह्मा जी की पवित्र नगरी पुष्कर में 19 और 20 अगस्त को अखिल भारतीय हेड़ा (माहेश्वरी) संगठन की कार्यकारिणी बैठक व सावन स्नेह महोत्सव संपन्न हुआ। इस आयोजन में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, दिल्ली, राजस्थान समेत देशभर से 300 से ज्यादा हेड़ा बंधु सपरिवार शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता राम कुमार भूतड़ा ने की और रमेश कुमार छापरवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। हेड़ा रत्न से सम्मानित वरिष्ठ समाजसेवी कालूराम हेड़ा (निडयाद) भी इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित थे। आयोजन में अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन के प्रमुख रामकुमार भूतड़ा ने सम्बोधित करते हुए कहा कि आशा करता हूं, आपका ये संगठन समाज के लिए नींव का पत्थर होगा। हम समाज के अभिन्न अंग है। करेंगे वो ही जो हमारा समाज चाहता है, लेकिन छोटी इकाइयों को मजबूत करके ऐसा करेंगे। इस दौरान 40 से ज्यादा वरिष्ठजनों एवं युगल दंपतियों और समाज की प्रतिभाओं का अभिनंदन एवं भामाशाहों का विशेष सम्मान किया गया। माहेश्वरी सेवा सदन में इस कार्यक्रम की व्यवस्था हनुमान प्रसाद हेड़ा के नेतृत्व में राजस्थान जोन की टीम ने बेहद शानदार तरीके से संभाली। पूरा आयोजन आत्मीय और व्यवस्थित तरीके से हुआ जिसने सभी बंधुओं में नई ऊर्जा और जोश भरने का काम किया। कार्यक्रम के संचालक व सचिव केएम हेडा ने बताया कि 19 अगस्त को संगठन की केंद्रीय कार्यकारिणी, ट्रस्टियों एवं मातृशक्ति की मीटिंग हुई। इसकी अध्यक्षता संगठन प्रमुख प्रहलाद राय हेड़ा और संचालन महासचिव डॉ. जीएल हेड़ा ने किया। इसमें माहेश्वरी समाज और हेड़ा संगठन को मजबूती देने के लिए ट्रस्ट, भागीरथ अमृत कलश और माहेश्वरी समाज से जुड़े विभिन्न सेवाकार्यों को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। इसके अपरांत शाम को सुमधुर भजन संध्या और अगले दिन लक्की ड्रॉ का विशेष आयोजन किया गया। संगठन के सचिव जीएल हेड़ा ने बताया कि कि हेड़ा बंधुओं का यह संगठन माहेश्वरी समाज को मजबूत बनाने का कार्य कर रहा है। पिछले 5 वर्षों से विभिन्न सेवा प्रकल्पों के माध्यम से सकारात्मक कार्य किए जा रहे हैं। संगठन के माध्यम से दुनियाभर के माहेश्वरी बंधु एक-दूसरे से जुड़ रहे हैं और एक- दूसरे के सहायक बन रहे हैं।

चन्द्रयान-3 में माहेश्वरी महिला वैज्ञानिक

देशनोक। बीकानेर के वरिष्ठ मोहनलाल कासट की पुत्रवधु व पंकज कासट की धर्मपत्नी नेवीगेशन सिस्टम की वैज्ञानिक नीलू कासट चंद्रयान-3 मिशन में ने इसरो की वैज्ञानिक टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा बनकर एक नया इतिहास रच दिया। जिन गाँवों में न बिजली थी और न ही पानी की समुचित व्यवस्था थी वहाँ की बेटी और बहू की यह छलांग सिद्ध करती है कि माहेश्वरी संख्याबल से नहीं बुद्धिबल से आंका जाने वाला समाज है। सुन्दर लाल रंग की साड़ी में लिपटी, साधारण सी दिखने वाली महान् वैज्ञानिक सोमनाथ के दाहिनी तरफ खड़ी नीलू चन्द्रयान-3 की अपनी सफल और महत्वपूर्ण की कहानी बिन बोले ही सुना रही है। नीलू ग्राम कालू - बीकानेर के स्वर्गीय श्री काशीराम राठी की सुपौत्री और बीकानेर निवासी मगनलाल राठी की सुपुत्री हैं।

ऋषिका शतंरज में विजयी

मनासा। समाज के वरिष्ठ रामपाल दरक की सुपौत्री और अजय-संगीता दरक की सुपुत्री ऋषिका दरक ने जिले की शतरंज प्रतियोगिता जीतने के बाद संभाग में भी जीत हासिल की। अब उनका चयन राज्य स्तरीय शंतरज प्रतियोगिता में हुआ है। कक्षा दसवीं में अध्ययनरत इस छात्रा की उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

बुढ़ापे में आपको रोटी आपकी औलाद नहीं आपके दिए हुए संस्कार ही खिलाएंगे।

सावन की गोठ का आयोजन

बीकानेर। प्रीति क्लब परिवार द्वारा सावन की गोठ उल्लास पूर्ण वातावरण में आयोजित हुई। अध्यक्ष नारायण दास दम्माणी ने बताया कि सावन की गोठ का आयोजन हर वर्ष अलग-अलग स्थानों पर किया जाता है। इस सावन की गोठ में सदस्य एवं उनके परिवार के सदस्यों ने स्वीमिंग पुल में नहाने व रेन - डांस आदि का आनंद उठाया। इसके साथ पुरुषों एवं महिलाओं ने अलग-अलग खेलों का आनंद उठाया। तत्पश्चात क्लब सदस्यों ने और विशेष कर भतमाल पेडीवाल और अनिता मोहता ने गीतों का समा बांधा। फिर महिला और पुरुषों के बीच अंताक्षरी का कम्पीटीशन हुआ। सावन की गोठ के अंत में सभी ने सुस्वादु भोजन का आनंद लिया जिसका प्रबंधन नारायण डागा देख रहे थे। कार्यक्रम के संयोजक जगदीश कोठारी थे। संरक्षक घनश्याम कल्याणी ने आये हुए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

कौन बनेगा टेक्नो स्टार स्पर्धा सम्पन्न

इंदौर। पश्चिम मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत संचार सिद्धा समिति द्वारा कौन बनेगा टेक्नो स्टार प्रतियोगिता का वर्चुअल आयोजन किया गया। प्रदेश मंत्री शोभा माहेश्वरी ने अतिथियों के आमंत्रण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। प्रदेश अध्यक्ष उषा सोड़ानी ने सभी अतिथियों का शाब्दिक अभिनंदन व स्वागत किया और कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुणा बाहेती ने भी प्रदेश संगठन को बधाई प्रेषित की। कार्यक्रम की अतिथि मध्यांचल आंचलिक उपाध्यक्ष व समिति पथ प्रदर्शक उर्मिला कलंत्री ने दैनिक जीवन में तकनीकी की उपयोगिता विषय पर अपनी बात रखते हुए कहा कि इस तकनीकी ने हमारे जीवन को बदल दिया है और बेहतर बना दिया है। जो काम बहुत देरी से होते थे वह अब बहुत जल्दी और मिनट में हो रहे हैं लेकिन सोशल मीडिया का नकारात्मक प्रभाव भी होता है। अतः उपयोग करने के लिए हमें सावधानी भी रखना चाहिए। प्रतियोगिता के प्रथम चरण की विजेताओं के बीच अंतिम प्रतियोगिता की निर्णायक भाग्यश्री चांडक थीं। उन्होंने सुंदर तरीके से गूगल क्रोम और गूगल लेंस की जानकारी भी उपस्थित सभी सदस्याओं को दी। प्रतियोगिता में प्रथम-श्रद्धा तापड़िया जिला देवास, द्वितीय-रानी सारड़ा इंदौर जिला ग्रामीण, तृतीय-वैदेही माहेश्वरी जिला राजगढ़ रहीं। कार्यक्रम में रा.पूर्व अध्यक्ष गीता मूंदड़ा, सुशीला काबरा, मध्यांचल आंचलिक उपाध्यक्ष उर्मिला कलंत्री, रा. समिति प्रभारी भाग्यश्री चांडक, रा. अष्टसिद्धा समिति प्रभारी नम्रता बियानी, महिला सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष ललिता मालपानी, मध्यांचल सहप्रभारी रंजना परवाल, प्रदेश सभा अध्यक्ष पुष्प माहेश्वरी आदि की विशेष रूप से उपस्थिति थी। कार्यक्रम का संचालन फाल्गुनी बियानी व आभार प्रदर्शन प्रमिला भूतड़ा द्वारा किया गया।

एक शाम देश के नाम का आयोजन

अहमदाबाद। संकल्प सिद्धा ग्राम विकास एवं राष्ट्रोदय समिति के अंतर्गत अहमदाबाद माहेश्वरी सखी संगठन द्वारा स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस दिन देशभक्ति गीतों पर आधारित नृत्य प्रतियोगिताएं और स्वतंत्रता सेनानी चरित्र भूमिका प्रतियोगिता आयोजित की गई। अध्यक्ष अनुराधा अजमेरा ने सभी महिलाओं का स्वागत किया और आगामी कार्यक्रमों के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया। पिछली ऑनलाइन गतिविधियों जैसे वृक्षारोपण, योग, best out of waste, शरबत बनाना आदि के लिए पुरस्कार भी दिए गए। प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को पुरस्कार दिया गया और अन्य सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। अध्यक्ष अनुराधा अजमेरा ने दर्शकों के साथ सवाल-जवाब का दौर चलाया और उत्तर देने पर दर्शकों को पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम के बाद स्वादिष्ट हाई टी का आयोजन किया गया उसमें फलाहारी और नियमित भोजन दोनों थे। अधिक महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न श्रेणियों की वस्तुओं को बेचने वाली महिलाओं द्वारा प्रबंधित कुछ स्टॉल भी रखे। कार्यक्रम में लगभग 135 महिलाओं ने भाग लिया। प्रचार प्रसार मंत्री जया जेठा ने सामुदायिक पत्रिका माहेश्वरी टाइम्स के बारे में जानकारी दी और सभी से सदस्यता लेने का अनुरोध किया। सचिव निक्की राठी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। हमारी नई पीढ़ी का विदेश जाना और फिर बाद में उनके परिवार के सामने आने वाली समस्याएं उनके बारे में बहुत ही अच्छे तरीके से बताया गया। नीलम मालपानी, दीपा धूत, रक्षा मनियार, सविता जैसलमेरिया, स्नेहा लड्ढा, अलका मोदानी, प्रियंका लड्ढा, टीना राठी, वन्दना बिड़ला आदि समस्त पदाधिकारी व सदस्याऐं उपस्थित थीं।

तिरंगा रैली का किया आयोजन

लखनऊ। माननीय प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के देशवासियों से तिरंगा रैली के आह्वावान पर स्थानीय माहेश्वरी समाज लखनऊ, माहेश्वरी महिला मंडल एवं माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा समाज के परिवारों के साथ हनुमान सेतु मंदिर से खाटूश्याम मंदिर के लिए तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। इसमें समाज के वृद्धजन, महिलाएं, युवा एवं बच्चों ने भी उपस्थित होकर अपने आपको गौरवान्वित महसूस किया। तिरंगा रैली में समाज के सभी जनों ने हाथों में झंडा लेकर देशभक्ति के गीत गाए एवं सभी देशवासियों को एकजुट रहने का संदेश दिया गया। उक्त जानकारी निखिल बल्दुआ मंत्री-माहेश्वरी समाज लखनऊ ने दी।

शपथ विधि एवं सम्मान समारोह सम्पन्न

देवास। माहेश्वरी समाज के मीडिया प्रभारी राजेन्द्र मूंदड़ा ने बताया कि देवास जिला माहेश्वरी सभा का शपथ विधि, सेवा सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह पुष्पगिरी तीर्थ पर संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व उपलोकायुक्त न्यायमूर्ति उमेश माहेश्वरी थे। अध्यक्षता विजय राठी उपसभापति अ.भा.मा.महासभा मध्यांचल ने की। अतिथि गोपालदास सिंगी, पुष्प माहेश्वरी, उषा सोडानी, अजय झंवर, सुमन शारदा, जिलाध्यक्ष कैलाश डागा, महामंत्री प्रकाश मंत्री, महिला संगठन जिलाध्यक्ष मंगला परवाल, जिला सचिव रितु तापड़िया, शपथ अधिकारी भरत शारदा एवं कार्यक्रम संयोजक मुरलीधर मानधन्या भी मंच पर उपस्थित थे। मुख्य अतिथि उमेश माहेश्वरी ने अपने उद्बोधन में भाषा, वेशभूषा एवं परम्पराओं में बदलाव नहीं होना चाहिये पर विस्तृत रूप से चर्चा की। विजय राठी ने अखिल भारतीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। जिला सभा द्वारा जिले की नौ निराश्रित बहनों को 1-1 हजार रूपये प्रतिमाह सहयोग दिया जाएगा। भरत शारदा ने जिला सभा के सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। जिले के 98 परिवार जिनकी आय 1 लाख से कम है उन्हें 1 लाख रूपये का निशुल्क बीमा जिला सभा की ओर से दिया गया। उषा सोडानी ने कहा कि विवाह 21 से 25 वर्ष के बीच हो जाना चाहिये ताकि आगे परिवार में किसी प्रकार का मतभेद न हो और तलाक की नौबत न आए। जिलाध्यक्ष कैलाश डागा ने देवास एवं भौंरासा में महेश भवन बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भौंरासा के 75 वर्ष से अधिक उम्र वालों का शाल, श्रीफल एवं सम्मान पत्र देकर सम्मान किया गया। सम्मान पत्र का वाचन मुरलीधर मानधन्या ने किया। महेश जयंती के अवसर पर जिला सभा द्वारा तीन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, उनमें जिले के पांच नगरों में सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार कुल रूपये 50 हजार के नकद दिये गए। उपरोक्त कार्यक्रम के पूर्व लगभग 200 सदस्यों ने जिला बैठक में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री प्रकाश मंत्री व कार्यक्रम संयोजक मुरलीधर मानधन्या ने किया। आभार घनश्याम लाहोटी ने माना।

सेवा सदन की दो दिवसीय बैठक आयोजित

पुष्कर (राज.)। श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर की प्रबन्धकारिणी समिति के वर्तमान सत्र की सातवीं बैठक 09-10 सितम्बर को प्रधान कार्यालय पुष्कर में आयोजित होगी। महामंत्री रमेशचंद्र छापरवाल ने बताया कि अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा के निर्देशानुसार तय कार्यक्रमानुसार इसका शुभारम्भ प्रातः 11.00 बजे से 1.00 बजे तक श्रद्धेय बाबूजी श्री गोरधनदासजी सोनी की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा पदाधिकारी बैठक से होगा। दोपहर 1.00 बजे से भोजन उपरांत प्रथम सत्र दोपहर 3.00 बजे से 6.30 बजे तक आयोजित होगा। इसमें प्रबन्धकारिणी समिति सदस्य के अधिकार एवं दायित्व पर विचार-मंथन, सेवा सदन की गतिविधियों की जानकारी हेतु पत्रिका एवं ई-पत्रिका हेतु चर्चा, सामाजिक परिस्थितियों पर चिन्तन, ज्वलन्त समस्याओं पर चर्चा सत्र, प्रबुद्धजन का उद्बोधन, सेवा सदन के विधान पर चर्चा एवं विधान संशोधन समिति का गठन व आवश्यक कार्यशालाओं के लिये समितियों के गठन आदि पर विचार होगा। अगले दिवस 10 सितम्बर को द्वितीय सत्र प्रातः 10.00 बजे से 2.00 बजे तक चलेगा। इसमें गत् प्रबन्धकारिणी समिति की बैठक दिनांक 02.06.2023 की कार्यवाही - रिपोर्ट की पुष्टि, अध्यक्षीय उद्बोधन, भवनों के संयोजक एवं प्रभारी द्वारा अपने-अपने भवन की संक्षिप्त रिपोर्ट आदि प्रस्तुत की जाऐगी।

शहीद मोदानी को श्रद्धांजलि

नागपुर। अमर शहीद राधाकिशन मोदानी स्मारक समिति के तत्वावधान में शहीद राधाकिशन मोदानी के 84 वे बलिदान दिवस पर उनकी पंचधातु आदम कद प्रतिमा पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सर्वप्रथम ईश्वर स्तुति एवं वेद मंत्रों से कार्य का शुभारंभ हुआ। शहीद मोदानी की आत्मशांति के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया। आर्य समाज के प्रधान करपे, सूर्य प्रकाश एवं पवनकुमार केडिया, निजामाबाद जिला माहेश्वरी सभा के मंत्री राजेशकुमार डालिया तथा सिखवाल ब्राह्मण समाज के मंत्री घनश्यामदास उपाध्याय द्वारा पुष्पमाला पहनाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित करने में मदनलाल गिल्डा, वेंकटनरसैय्या, कार्यक्रम के संयोजक ओमप्रकाश मोदानी, कार्पोरेट श्रावंती रेड्डी, चंपालाल ईन्नानी, रमेशकुमार मोदानी, गोपीकिशन छापरवाल, रमेश मालू आदि कई आर्य समाज एवं राजस्थानी समाज बंधु इस कार्यक्रम में श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक ओमप्रकाश मोदानी ने बताया कि विगत वर्ष अमर शहीद राधाकिशन मोदानी की स्मृति में भारत सरकार के दूरसंचार विभाग द्वारा 'स्पेशल कवर' का विमोचन किया गया। शांति पाठ के साथ श्रद्धांजलि सभा संपन्न हुई।

चेट जीपीटी व एआई प्रशिक्षण

सूरत। जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गत 21 अगस्त को जूम सभागृह में तकनीकी ज्ञान समिति (संचार सिद्धा) के अंतर्गत CHAT GPT और AI TOOLS का सत्र लिया गया। इसके अंतर्गत सभी महत्वपूर्ण टॉपिक सिखाए गए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अखिल भारतीय मध्यांचल की उपाध्यक्ष उर्मिला कलंत्री, राष्ट्रीय संचार सिद्धा समिति की प्रभारी भाग्यश्री चांडक, मंगल मरदा, विमला साबू, उमा जाजू आदि विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इस कार्यक्रम से 130 सदस्याऐं जुड़ी। काफी सरलता से सभी पॉइंट समझाए गए जो कि सबको पसंद आए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला संचार सिद्धा की संयोजिका जयश्री काबरा, प्रिया देवपुरा, कल्पना कपूरिया, रितु काबरा का अथक प्रयास रहा। उक्त जानकारी अध्यक्ष वीणा तोषनीवाल व सचिव प्रतिभा मोलसरिया ने दी।

फरीदाबाद माहेश्वरी समाज हुआ सम्मानित

फरीदाबाद। जिला प्रशासन फरीदाबाद द्वारा 15 अगस्त 2023 स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर समाज एवं माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट फरीदाबाद को उत्कृष्ट सेवाओं के लिये सम्मानित किया गया। डिप्टी कमिश्नर फरीदाबाद विक्रम सिंह, पुलिस कमिश्नर फरीदाबाद विकास अरोड़ा की उपस्थिति में संदीप सिंह मंत्री हरियाणा सरकार द्वारा प्रशस्ति पत्र माहेश्वरी मंडल सचिव महेश गट्टानी एवं सेवा ट्रस्ट उपाध्यक्ष अरुण माहेश्वरी को प्रदान किया गया। माहेश्वरी मंडल अध्यक्ष रामकुमार राठी, सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष कमल गुप्ता, मार्गदर्शक ओम प्रकाश पसारी, सुशील नेवर, ट्रस्ट सचिव श्रवण मिमानी, पूर्व अध्यक्ष रमेश झंवर, उपाध्यक्ष महावीर बिहानी आदि ने हर्ष व्यक्त किया।

बॉक्स क्रिकेट का हुआ आयोजन

राँची। माहेश्वरी युवा संगठन रांची द्वारा दो दिवसीय टूर्नामेंट माहेश्वरी बॉक्स प्रीमियर क्रिकेट लीग का आयोजन किया गया। इसका समापन गत 20 अगस्त को हुआ। रॉयललोक (शुभम साबू) मुख्य प्रायोजक और बाबूलाल प्रेमसंस टूर्नामेंट के सह प्रायोजक थे। ट्रॉफी स्पांसर राजकुमार चितलांगिया एवं सुमन चितलांगिया थे। टूर्नामेंट में 8 टीमों के माध्यम से कुल 75 खिलाड़ियों (54 पुरुष और 19 महिलाऐं) ने भाग लिया। अंकित काबरा, हिमांशु चितलांगिया, हार्दिक बिहानी और पीयूष सोढानी के नेतृत्व में टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। माहेश्वरी ब्लास्टर्स टीम ने कप जीता और काबरा नाइट राइडर्स फर्स्ट रनरअप रही। टूर्नामेंट के दौरान झारखंड बिहार प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार मारू, झारखंड बिहार युवा संगठन अध्यक्ष विवेक साबू, माहेश्वरी सभा राँची अध्यक्ष किशन साबू, सचिव नरेंद्र लखोटिया आदि विशिष्टजन ने उपस्थिति दर्ज कराकर हौंसला बढ़ाया।

स्वतंत्रता दिवस पर किया ध्वजारोहण

भोपाल। 77 वे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर माहेश्वरी युवा संगठन दक्षिणांचल भोपाल द्वारा वृहद स्तर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज के लगभग 200 लोगो ने कार्यक्रम में भाग लिया। आयोजन में सांस्कृतिक कार्यक्रम और सभी के लिए स्वल्पाहार तथा तिरंगे झंडे भी उपलब्ध कराए गए। इस अवसर पर युवा संगठन अध्यक्ष चिन्मय बजाज, सचिव केशव बाँगड़, दक्षिणांचल अध्यक्ष संजय काबरा, सचिव संदीप मिजाजी, युवा संगठन प्रदेश सचिव डॉ. सुषेन माहेश्वरी, जिला सचिव स्वप्निल बाहेती, युवा संगठन के पदाधिकारी हितेष झंवर, प्रखर जाजू, पुनीत भट्टर, पुनीत मिजाजी, कुँवर बांगड़, महिला संगठन अध्यक्ष अंजना बजाज सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

जम्मा - प्रसादी का सफल आयोजन

नागपुर। माहेश्वरी युवा संगठन, सीताबर्डी, नागपुर द्वारा श्रावणमास व अधिकमास को भक्तिमय बनाने हेतु 15 अगस्त दोपहर 2 बजे श्री रामदेव बाबा के संगीतमय जम्मे एवं प्रसादी का आयोजन माहेश्वरी पंचायत सीताबर्डी, अंसारी रोड, नागपुर में किया गया। कार्यक्रम में रामदेव बाबा के जन्म से विवाह तक की झांकियाँ प्रस्तुत हुई। कार्यक्रम में 850 से अधिक भक्तों की उपस्थिति रही। माहेश्वरी पंचायत सीताबर्डी, नागपुर के अध्यक्ष- शिवदास राठी, सचिव–गोपाल चांडक एवं कोषाध्यक्ष विनोद फाफट, शिवरतन गांधी, संजय नबीरा, जगदीश दलाल, सतीश लखोटिया आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। माहेश्वरी युवा संगठन, सीताबर्डी, नागपुर के हेमंत राठी-अध्यक्ष, शैलेश मोकाती-सचिव, योगेश सांवल, सचिन बजाज, गोपाल भूतड़ा, संजय राठी, अखिल राठी, सुमित लाहोटी, श्रीकांत पनपालिया, रविंद्र चांडक, अक्षय बिसानी, आयुष राठी, गौरव साबू, अमोल पनपालिया, नीरज गांधी, सुमित चांडक, वरुण गांधी सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्यों ने सहयोग दिया। उक्त जानकारी प्रचार मंत्री रविंद्र चांडक ने दी।

नीलामी से खरीदी 63 करोड़ की भूमि

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के इतिहास मे पहली बार गत 22 अगस्त को दी एज्यूकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर द्वारा स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया से ई-नीलामी के मार्फत वर्धमान सरोवर के पास, मानसरोवर एक्सटेंशन में 20227 वर्ग गज भूमि की कुल राशि 63.07 करोड़ में खरीद की गई है। उक्त जानकारी अध्यक्ष केदार मल भाला व महामंत्री मनोज मूंदडा ने दी।

रूद्राभिषेक का किया आयोजन

नागपुर। माहेश्वरी महिला मंडल वाड़ी-हिंगना रोड ने दो माह चलने वाले सावन एवं साथ में अधिक मास के विशेष योग के अवसर पर भगवान महादेव के रूद्राभिषेक का आयोजन गत 31 जुलाई सुबह 08:00 बजे से 11:30 बजे तक श्री गजानन महाराज मंदिर, गजानन सोसाइटी, दत्तवाडी में किया गया। इसमें 11 दंपतियों ने भगवान शिवजी का रुद्राभिषेक विविध प्रकार के द्रव्यों से पूजा कर किया। तत्पश्चात महाआरती कर सभी ने प्रसादी का आनंद उठाया। अध्यक्षा- पल्लवी सोमानी, उपाध्यक्षा- नीता चांडक, सचिव-संतोष मंत्री, कोषाध्यक्ष- चंचल सोनी, सह-सचिव यशोदा माहेश्वरी, सांस्कृतिक मंत्री एवं खेलकूद मंत्री-राधिका राठी, कार्यकारिणी सदस्य- किरण राठी, रेखा चांडक, सुधा राठी आदि ने योगदान दिया।

निकला पर्यावरण जनचेतना रथ

नावां। पर्यावरण जनचेतना रथ का मंगल प्रवेश कार्यक्रम नावां नगर रामेश्वर धाम बगीची में गत 20 अगस्त को संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि मोहन सुथार विभाग संयोजक पर्यावरण जनचेतना, रामेश्वर धाम बगीची के महाराज श्री सीताराम दास, नावां नगर के पर्यावरण संयोजक सत्यनारायण लड्ढा व सह संयोजक मदन पिपलोदा मंचासीन रहे। सर्वप्रथम महाराज जी ने रथ का पूजा अर्चन किया। कार्यक्रम में नावां नगर के स्वयंसेवक व नागरिक उपस्थित थे एवं रथ को ग्राम मीठड़ी के लिए रवाना किया गया।

तुलसी के पौधों का वितरण

भीलवाड़ा। गंगा देवी समदानी चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में अधिक मास में 200 तुलसी पौधे एवं तुलसी गमले वितरित किए गए। ट्रस्ट अध्यक्ष उदयलाल समदानी ने बताया कि हर घर में तुलसी लगाने से समृद्धि, सौभाग्य और सुरक्षा आती है। देवी लक्ष्मी का प्रतीक, औषधीय गुण, आध्यात्मिक शुद्धि करने के लिये सभी को घर में तुलसी लगानी चाहिए। ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष की भांति गंगा देवी समदानी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा पुराना शहर स्थित भदादा मोहल्ला में तुलसी पौधा वितरण निःशुल्क किया गया। इस अवसर पर महावीर समदानी, ओमप्रकाश कोगटा, देवेंद्र सोमानी, राम नारायण सोमानी, कैलाश भदादा, राजेंद्र भदादा, लोकेश समदानी, लादी देवी, शांत सोमानी, सरोज, रेखा, उषा समदानी आदि सैकड़ों श्रद्धालु तुलसी पौधे लेने के लिए उपस्थित थे।

युवा संगठन द्वारा पिकनिक का आयोजन

अहमदाबाद। माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा सावन पिकनिक का आयोजन गत 20 अगस्त को गणेश फन वर्ल्ड, कड़ी में किया गया, जिसमें 450 से अधिक सदस्य शामिल हुए। प्रारंभ महेश वन्दना से हुआ उसके बाद जीप लाइन, ऊँचा झूला, मिनी वाटरपार्क, स्विमिंग पूल, बच्चों की सवारी और कई अन्य साहसिक गतिविधियों और कपल खेल, हाउजी में सभी ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया तथा पिकनिक का आंनद लिया। अंत में इस पिकनिक में शामिल होने वाले समाज के सदस्य एवं कार्यक्रम सह - संहयोजक सपना, टीना, विजय, दिनेश, बसंत, दीपक, लक्ष्य, अंकित, संदीप, शिव, मयंक, आशीष सभी का अध्यक्ष दीपक मणियार, सचिव अभिषेक मालपानी और कोषाध्यक्ष प्रवीण माहेश्वरी ने आभार प्रकट किया। उक्त जानकारी संगठन मंत्री अर्पित बाहेती द्वारा दी गयी।

बड़े लोगों को अपना जरूर बनाओ लेकिन छोटे लोगों को भी अपना बनाओ क्योंकि अंतिम समय में वही कंधा देते हैं। बड़े लोग तो कार से सीधा श्मशान घाट पहुंच जाते हैं।

रामायण फॉर किड्स का लोकार्पण

नागपुर (महा.)। Telling tales by Namrata (POD CAST) के बाद बदलते दौर में पौराणिक ग्रंथों के माध्यम से नये कलेवर में, आधुनिक साज सज्जा के साथ रामायण के चरित्रों को बच्चों के समक्ष रखने का अभिनव कार्य नागपुर की बेटी व अजमेर निवासी शिवशंकर हेडा परिवार की बहू नम्रता गोंविद हेडा ने किया। संस्कार, प्रेम को जीवित रखने और अपने दिल में बसे भाई स्वर्गीय रौनक शरद सोनी को समर्पित यह किताब निश्चित ही मील का पत्थर साबित होगी। उक्त उद्गार पत्रकार क्लब में आरएसएस के महानगर संघचालक राजेश लोया ने व्यक्त किये। सांदीपनी स्कूल एवं जैन इंटरनेशनल की पूर्व प्रिंसिपल शांति मेनन ने नम्रता के स्कूली जीवन की कुछ बातें कहते हुए रामायण फॉर किड्स की जरूरत को प्रासंगिक बताते हुए छात्रा से लेखिका बनी नम्रता की भूरी-भूरी प्रशंसा करके उसे बधाई दी। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के निवर्तमान सभापति श्याम सोनी ने बच्चे का उदाहरण देते हुए हंसी के माहौल में संस्कारों को जीवित रखने के लिए विशेष अभिनंदन करके अपने विचार रखें। परिवार के प्रमुख सदस्य उद्योगपति प्रकाश सोनी, अजमेर जिला के पूर्व महामंत्री एवं अजमेर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष (राज्यमंत्री) शिवशंकर हेडा अजमेर ने भी आशीर्वचन दिये। लेखिका नम्रता ने अपने स्वर्गीय भाई रौनक सोनी को यह किताब समर्पित करते हुए इस किताब का श्रेय अपने भाई रौनक, अपनी दादी शांता देवी, माता-पिता शरद - ज्योति सोनी सहित गोविन्द हेडा एवं परिवार को दिया। मंच संचालन अंकिता रूठिया ने किया। उपस्थित अतिथियों का परिचय विनीता बाहेती ने दिया। इस अवसर पर गोविन्द मंत्री, सतीश लाखोटिया, नवल झंवर एवं सोनी परिवार आदि के साथ शहर के कई गणमान्यजन उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन गोविन्द हेड़ा ने किया।

बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम सम्पन्न

भीलवाड़ा। मेवाड़ माहेश्वरी मंडल, मुंबई के तत्वावधान में मेवाड़ माहेश्वरी मंडल द्वारा गत 6 अगस्त को 20वां मासिक परिचय-पत्रक (बायोडाटा) अवलोकन कार्यक्रम आयोजित किया गया। राघव कोठारी प्रदेश अध्यक्ष युवा संगठन, उषा रांदड़ संरक्षिका जागृति माहेश्वरी मंडल चित्तोड़, रीटा जागेटिया उपाध्यक्ष जागृति माहेश्वरी मंडल चित्तोड़, नाथूलाल मालू चित्तोड़ बायोडाटा केंद्र प्रभारी, ललिता मालू संयोजिका जिला माहेश्वरी महिला संगठन ने दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम में भीलवाड़ा शहर व भीलवाड़ा जिले के ग्रामीण क्षेत्र, चित्तोड़ जिला, उदयपुर जिला से माहेश्वरी जन ने बायोडाटा का अवलोकन किया। श्रवण समदानी ने बताया कि भीलवाड़ा मुख्यालय के अतिरिक्त चित्तौड़, उदयपुर, मनासा में भी शाखाएं सेवारत है जिसमें सभी बायोडाटा भीलवाड़ा मुख्यालय की तर्ज पर ही उपलब्ध है, जहां प्रत्येक रविवार को यह सेवाएं उपलब्ध रहती है। शीघ्र ही पुष्कर और ब्यावर में नवीन कार्यालय प्रारम्भ किये जायेंगे।

लड्ढा हुए पुरस्कृत

नावां। उपखंड मुख्यालय नावां शहर में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह पर गणगौर कार्यक्रम 2023 में राजस्थानी वेशभूषा में प्रथम स्थान प्राप्त होने पर नावा-कुचामन माहेश्वरी समाज तहसील अध्यक्ष सत्यनारायण लड्ढा को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में एसडीएम, तहसीलदार, पंचायत समिति अध्यक्ष संतोष गुर्जर, नगर पालिका अध्यक्षा सायरी देवी गांधी ने शील्ड देकर उन्हें सम्मानित किया।

रेल महा आंदोलन को दिया समर्थन

नावा सिटी। नावासिटी रेलवे स्टेशन के विकास एवं विस्तार के साथ प्रमुख ट्रेनों के ठहराव को लेकर क्षेत्रवासियों द्वारा किए जा रहे महाआंदोलन के समर्थन में श्री माहेश्वरी समाज महिला मंडल नावा सिटी की ओर से रेल मंत्री के नाम स्टेशन अधीक्षक नावा सिटी को ज्ञापन सौंपा गया। माहेश्वरी महिला संगठन मंत्री कुसुम लड्ढा ने बताया कि इस दौरान नागौर जिला संगठन मंत्री मंजू धूत, नागौर जिला सह सचिव रेखा बियानी, माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्षा प्रियंका बियानी, सचिव मोनिका साबु, प्रचार प्रसार मंत्री साधना मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष नीना कोठारी, संगठन मंत्री कुसुम लड्ढा, सांस्कृतिक मंत्री रुचिका काकानी, प्रीति बियानी, संगीता बियानी आदि के साथ माहेश्वरी समाज नावा कुचामन तहसील अध्यक्ष सत्यनारायण लड्ढा, समाजसेवी कैलाश लड्ढा आदि गणमान्यजन भी मौजूद रहे।

महिला मंडल का हुआ सम्मान

मदनगंज किशनगढ़। श्री माहेश्वरी महिला मंडल मदनगंज किशनगढ़ को वर्ष पर्यन्त सेवा और भलाई के विभिन्न प्रकल्पों द्वारा उत्कृष्ट सेवा कार्यों के चलते स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उपखंड स्तर पर पीटीएस मैदान पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। मंडल अध्यक्ष सरिता मंत्री व सचिव अलका मूंदड़ा को प्रशासन द्वारा स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र दिया गया। कार्यक्रम में किरण मालपानी, साधना तोषनीवाल, शशि छापरवाल, प्रियंका जेथलिया आदि मौजूद रहीं।

ऑनलाइन श्री रामचरित मानस पाठ

असम। प्रभु राम जी की कृपा से साहित्य संगम संस्थान असम इकाई के तृतीय वार्षिकोत्सव पर 4 अगस्त प्रातः 8 बजे से 5 अगस्त 8 बजे तक 24 घंटा का अनवरत अखंड ऑनलाईन श्री रामचरित्र मानस रामायण पाठ का आयोजन, सावन मास के पुरूषोत्तम मास में रखा गया। असम इकाई के फेसबुक पटल पर लाइव आकर 40 लोगों द्वारा अनवरत रामचरितमानस का पाठ किया गया। इस आयोजन में विभिन्न राज्यों से लोग जुड़े, सभी ने बहुत ही जोश व उमंग के साथ श्रद्धा भाव से इस आयोजन में सहभागिता की। इस कार्यक्रम की संयोजक असम इकाई की अध्यक्ष रंजना बिनानी, कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग लाल केजडीवाल एवं सचिव अर्चना जायसवाल सरताज थीं।

विभिन्न योजनाओं का किया लोकार्पण

रायपुर। रायपुर माहेश्वरी समाज के आतिथ्य में माहेश्वरी भवन डुनडा में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति संदीप काबरा द्वारा ध्वजारोहण किया गया। परंपरागत तरीक़े से तिलक लगाकर राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं आमंत्रित अतिथियों का स्वागत किया गया। सभापति द्वारा तीन समाज उपयोगी योजनाओं के शुभारंभ की घोषणा की गई। स्टार्टअप एवं व्यापार सृजन, भावी पीढ़ी योग्य एवं दक्ष बने, विवाह पूर्व और विवाहोतर पारिवारिक संबंधों से तनाव रहित रखने हेतु परामर्श केंद्र की स्थापना की शुरुआत हुई। योजनाओं के बेहतर क्रियान्वन पर कार्यशाला रखी गई जिसमे राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों ने प्रकाश डाला। पूरे सत्र की कार्ययोजना से रूबरू कराया। महामंत्री अजय काबरा ने पुरानी योजनाओं के नवीनीकरण पर प्रकाश डाला। आदित्य विक्रम बिरला ट्रस्ट के नयें प्रावधानों के बारे मे विशेष जानकारी दी गई। योजनाओं को प्रभावी तरीक़े से धरातल पर उतारने हेतु विभिन्न समितियों की जानकारी समाज को दी गई। आदित्य बिरला ट्रस्ट के नये प्रावधानों से समाज को रूबरू कराया गया। प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मूँधडा ने प्रादेशिक गतिविधियों पर उद्‌बोधन दिया। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति संदीप काबरा, अजय काबरा, विजय राठी, नारायण राठी, दिनेश राठी, स्थानीय माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष संपत काबरा उपस्थित थे। रमेश परतानी एवं स्टार्टअप विषय पर हितेश पोरवाल ने प्रस्तुतीकरण दिया। बड़ी संख्या में महिलाओं एवं समाज के युवा वर्ग ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

CYBER SECURITY
Net Protector
NP AV
Total Security
Ransom ware Shield
PC, Laptop
Tablet, Mobile
सुरक्षा
80.550.67.012
92.72.70.70.50
Z SECURITY

खुशी माहेश्वरी 90.8%

सिमरोल रोड। समाज सदस्य अतुल व संतोष माहेश्वरी की सुपुत्री खुशी माहेश्वरी ने अपनी 10वीं बोर्ड परीक्षा में 90.8% अंक हासिल किए हैं। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

पलक माहेश्वरी 93%

इंदौर। पलक माहेश्वरी ने 10 वीं बोर्ड परीक्षा में 93% अंक प्राप्त किये। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

आर्ची सोमानी 92.2%

झारखंड। समाज सदस्य परीक्षित-पूनम सोमानी की सुपुत्री आर्ची ने 10वीं बोर्ड परीक्षा 92.2% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

धनश्री तापड़िया 91.4%

लातूर। समाज सदस्य विजय-पुष्पा तापड़िया की सुपुत्री धनश्री ने 10वीं बोर्ड परीक्षा 91.4% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

टीशा चांडक 93.8%

नोखा, बीकानेर। टीशा चांडक ने 10वीं बोर्ड परीक्षा 93.8% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

सुरभि माहेश्वरी 95.2%

हावड़ा। समाज सदस्य मधु-प्रवीण माहेश्वरी की सुपुत्री सुरभि ने 10वीं बोर्ड परीक्षा 95.2 अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

आयुषी लढ़ा 95.04%

कोलकाता। समाज सदस्य संदीप लढ़ा की सुपुत्री आयुषी ने सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा 95.04% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

प्रियांशी माहेश्वरी 97.4%

भीलवाड़ा। समाज सदस्य राकेश कुमार बांगर-संगीत लड्ढा की सुपुत्री प्रियांशी ने 12वीं बोर्ड परीक्षा 97.4 अंकों से उत्तीर्ण की। साथ ही नीट में 202 रैंक प्राप्त की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

यश तापड़िया 96.61%

दुर्ग। समाज सदस्य शीतल-ललित तापड़िया के सुपुत्र यश ने 12वीं बोर्ड परीक्षा 96.61% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

संजना राठी 88.5%

कोलकाता। संजना राठी ने 12वीं बोर्ड परीक्षा 88.5% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अनीशा मालू 95%

मंदसौर। समाज सदस्य संजय हरिवल्लभ-प्रमिला मालू की सुपुत्री अनीशा ने 12वीं बोर्ड परीक्षा 95% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अर्पण 3 परीक्षाओं में टॉपर

अकोला (महा.)। अकोट निवासी डॉ. संदीप व रूपाली कासट के सुपुत्र अर्पण ने जेईई, नीट व सीयूटी तीनों ही परीक्षाओं में उल्लेखनीय सफलता का कीर्तिमान स्थापित किया। इसमें उन्होंने ऑल इंडिया स्तर पर जेईई (मेन) में 99.78 पर्सेन्टाईल व 2558 रैंक, नीट में 99.88 पर्सेन्टाईल व 2204 रैंक तथा एमएचटी-सीयूटी में कुल 100 पर्सेन्टाईल प्राप्त किये। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

रोहन कासट बने सीए

पुणे। समाज सदस्य मनोज कासट व विजया कासट के सुपुत्र रोहन कासट ने सीए की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की।

वरिष्ठजन विशेषांक

शीघ्रता करें....
अंतिम तिथि : 20 सितम्बर-2023
अन्तिम निर्णय सम्पादक मण्डल का होगा.

E-Mail : smt4news@gmail.com

माहेश्वरी समाज में सर्वाधिक पढ़ी जाने वाली अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की मासिक पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

का आगामी अंक होगा

'वरिष्ठजन विशेषांक'

यदि आपकी जानकारी
या परिवार में है ऐसे कोई वरिष्ठ
जो 65+ की आयु में भी
दे रहे हैं युवाओं की तरह योगदान.
तो लिख भेजें,
हम उनका आलेख प्रकाशित कर
करेंगे उन्हें नमन।

सम्पादकीय विभाग, श्री माहेश्वरी टाईम्स,
90, विद्या नगर (टेढ़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) 456010
Mob. : 094250-91161

माहेश्वरी समाज की सबसे पुरानी
और सफल वैवाहिक सेवा

www.maheshwari.org

हमारी अन्य सेवाएं
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

निःशुल्क
पंजीकरण
9312946867

युवा हौंसले को ज्ञान व अनुभव के पंख मिलें तो वे कितनी तेजी से ऊँची उड़ान भरते हैं, इसी की मिसाल हैं अहमदाबाद निवासी युवा उद्यमी अर्पित माहेश्वरी (परवाल)। उन्होंने अपने इंजीनियरिंग शिक्षा में मिले ज्ञान को अपने पैतृक व्यवसाय में लगाया और इसमें परिवार के अनुभव व अपने हौंसले के पंख लगाये तो आज उनके उद्योग का विस्तार देश की सीमाओं से भी पार अपनी सफलता का ध्वज फहरा रहा है।

मजबूत इरादों ने बनाया सफल उद्यमी

अर्पित माहेश्वरी (परवाल)

अहमदाबाद के प्रतिष्ठित परवाल परिवार में उद्यमी हरीश माहेश्वरी (परवाल) के यहाँ जन्में अर्पित माहेश्वरी ने जब अपने पारिवारिक उद्योग में प्रवेश किया उस समय यह प्रारम्भिक स्तर पर ही था। पिताजी श्री माहेश्वरी की इंजीनियरिंग और स्टैनलेस स्टील ट्यूब्स एण्ड पाईप्स की इंडस्ट्री थी। अर्पित ने जब इस उद्योग जगत में प्रवेश किया तो उनके साथ उनके अपने सपने भी थे। उस समय यह उद्योग मात्र डेकोरेटिव स्टील पाईप्स के निर्माण तक सीमित था लेकिन उन्होंने उसका विस्तार करते हुए डेकोरेटिव के साथ-साथ इंडस्ट्रीयल पाईप्स का निर्माण भी प्रारम्भ कर दिया। उनकी मेहनत रंग लायी और आज उनका उद्योग न सिर्फ देशभर में अपनी गुणवत्ता की विशेष पहचान रखता है, अपितु उनके उत्पाद कई अन्य देशों में भी निर्यात हो रहे हैं।

पिताजी से मिली सोच

वर्तमान दौर में युवा पीढ़ी पढ़ लिखकर नौकरी की ओर भाग रही है। ऐसे में उन्हें बचपन से अपने पिताजी और परिवार से स्व-उद्यम की सोच विरासत में मिली। पिताजी श्री हरीश माहेश्वरी (परवाल) का जन्म चारभुजा धाम बड़ी खट्टाली (म.प्र.) में हुआ था और यहीं से उन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा पूर्ण की। हायर सेकेण्डरी की पढ़ाई के लिये वे आणंद (गुजरात) चले गये। फिर बैंगलोर (कर्नाटक) से ''इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड टेली कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग'' की उपाधि वर्ष 1986 में पूर्ण की। इसके पश्चात कुछ समय पुणे व फिर अहमदाबाद में नौकरी की। इसके बावजूद मन में इच्छा अपना कुछ करने की थी। बस इसी इच्छा के कारण मार्केट का अनुभव प्राप्त कर उन्होंने वर्ष 1989 में ''कम्प्यूटर मैन्युफैक्चरिंग एण्ड सर्विसेज'' का व्यवसाय प्रारम्भ कर दिया। फिर वर्ष 1996 से ''स्टैनलेस स्टील इंडस्ट्री'' का शुभारम्भ कर दिया। इसमें रोलिंग एण्ड युटेन्सिल्स का काम करते हुए वर्ष 2006 से स्टैनलेस स्टील ट्यूब एण्ड पाईप्स इंडस्ट्रीज की शुरुआत कर दी। पिताजी का उद्योग जगत में यह संघर्ष ही अर्पित के लिये बचपन से प्रेरणा बन गया।

संयुक्त परिवार का प्रोत्साहन

वर्तमान में जो लोग संयुक्त परिवार को अपनी उन्नति में बाधक मानते हैं, उनके लिये परवाल परिवार एक आदर्श है। अर्पित का जन्म 25 जून 1992 को हरीश व मनीषा माहेश्वरी (परवाल) के यहाँ हुआ। उनका परिवार संयुक्त परिवार था, अतः पिता के मार्गदर्शन के साथ ही उन्हें दादी श्रीमती कमलाबाई परवाल सहित बड़े पापा सुरेश माहेश्वरी तथा चाचाजी राजेश माहेश्वरी व पूरे परिवार से भी स्नेह, मार्गदर्शन तथा प्रोत्साहन मिलता रहा। भरे पूरे संयुक्त परिवार में रहते हुए उन्होंने संयुक्त परिवार के महत्व व उसकी शक्ति को महसूस किया। वर्तमान में अर्पित भी धर्मपत्नी देवांशी व अपने पुत्र के साथ इसी संयुक्त परिवार में रह रहे हैं। धर्मपत्नी देवांशी यूएसए की एक प्रतिष्ठित कम्पनी में ''लीड डाटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर'' जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सम्भाल रही हैं। अर्पित की बहन रूचि बाहेती भी सीए हैं और वर्तमान में स्वीडन में निवासरत हैं। भाई गौरव माहेश्वरी जर्मनी से अपनी मास्टर्स डिग्री पूर्ण कर वर्तमान में जर्मनी में कार्यरत हैं।

उच्च शिक्षा बनी शक्ति

अर्पित ने अहमदाबाद से ही अपनी स्कूली शिक्षा पूर्ण की। फिर अहमदाबाद से ही मैकेनिकल इंजीनियरिंग की उपाधि प्राप्त की। आगे उन्होंने मास्टर्स में प्रबंधन क्षेत्र चुना, जिससे अपने पैतृक उद्यम को पंख लगाये जा सकें। इसके लिये अर्पित ने वेलिंगकर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट बैंगलोर से मार्केटिंग एण्ड फायनेंस में एमबीए की उपाधि प्राप्त की। इसके पश्चात उन्होंने प्रतिष्ठित कम्पनी ''महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा'' के कमर्शियल व्हीकल डिविजन में मार्केटिंग एक्जिक्यूटिव का जॉब किया। पुणे से इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग के पश्चात जयपुर में कम्पनी को सेवा दी। अपने इस जॉब के दौरान उन्हें विश्व स्तर पर मार्केटिंग के गुर सीखने के लिये मिले, जो उनके भविष्य की पृष्ठभूमि बने।

ऐसे बढ़े उद्योग में कदम

अपने जॉब के दौरान मिले मार्केटिंग के अनुभव ने उनकी सोच को तराश दिया। बस इस अनुभव के बाद उन्होंने अपने पैतृक व्यवसाय को शिखर की ऊँचाई देने का फैसला करते हुए पिताजी के साथ अपने पैतृक उद्योग ''स्टेनलेस स्टील ट्यूब्स एण्ड पाईप इंडस्ट्री'' को जॉइन कर लिया। सन् 2017 के अंत से उन्होंने उद्योग को अपने हाथ में लेकर इसके विस्तार का निर्णय कर लिया। उस समय उनके इस उद्योग की इकाई मात्र अहमदाबाद में ही कार्यरत थी। इस उद्योग की क्वालिटी व उत्पादन क्षमता को बढ़ाते हुए उन्होंने दक्षिण भारत तक मार्केट का विस्तार कर लिया। अब मांग के अनुरुप उत्पादन बढ़ाने के लिये उन्होंने सन् 2019-20 से साणंद में भी लगभग चार गुना अधिक क्षमता की नवीन युनिट प्रारम्भ कर दी।

अनुभव व मार्गदर्शन बने सहयोगी

कोरोना काल में साणंद की युनिट बन कर तैयार हो गयी, लेकिन प्रारम्भ में यहाँ भी डेकोटेटिव पाईप्स ही बनते थे। इसके साथ उन्होंने इण्डस्ट्रीयल पाईप्स बनाना भी शुरु कर दिया। इस नये प्लांट में मांग के अनुरूप वे क्वालिटी व क्वांटिटी के साथ लगातार अपने उत्पादों की रैंज बढ़ाते ही चले गये। इसके लिये उन्होंने अपनी एक अच्छी टीम बनायी जो उनके हर कदम पर सहयोगी बनी हुई है। अपनी इस औद्योगिक यात्रा में स्वयं के ज्ञान के साथ परिवार का अनुभव व मार्गदर्शन उनका सहयोगी बना। पिताजी हरीश माहेश्वरी से यदि औद्योगिक ज्ञान मिला तो बड़े पापा सुरेश माहेश्वरी से अकाउंट्स तथा चाचाजी राजेश माहेश्वरी से मार्केटिंग का अनुभव व मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

हर कोई चाहता है कि उनका घर या घर की बगीया हरियाली से हरी भरी रहे। लेकिन पौधों की देखभाल आसान नहीं होती। इसका प्रमुख कारण होता है, इस जानकारी की कमी कि कौन सा पौधा कहाँ और कैसे लगाऐं? तो आइये जानें अपने घर की बगीया को सजाने के गुर।

श्याम माहेश्वरी (पलोड़)
उज्जैन

कैसे सजाएं
अपने घर की बगीया

घर के अन्दर लगाऐं ये पौधे

आवासगृहों के बाहर व सार्वजनिक स्थलों दोनों जगह बोगनवेलिया, अलमुंडा बेल पीले फूलवाली, सवेरा बेल, मधुमालती, चमेली, जूही, बंगला बेल, परदा बेल गमले वाले धूप में चलने वाले पौधे सायकस फायकस, जेट प्लांट, योका, लोलिना, एग्जोरा, यूफोबिबया, एडीनियम लगा सकते हैं। घर में स्थान कम हो तो गमले वाले छाया में चलने वाले पौधे-एरूकेरिया, क्रॉटन, टोपीकृष्णा, ड्रेसिना चार तरह के, एरिकापाम, मनी प्लांट, सप्लेरा, स्नेक प्लांट, चाइना पाम, फोनिसपाम, सिंगोनिया, कोलिश, सन ऑफ इंडिया लगाऐं। इन्हें छायादार स्थानों पर लगाया जा सकता है। आवासगृहों के अंदर चलने वाले पौधे-एरूकेरिया, कृष्णा टोपी, मनी प्लांट, एरिकापाम, फोनिसपाम, साइकस आदि भी घर के अंदर लगा सकते हैं।

घर के बाहर ये उचित

आवासगृहों के बाहर अशोक, मोलश्री, करंज अथवा फूलदार-अमलतास, कचनार, गुलमोहर, जखरंडा के पौधे लगा सकते हैं। आवासगृहों के अंदर क्यारियों में गुलाब, मोगरा, रातरानी, दिन का राजा, गुड़हल, एग्जोरा, चांदनी, चंपा, हारश्रृंगार, मीठा नीम जैसे उपयोगी अथवा फल वाले वाले नींबू जैसे अमरूद, चीकू, अनार, किन्नू, सीताफल, आंवला लगा सकते हैं। यदि आवासगृहों के बाहर ऊपर बिजली के तार हों तो बॉटलब्रश, चंपा, हारश्रृंगार, चांदनी, कनेर, गुड़हल, फायकस जैसे पौधे लगाएं। स्कूलों, अस्पतालों, श्मशानों, देववनों में सार्वजनिक स्थलों में चलने वाले नीम, बरगद, पीपल, शीशम, करंज, जामुन, गुंदा, टीमरू, सीरस, बैर, कीकर, ईमली, आंवला, आम जैसे पौधे लगाएं।

ऐसे करें पौधे की देखभाल

पौधा लगाने के लिए गड्ढा कम से कम 2 बाय 2 बाय 2 घनफीट का होना चाहिए। पीली मिट्टी, थोड़ी सी रेत और थोड़ी सी गोबर की खाद डाल दी जाए। पौधा लगाते समय पॉलिथिन की थैली को हटाते समय पिंड नहीं टूटना चाहिए, तो पौधे के चलने की संभावना शत-प्रतिशत होती है। वर्षाऋतु में लगाए गए पौधों के शत-प्रतिशत चलने की संभावना रहती है। सर्दियों में पौधों को पानी पांच से सात दिन में दिया जा सकता है। गर्मी में हर दूसरे दिन देना जरूरी होता है और पौधों की निंदाई-गुड़ाई 15 दिन में एक बार हो तो पौधा अच्छा खिलखिला उठता है।

नन्ही गुड़िया की सीख

नम्रता कचोलिया
इंदौर

घर के पास कॉलोनी के गार्डन में रोज़ की तरह बच्चे धमाल मचा रहे थे कभी पकड़म पाटी तो कभी आइस एंड वाटर खेलकर मज़े कर रहे थे, ये देखकर वही बैंच पर बैठे बुजुर्ग उनकी खुशी में खुश हो रहे थे। बच्चों की टोली में सबसे ज़्यादा मस्ती खोर होने का खिताब प्यारी गुड़िया को मिला हुआ था, उम्र 5 की पर दिमाग़ दादियों वाला और चंचलता सारे जमाने की भरी हुई थी। गार्डन में भागते-भागते अचानक बबलू से गुड़िया को जोर का धक्का लग गया और गुड़िया थोड़ी दूर जाकर गिर गई जिससे वहाँ पड़े पत्थर से उसको पाँव में चोट लग गई। दौड़कर सारे बच्चे घबराते हुए उसके पास आये तो देखा पाँव से खून बह रहा था, डरे सहमे बच्चे ये नहीं समझ पा रहे थे कि अब क्या करे, इतने में वहाँ बैठे बुजुर्ग उनके पास गये और गुड़िया को देखते हुए बोले इसको धीरे से हाथ पकड़ कर घर ले जाओ, कोई बात नहीं गुड़िया सब ठीक हो जाएगा। वैसे तो खेल-खेल में चोट लगना स्वाभाविक है पर बच्चे अक्सर अपनी चोट को अपने हिसाब से दूसरों के सामने रखते हैं। बस ये ही एक कारण था कि चोट लगने के बाद से ही गुड़िया भी सबको उस तरह ही दिखा रही थी, कभी दादी से सहानुभूति लेती, तो कभी पापा से जबकि माँ से मरहम लगवाते ही वो तो फिर थोड़े देर में बाहर जाकर अपने दोस्तों के साथ खेलने लगी। जो चोट उसको महज़ 20 मिनट पहले लगी, जिसने उसको उस समय अंदर से हिला दिया था, उसी चोट से 20 मिनट बाद उभर कर वो फिर खेलने चली गयी, वो भी सिर्फ़ इस विचार को मन में लिए कि माँ ने कहा है, ये एक दो दिन में दवाई लगाने से अपने आप ठीक हो जाएगी। हम बड़े भी अगर चाहें तो अपने दिल पर या शरीर पर लगी चोट को गुड़िया की तरह सम्भाल सकते हैं। चोट जब लगती है यकीनन दर्द होता है, हम भी उसको अलग-अलग लोगों के सामने अलग-अलग ढंग से पेश करते हैं ताकि हमको सहानुभूति मिले। वहाँ तक तो सब ठीक है पर फिर गुड़िया की तरह उनमें से किसी एक से भी ये नहीं समझ पाते हैं कि ये जल्द ही ठीक हो जायेगी जबकि गुड़िया ने तो फिर भी अपनी माँ की सहानुभूति और समझाईश को अपनाया और फिर से खेलने चली गई। बल्कि हम तो सबकी सहानुभूति और समझाईश के बाद भी वही करते है जिससे कि हम उस चोट से खुद ही ना उभर पायें और उसमें ही अपने आपको उलझा लेते है। गुड़िया से सीखिए, ज़्यादा समय खराब ना करते हुए फिर से खेलना है तो उस चोट पर मरहम लगाकर अपनों की बात समझकर आगे बढ़ा जा सकता है, क्योंकि वही बेहतर तरीक़ा है, जीवन में निरंतर आगे की तरफ़ बढ़ते रहने का।

कैसे बनें सप्ताहांत उद्यमी

उद्यमी बनना हर किसी का सपना होता है। लेकिन चुनौती होती है तो यह कि अपनी तमाम जिम्मेदारियों के साथ उद्यम की शुरुआत कैसे करें? अपनी जमा-जमाई नौकरी को छोड़ने की रिस्क लेना ठीक नहीं तो फिर उद्यम की शुरूआत हो तो कैसे? आपकी इस समस्या का समाधान है सप्ताहांत उद्यम और इसका मार्ग दिखा रही है, कविश माहेश्वरी की ई-बुक ''सप्ताहांत उद्यमी बनें''। आईये जानें उसके कुछ अंश।

कविश माहेश्वरी
भोपाल
78369 83884

सही व्यापार विचार का चयन करें

अपनी प्राथमिकताओं, कौशल और विशेषज्ञता को ध्यान में रखकर व्यापार विचार का चयन करें। वह चीज़ चुनें जो आपको पसंद हो और जिस पर आपका ज्ञान हो, क्योंकि इससे आपकी प्रेरणा को बनाए रखने में आसानी होगी। सप्ताहांत या खाली समय में संचालित किए जाने वाले व्यापार का विचार करें। ऐसा व्यापार चुनें जो आपकी पूर्णकालिक नौकरी के साथ संचालित किया जा सके, बिना किसी संघर्ष या अपनी नौकरी के प्रदर्शन को प्रभावित किए बिना।

अपने बाजार की खोज करें

व्यापार योजना बनाने के लिए मूलभूत बाजार शोध करें। अपने लक्ष्य, ग्राहकों और उनकी आवश्यकताओं को समझें, साथ ही बाजार में प्रतिस्पर्धा की जांच करें। बाजार में उन रिक्तियों या अवसरों की खोज करें जिनका आप उपयोग कर सकते हैं। अपने प्रस्ताव को अद्वितीय मान्यता या किसी अवहेलना क्षेत्र में प्रदान करने का तय करें।

एक व्यापार योजना तैयार करें

व्यापार योजना बनाना महत्वपूर्ण है जो आपको सही दिशा में ले जाने में मदद करेगी। यह आपको व्यापार के लक्ष्य, विपणन स्ट्रेटेजी, वित्तीय योजना, और संगठनात्मक विवरण पर विचार करने में मदद करेगी।

अपने मौजूदा कौशल का उपयोग करें

अपने पेशेवर क्षेत्र और अनुभव का लाभ उठाएं और अपने व्यापार के लिए मौजूदा कौशल का उपयोग करें। यह आपको उच्चतम मान्यता, सुविधाजनक समाधान और मार्केटिंग में आगे बढ़ने में मदद करेगा।

समय का प्रबंधन करें

अपना समय प्रभावी ढंग से प्रबंधित करें। व्यापार और नौकरी के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए एक समय सारणी तैयार करें। आपके प्राथमिक कार्यों को निर्धारित समय में पूरा करने का प्रयास करें और अनायास ही बिना बाधा किए अपने सप्ताहांत व्यापार को विकसित करें।

समर्थन संगठन का निर्माण करें

एक समर्थन संगठन या समुदाय बनाना आपको मार्गदर्शन, उद्योग, ज्ञान, और आवश्यक संसाधनों की सहायता प्रदान कर सकता है। ऐसे संगठनों को ढूंढें जो आपके व्यापारी या उद्यमी स्वप्नों को समर्थन करने के लिए विशेषज्ञता और संबंधों के साथ हैं।

धीरे-धीरे शुरुआत करें और विकास करें

धीरे-धीरे अपने सप्ताहांत व्यापार की शुरुआत करें और इसे नए आयाम तक विकसित करें। शुरुआत में छोटे पैमाने पर आरंभ करें और जब आप अधिक मान्यता प्राप्त करें तो बढ़ते हुए माध्यमों और संसाधनों का उपयोग करें।

ऑनलाइन मंच का उपयोग करें

इंटरनेट और सोशल मीडिया के जरिए अपने सप्ताहांत व्यापार को प्रमोट करें और ग्राहकों तक पहुंचें। वेबसाइट, ब्लॉग, सोशल मीडिया पेज, ईमेल मार्केटिंग आदि के माध्यम से अपना उद्यम प्रचारित करें और आपातकालीनता को बढ़ाने के लिए ऑनलाइन आपूर्ति चैनल बनाएं।

साझेदारी और सहयोग ढूंढें

उद्यमी समुदाय में अन्य उद्यमियों को ढूंढें और साझेदारी और सहयोग के लिए उनसे मिलें। यह आपको संभावित ग्राहकों तक पहुंचने, संसाधन साझा करने और संगठनात्मक सीमाओं को पार करने में मदद कर सकता है।

कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखें

अपने सप्ताहांत व्यापार के लिए कार्य - जीवन संतुलन बनाए रखना महत्वपूर्ण है। एक उचित समय तालिका तैयार करें और अपनी समय प्रबंधन कौशल को सुधारें। ऐसा करने से आप नौकरी और व्यापार के बीच तनाव में कमी लाएंगे।

भारतीय संस्कृति में पीपल की पूजा का विशेष महत्व है। धार्मिक रूप से इसमें साक्षात् भगवान विष्णु व माता लक्ष्मी का वास माना जाता है। आईये विज्ञान के आयने में भी देखें क्यों दिया जाता है, पीपल को इतना महत्व?

■ टीम SMT

क्यों पूजा जाता है पीपल

पीपल की पूजा वैसे तो वर्षभर की जाती है लेकिन होलिका दहन के दसवें दिन 'दशा माता पर्व' पर पीपल पूजन का विशेष कार्यक्रम तय है। इसी क्रम में दो दिन पूर्व शीतला सप्तमी या अष्टमी का पूजन भी पीपल के नीचे बने स्थानक के ऊपर रखी खंडित मूर्तियों के पूजन से सम्पन्न होता है। दशा माता उस गृहदेवी को मानते हैं जो परिवार को सुदशा या सुख-समृद्धि प्रदान करती हैं। पीपल की छाया में व्रत-उपवास करके दशा माता का पूजन एक ओर जहां पीपल के जीवनदायी महत्व का सम्मान करना है, वहीं जीवन में धार्मिक अनुशासन एवं मानवीय गुणों का विकास करना भी है। पेड़-पौधों का आदर एवं उनकी रक्षा का संकल्प लेना वास्तव में मनुष्य के लिये स्वयं की रक्षा की व्यवस्था करना ही है। पीपल के पवित्र वृक्ष को धार्मिक, ऐतिहासिक या सार्वजनिक स्थलों पर ही रोपित किये जाने का विधान है। इसे घरों में लगाये जाने की मनाही है क्योंकि वैसा पवित्र वातावरण उसे घरों में नहीं मिल सकता है जैसी कि आवश्यकता होती है।

सतत् ऑक्सीजन का प्रदाता

विशिष्ट भारतीय संस्कृति में पीपल वृक्ष को बहुत पवित्र एवं पूज्य माना जाता है। कहा गया है कि पीपल के वृक्ष में देवता निवास करते हैं। इसका अर्थ यह है कि पीपल में अनेक विशिष्ट गुण हैं। पीपल का वृक्ष चौबीसों घंटे प्राणवायु देकर वातावरण को शुद्ध एवं स्वास्थ्यप्रद बनाए रखने का कार्य करता है। अतः यह गुण उसे स्वतः ही पूजनीय बना देता है। पीपल को भगवान शंकर के रूप में भी पूजा जाता है। इसका कारण यह है कि जिस प्रकार समुद मंथन से प्राप्त विष को भगवान शंकर ने पीकर पृथ्वी को बचाया उसी तरह पीपल का वृक्ष भी वातावरण से जहरीली गैसों को निरंतर पीते रहकर मानव जाति को चौबीसों घंटे ऑक्सीजन देकर कल्याण करता है। यह एक प्रकार से ऑक्सीजन यंत्र ही है। अतः फेफड़ों, दमा व अस्थमा के रोगियों को इसकी छाया में बैठने से आरोग्य की प्राप्ति होती है। इसके संपर्क में रहने वाले व्यक्ति की आयु लंबी एवं शरीर स्वस्थ रहता है। यह सृष्टि का एकमात्र वृक्ष है, जो 24 घंटे ऑक्सीजन देता है। अन्यथा अन्य सभी वृक्ष तो केवल दिन में ही ऑक्सीजन देते हैं। रात्रि में तो सभी कॉर्बन डाइऑक्साईड ही छोड़ते हैं।

कई रोगों की कारगर औषधि

पीपल के वृक्ष की जड़, टहनियां, पत्ते, फल, छाल, गोंद तथा रस व रेशे आदि सभी अंग मनुष्य को निरोग बनाने में सहायता करते हैं। आयुर्वेद ग्रंथों में इसके चिकित्सीय गुणों को विस्तार से वर्णित किया गया है तथा चिकित्सा शास्त्री मानव को नया जीवन एवं शक्ति देने वाली श्रेष्ठ औषधियां पीपल के अंगों से तैयार करते हैं, साथ ही साधारण लोग भी इसकी अनेक विशेषताओं से परिचित हैं। लोग घरेलू ढंग से कई रोगों के उपचार में पीपल के विभिन्न अंगों का प्रयोग करते है। गांवों के वनों में पीपल के वृक्ष इसीलिये ज्यादा लगाये जाते है ताकि वहां का वातावरण स्वास्थ्यप्रद बना रहे। पीपल की छाल पीलिया रोग दूर करती है।

बुद्ध ने भी इसे ही चुना

पीपल का वृक्ष लम्बी आयु का वृक्ष है इसलिये इसे अति महत्वपूर्ण स्थानों पर रोपित करने की परम्परा रही है। भारतीय इतिहास में तो इसे हर युग में महत्वपूर्ण स्थान दिया जाता रहा है। यह वृक्ष अपने नीचे बैठने वाले व्यक्ति को न केवल आरोग्य व बल प्रदान करता है, वरन् उसे विवेकशील, ज्ञानवान व योगी के गुण भी प्रदान करता है, फलस्वरूप उसे सत्य का बोध हो जाता है। बोधत्व प्रदान करने के इस गुण के कारण ही इसे बोधीवृक्ष के रूप में पूजा जाता है। बुद्ध को बोधीवृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्ति से लेकर अशोक की पुत्री संघमित्रा का बोधीवृक्ष की डाल लेकर धर्मदूत की मैत्री यात्रा के उद्देश्य से श्रीलंका जाना विश्व इतिहास में स्वर्णाक्षरों से लिखी घटना है। बौद्धकाल में राजमार्गों, धार्मिक स्थलों के आसपास व कुंओं के निकट पीपल के वृक्ष लगाने की ही परंपरा थी, जिसके कारण यात्रियों को विश्राम के लिये उत्तम छाया एवं शुद्ध जल की प्राप्ति होती थी।

शांति के पल का छत्र

इस वृक्ष की अनेक विशेषताओं में से एक यह है कि जब वायु बिल्कुल शांत हो तब भी इसके पत्ते हिलते रहते हैं। साथ ही इसके नीचे पानी के कणों का अहसास होता है जिसके कारण भीषण गर्मी में भी इसकी छाया में शीतलता का अनुभव होता है। शांत हवा होने पर भी पत्तों के निरन्तर हिलने और जल वाष्प के कारण छाया के शीतल रहने के बावजूद भी पीपल के पेड़ के नीचे कभी भी अन्धेरा नहीं रहता। सूर्य की रश्मियाँ सहज ही इसके पत्तों को पार कर धरती पर आती रहती हैं और वातावरण को स्वच्छ बनाती रहती हैं। यही कारण है कि जाने - अनजाने ही सही लेकिन जब पेड़ के नीचे विश्राम की बात होती है, तो लोग अक्सर पीपल का ही चयन करते हैं।

वर्तमान में बिगड़ता पर्यावरणीय संतुलन सम्पूर्ण विश्व की गहन समस्या बनता जा रहा है। चाहे इसके संरक्षण के कितने ही दावे किये जाऐं लेकिन पर्यावरण लगातार और बिगड़ता जा रहा है। आइये जानें ख्यात पर्यावरणविद् व पीपुल फॉर एनीमल्स के राजस्थान प्रभारी बाबूलाल जाजू से इस समस्या का समाधान।

हम जागेंगे तभी बचेगा पर्यावरण

बाबूलाल जाजू
(पर्यावरणविद्)
भीलवाड़ा

हमारे पास पीने का पानी नहीं है और जो है वह भी प्रदूषित हो रहा है। पर्यावरण का सवाल हमारे परिवेश का सवाल है। यह हमारे जीवन का मूलभूत प्रश्न है क्योंकि पर्यावरण की सुरक्षा पर ही हमारा जीवन निर्भर है। हवा प्रदूषित हो रही हैं। वन खत्म हो रहे हैं। वनों में रहने वाले जीव, जिनका पर्यावरण सुरक्षा में सीधा योगदान होता है, वे खत्म हो रहे हैं, ऐसे में हम कैसे बचे रह सकते हैं? हम चाहे जितने भी धनी हो जाएं और जितने भी विकसित हो जाएं, उससे हमारा जीवन नहीं चलने वाला है। जीवन तो प्रकृति के साथ ही चलना है, इसलिये पर्यावरण की सुरक्षा उतनी ही जरूरी है, जितना जरूरी औद्योगिक विकास है। यह बुनियादी बात है, जिसे समझ कर ही हम अपने परिवेश को बचाने वाले किसी प्रयास की बात कर पायेंगे।

अंधाधुंध विकास ने बढ़ाई समस्या

भारत में पर्यावरण आंदोलन कोई बहुत पुराना आंदोलन नहीं है। चूंकि यहां औद्योगिक गतिविधियां देर से शुरू हुई और उसमें भी उदार आर्थिक-नीतियां को अपनाने के बाद ही तेजी आई, इसलिये पहले पर्यावरण को लेकर अपने यहां बहुत चिंता नहीं थी। इस लिहाज से देखें तो दूसरे विकसित देशों ने पहले तो अंधाधुंध विकास किया और खूब उद्योग धंधे लगाए। यह उन्होंने अपने और दूसरों के पर्यावरण की कीमत पर किया। जब उनका विकास पूरा हो गया और खूब धन उनके पास आने लगा तो उस धन का इस्तेमाल पर्यावरण सुधार में करने लगें। इस तरह से उन्होंने पहले पर्यावरण को प्रदूषित किया और अब स्वच्छ बना रहे हैं। भारत ऐसा नही कर सकता है क्योंकि यहां तो अभी औद्योगीकरण की प्रक्रिया शुरू ही हुई है। चूंकि यहां की बड़ी आबादी आज भी गरीबी रेखा के नीचे रहती है और बड़ी तादाद में लोगों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं है, इसलिये विकास के काम रोके नहीं जा सकते हैं लेकिन अंधाधुंध विकास की होड़ में पर्यावरण का क्षरण भी नहीं होने दिया जा सकता है। यह भारत के लिये बड़ी दुविधा की स्थिति है। इस पर पर्यावरण सुरक्षा और विकास के बीच संतुलन बिठाने की आवश्यकता है। इस लिहाज से भारत की चुनौती दूसरे देशों से कहीं ज्यादा कठिन है।

सम्मिलित प्रयास जरूरी

अपनी आंतरिक चुनौतियों के साथ-साथ भारत के सामने वैश्विक चुनौतियां भी हैं। कुछ गड़बड़ियां ऐसी हुई है, जिनमें भारत या अनेक दूसरे देश शामिल नहीं है, लेकिन वे उनका खाजियाजा भुगत रहे हैं, ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन इसका एक उदाहरण है। यह जग विदित तथ्य है कि कार्बन उत्सर्जन सबसे ज्यादा अमेरिका करता है और इसे रोकने के लिए हुई अंतर्राष्ट्रीय संधि को भी नहीं मानता है, लेकिन इसका नुकसान दुनिया के सभी देशों को भुगतना पड़ रहा है। यह ग्लोबल वार्मिंग का एक मुख्य कारण है। इसलिये भारत को अपने आंतरिक मोर्चे पर जूझने के साथ-साथ वैश्विक मोर्चे पर भी जूझना है। इसी से पर्यारण को बचाने की जो वैश्विक पहल है उसका लाभ भारत को मिलना है। भारत में पर्यावरण सुरक्षा में जुटी सरकारी और गैर सरकारी संस्थाएं दुनिया की ऐसी संस्थाओं के साथ मिलकर इस चुनौती का मुकाबला कर रही हैं। आज कोई भी देश ऐसा नहीं है, जो सिर्फ अपने दम पर यह दावा करें कि वह अपना पर्यावरण सुरक्षित रख लेगा। ऐसा नहीं हो सकता क्योंकि धरती, आसमान, हवा, पानी आदि के साथ जो ज्यादती हो रही हैं वह अकेले यह देश नहीं कर रहा है। इसलिये उसे दुनिया के दूसरे देशों में चल रहे प्रयासों के साथ जुड़ना ही होगा। यह एक अंतर्राष्ट्रीय समस्या है और इससे उसी ढंग से निपटना होगा।

जनजागृति का विकास जरूरी

चूंकि भारत में पर्यावरण का आंदोलन देर से शुरू हुआ इसलिये अभी बहुत लाभ नहीं दिखता है, लेकिन इस आंदोलन से जुड़ी सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं ने पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा की है और देश की पर्यावरण समस्या का काफी गहराई से अध्ययन कर इसके बारे में तथ्य जुटाए हैं। अब लोग वनों, पेड़ों आदि के बारे में सोचने लगे हैं। लोग जब अपने परिवेश के बारे में गंभीरता से सोचने लगेंगे, तभी उन्हें नीति निर्धारकों पर दबाव बनाने के लिये तैयार किया जा सकता है। लोगों को जागरूक करने और पर्यावरण से जुड़ी बुनियादी समस्याओं का अध्ययन कर लेने के बाद जरूरी है कि अब नीति बनाने वाले लोगों पर दबाव बनाया जाए कि वे औद्योगीकरण से लेकर आवास की समस्या हल करने तक जो भी नीति बनाएं, उसमें पर्यावरण सुरक्षा को सवौच्च प्राथमिकता दें। जब तक ऐसा नहीं होगा, हम सुरक्षित परिवेश नहीं हांसिल कर पाएंगे, लेकिन अफसोस की बात है कि भारत में अभी ऐसा नहीं हो रहा है। देश की नीतियां आज भी विश्व बैंक के लोगों द्वारा तैयार की जा रही हैं। वे अपनी ही सोच रहे हैं और उनकी सोच भारत की जरूरतों के अनुकूल नहीं है। विकास का उनका फार्मूला हमारे लिए ठीक नहीं है। इसलिये हमें अपना फार्मूला खुद तलाश करना चाहिये। सबसे पहले तो विकास की पहल हम अपनी क्षमता के हिसाब से करें। ऐसा करने से कई समस्याएं खुद ब खुद सुलझ जाएंगी। दूसरी बात यह है कि सरकार के नीति निर्धारकों की यह मानसिकता बदलनी चाहिये कि हम विकसित हो जाएंगे तो सारी चीजें अपने आप ठीक हो जाएगी। ऐसा नहीं होगा कि पहले विकास कर लें और फिर पर्यावरण के बारे में सोचें। दोनों काम साथ-साथ करने होंगे। तीसरी बात है लोगों की भागीदारी बढ़ाना- शामिल करने की। यह काम सरकार के स्तर पर हो सकता है। गैर सरकारी संस्थाएं तो लोगों को अपने अभियान में शामिल कर ही रही है। अगर सरकार नीतिगत स्तर पर बदलाव के साथ-साथ अपनी और आम लोगों की मानसिकता में बदलाव की कोशिश भी करे तो अब भी बहुत देर नहीं हुई है। पर्यावरण सुधार के लिये प्रत्येक जनसाधारण को जी-जान से जुटकर पर्यावरण बचाने के यज्ञ में आहूति देने के लिए आगे आना होगा अन्यथा स्थितियां बेकाबू होती जा रही है।

''अनमोल हैं पेड़-पौधे, पशु-पक्षी व पानी, इन्हें बचाइये।''

वैसे तो पर्यावरण को संवारना या उसकी रक्षा करना किसी एक नहीं बल्कि हम सबकी जिम्मेदारी है। फिर भी यह विडंबना है कि अधिकांश लोग अभी भी इस मामले में पूर्णतः जागृत नहीं हुए। इसी को देखते हुए प्रेरणा स्वरूप इस आलेख में पर्यावरण रक्षक के रूप में ऐसे लोगों व उनके योगदानों की जानकारी प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है, जो पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे रहे हैं।

स्वस्थ व सुखी भावी जीवन संवारते

पर्यावरण रक्षक

प्रिशिता जाजू

भीलवाड़ा कुमुद विहार निवासी 37 वर्षीय प्रिशिता जाजू ने अपने घर में कच्ची जगह नहीं होने के बावजूद लगभग 1125 गमलों में 110 प्रजातियों के फूलदार, फलदार, औषधीय व बेल वाले चंपा, पारिजात, एक्जोरा, फोनीसपाम, एरिकापाम, स्नेक, मनीप्लांट, साइकस, फाइकस, क्रोटन, सिंगोनिया, बटनबेल, जूही, अजवाइन, स्पाइडर लीली, एडेनियम, पिंजरी, एलोवेरा, फिस्टल पाम, गुड़हल, चांदनी, नींबू, सुपारीपाम, बॉटलपाम, टोपी कृष्णा, मीठा नीम, पेंडनास, रैपिक्स पाम, अशोक, मोलश्री, मोगनी, तुलसी, नीम, टपोरी, प्लेटाफाम आदि पौधे लगाकर अपने घर को हरा-भरा कर प्राणवायु का केंद्र बनाते हुए अन्य महिलाओं को गमलों में पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया है। प्रिशिता अपने घर-गृहस्थी के कार्यों को करने के बाद समय बचाकर स्वयं गमलों में लगे पौधों की निराई, गुड़ाई, पिलाई के साथ ही पौधों की रखरखाव व्यवस्था करती हैं। श्रीमती जाजू ने 15 वर्ष पूर्व 5 गमले लगाकर शुरुआत की थी। किसी भी अतिथि के घर आने पर उन्हें उपहार स्वरूप एक गमला देने की परंपरा भी प्रिशिता जाजू ने शुरू की है। अपने दोनो बेटों आराध्य और अबीर के जन्मदिवस के अवसर पर भी उनके मित्रों को उपहार के रूप में एक-एक गमला भेंट स्वरूप दिया जाता है। श्रीमती जाजू के घर की छत, सीढियां, बरामदा, खिड़कियां, ड्राइंग रूम, मुख्य द्वार, आवास गृह के बाहर और अंदर सभी जगह हरियाली से परिपूर्ण हैं। प्रिशिता पूरे घर को हरियाली से सरोबार करते हुए अन्य महिलाओं को भी पौधे लगाकर घर को हरा-भरा बनाने के लिए प्रेरित करती हैं। हरियाली बढ़ाने में इनके जीवनसाथी गौरव जाजू और दोनों पुत्र आराध्य और अबीर भी सहयोग करते है।

ओमप्रकाश भदादा

भीलवाड़ा में जन्मे ओमप्रकाश भदादा (उम्र 72 वर्ष) बिजली विभाग के रिटायर्ड अधिकारी हैं। आप बचपन से ही बैडमिंटन के खिलाड़ी रहे हैं और राष्ट्रीय स्तर पर भी खेल चुके है। रिटायरमेंट के बाद स्वास्थ्य ठीक ना होने के बावजूद अपना शेष जीवन परिवार के साथ बिताने व पौधे लगाने और उन्हें बड़ा करने में बीता रहे हैं। घर की छत पर ही किचन गार्डन बना रखा है, जहा प्रतिदिन 3-4 घण्टे पौधे लगाने और उन्हें बड़ा करने में बिता रहे हैं। श्री भदादा का पर्यावरण के प्रति ऐसा प्रेम है कि वे पौधे की सेवा करते हैं और अपनी घर की छत पर पालक, भिंडी, टमाटर, बैंगन सहित अन्य सब्जियों के साथ-साथ स्नेक प्लांट, जेड प्लांट, 4 तरह के मनी प्लांट आदि ऑक्सीजन बम लगा रखे हैं। वर्तमान में बहुत ही सुंदर कलर के प्रचलित मॉर्निंग ग्लोरी, गुड़हल, और हाइब्रिड बिच्छू बेल भी तैयार कर लिए हैं। ब्रह्मकमल, अपराजिता, हार सिंगार, तीन प्रकार की तुलसी भी लगा रखी हैं। आपके यहां करीब 35 प्रजातियों के 245 गमलों के पौधे हैं और वे इन पौधों को समय-समय पर चिर परिचितों को उपहार स्वरूप गमलों में लगाकर देते हैं। उन्हें पौधे के साथ-साथ भजन गाने का भी अच्छा शौक है। आप पर्यावरण की रक्षा के लिए प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करने के पक्षधर हैं। आप पुरानी धानमंडी स्थित श्री बद्री नारायण मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं। आपका उदेश्य है कि 'जीवन का सिर्फ यही आधार है, पर्यावरण हमारा परिवार है।

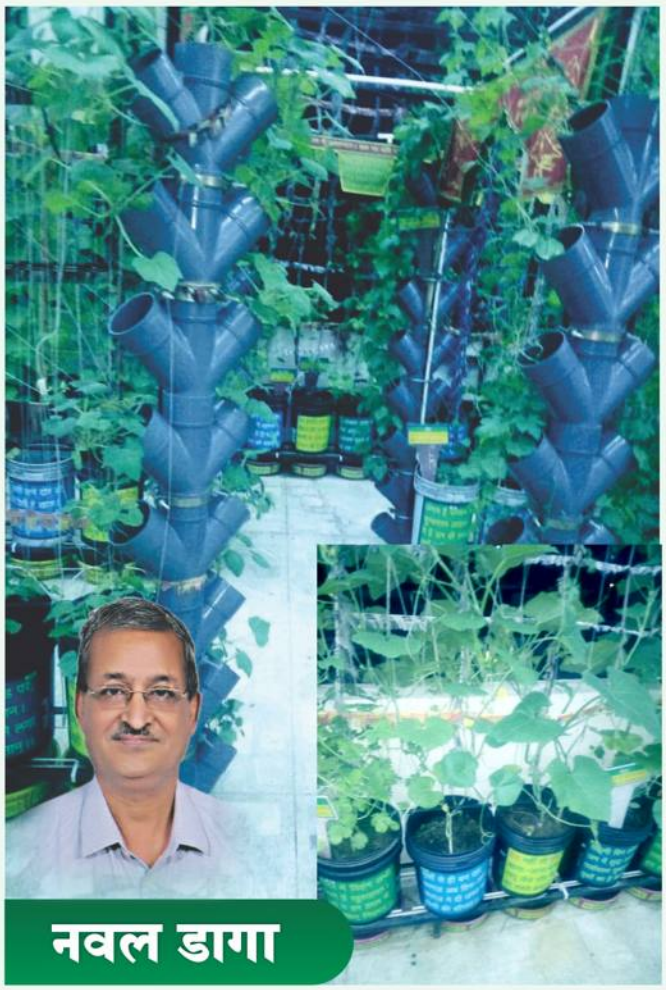

नवल डागा

जयपुर (राजस्थान) निवासी नवल डागा वैसे तो क्षेत्र के एक सफल व्यवसायी हैं, लेकिन उनकी पहचान ऐसे पर्यावरण प्रेमी के रूप में है, जिनका पर्यावरण प्रेम वास्तव में दीवानगी ही कहा जा सकता है। युवावस्था में जब कॅरियर चुनने का मौका आया तो आजीविका के लिए पैतृक व्यवसाय था और एमकॉम तक शिक्षित होने से अच्छी नौकरी की अपार संभावनाएं भी थीं, फिर भी उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को ही अपना जीवन बना लिया। आज भी इसी को प्रोत्साहित करने के लिए इसी से संबंधित विभिन्न पेड़ व पौधों के बीज आदि का ही व्यवसाय करते हैं और आमजन के बीज पर्यावरण संरक्षण का अलख जगाते हैं। उनके इस अभियान में उनकी धर्मपत्नी शारदा डागा भी सहयोगी बनी हुई हैं। वर्तमान में अपने पूववर्ती प्रयासों के साथ श्री डागा ने पर्यावरण संरक्षण में एक अभिनव प्रयास किया है। इसके अंतर्गत श्री डागा अपने मकान की 714 वर्गफीट छत का प्रयोग प्राकृतिक रूप से सब्जी उत्पादन में कर रहे हैं। इसके लिये उन्होंने छत पर ही 415 गमलों में लगभग 44 प्रकार की सब्जियाँ लगाई हैं। इन सब्जियों में भिण्डी, टिण्डा, टमाटर, ग्वार, बैंगन, मिर्च, पालक, धनिया, करेला, गिलखी, लौकी, तरबूज, ककड़ी, देसी मक्का, मिठी मक्का आदि शामिल हैं। इसमें कम स्थान में अधिक सब्जियाँ लगाने के लक्ष्य को लेकर श्री डागा ने अधिकांश बेल वाली सब्जियाँ लगाई हैं, जिन्हें दीवारों के सहारे ऊपर चढ़ाया जा सके। इन सब्जियों के उत्पादन के पीछे श्री डागा का लक्ष्य पर्यावरण संरक्षण तो प्रमुख रूप से है ही, साथ ही उन्हें शुद्ध आर्गेनिक सब्जियाँ भी प्राप्त हो रही हैं। इसके लिये वे सब्जियों में न तो किसी रासायनिक उर्वरक का उपयोग करते हैं, न ही रसायनिक दवा का। सब कुछ पूर्णतः आर्गेनिक तौर तरीकों से सब्जियों का उत्पादन हो रहा है।

कृष्ण गोपाल ईनाणी

माण्डल जिला भीलवाड़ा में जन्में कृष्ण गोपाल ईनाणी पेशे से तो स्टेशन अधीक्षक रेल्वे विभाग की नौकरी करते थे जिसमें समय पाबन्दी, सतर्कता एवं जिम्मेदारी पूर्वक कार्य करना पड़ता था, लेकिन उन्होंने हमेशा सामाजिक दायित्व का भी अच्छी तरह निवर्हन किया। आप पूर्व में नगर माहेश्वरी सभा माण्डल के अध्यक्ष रहे व वर्तमान में माण्डल तहसील माहेश्वरी सभा के सचिव पद पर कार्यरत हैं। अपनी नौकरी के साथ-साथ पर्यावरण का भी विशेष ध्यान रखते हुये धुंवाला रेल्वे स्टेशन पर सन् 2007 में संगम उद्योग समूह भीलवाड़ा व बाबूलाल जाजू पर्यावरण प्रेमी भीलवाड़ा की प्रेरणा व सहयोग से छायादार पेड़ जैसे नीम, शीशम, करंज, अशोका, कनेर, बड़ चम्पा के 40 (चालीस) पौधे लगाकर पेड़ बनाने का संकल्प पूरा किया। इस कार्य में स्टाफ व ग्रामीण जन का पूरा-पूरा सहयोग मिला। श्री ईनाणी ने अपनी यात्रा आगे जारी रखते हुये सन् 2018 में माण्डल रेल्वे स्टेशन पर उपखण्ड अधिकारी माण्डल के कर कमलों से अशोका, करंज, नीम, पीपल, गुड़हल, बकान इत्यादि के 15 (पन्द्रह) पौधे लगाकर अपना लक्ष्य जारी रखा। परोपकारी कार्यों की कोई सीमा नहीं होती, इस बात को ध्यान में रखकर मावली जिला उदयपुर स्थानांतरण पर केवल एक वर्ष के सेवाकाल में सन् 2020 में 40 (चालीस) पौधे चम्पा, नीम, पाम, शीशम इत्यादि के स्टाफ व ग्रामीण जन की सहायता से लगाकर पर्यावरण में सहयोग किया। अब परिवार जन की सहायता से घर में भी 75 (पचत्तर) गमले लगाऐ जिसमें करीब 25 पच्चीस तरह के पुष्प व फलदार पौधे लगा रखे हैं। इस अपराजिता, पाँच तरह के बिच्छू बेल, मोरपंखी, लिली, गुडहल, मीठा नीम, मोगरा, सदाबहार, अमरूद, चम्पा. अजवाईन, तीन तरह की तुलसी, पत्थरचट्टा, अस्थि संहार, अश्वगंधा, बिलपत्र, नींबू, तीन तरह के मनी प्लान्ट, स्नेक प्लान्ट इत्यादि शामिल हैं। आप निर्मल छाया व भारत विकास परिषद् माण्डल के सक्रिय सदस्य हैं व पौधारोपण कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता करते हैं। आपका कहना है कि प्रत्येक मनुष्य को वर्ष में एक पौधे को लगाकर उसे पेड़ बनाने तक का कार्य करना चाहिए व पौधा स्वयं के मकान के बाहर कॉलोनी या सार्वजनिक जगह कहीं भी लगावें। पर्यावरणविद् श्री जाजू ने भी आपकी पर्यावरण में रूचि का प्रशंसा पत्र आपके सेवा निवृत्ति समारोह में भेजा था। आप प्लास्टिक डिस्पोजल के कम से कम उपयोग करने की भी समय-समय पर प्रेरणा देते रहते हैं।

'गुड इवनिंग डिअर! आई एम फाइन।' उन्होंने हंसते हुए तोते को उत्तर दिया। इस बार उन्होंने उत्तर देते हुए तोते को गौर से देखा। यह गहरे हरे रंग का तोता था। आगे की ओर मुड़ी लाल तीखी चोंच उसके ऊपर एक छोटा काले बालों का वलय था। पंजे झक सफेद एवं नाखून गहरे काले रंग के थे। आंखे हल्की नीली थी जिन्हें वह तेजी से इधर-उधर घुमा रहा था। सवा फिट लंबा एवं पांच इंच चौड़ा तो होगा।'

हरिप्रकाश राठी
जोधपुर
94141-32483

कॉर्बेल का उपहार

जेठ में सुबह कुछ जल्दी ही उग आती है।

उमाशंकरजी ने आंखें खोली तब भोर का उजास खिड़कियों, रोशनदानों से कमरे में दस्तक दे चुका था। हवाओं की ठंडक एवं चिड़ियों की आवाजों से उन्हें लगा छः बजे होंगे। उन्होंने दीवार पर लगी घड़ी की ओर देखा, अभी दस मिनट बाकी थे। सुमित्रा नित्य छः बजे उठती थी, उन्हें लगा दस मिनट में क्या फर्क पड़ता है? धीरे से बोले,'सुमित्रा! उठो भी! चाय का समय है।' उन्हें लगा वह प्रतिकार नहीं करेगी पर आज मानो उसका मीठा स्वप्न टूटा हो। तमक कर बोली,'कभी खुद भी बना लिया करो। रिटायर हुए दस वर्ष बीत गए, अब स्टाफ नहीं रहा तो अफसरी मुझ पर क्यों झाड़ते हो? 'इतना कहकर उसने करवट बदल ली। बूढ़े आदमी से हर कोई बदला लेता है, बीवी तो गिन-गिन कर जवानी के पापों का हिसाब लेती है। उन्हें लगा बात बढ़ाने से और बिगड़ जाएगी। वे सीधे रसोई में आए, चाय बनाई एवं दोनों कप रसोई के बाहर रखी डाइनिंग टेबल पर रख दिए।

इस बार बैडरूम में आकर वे धीरे से बोले 'भाग्यवान! चाय तैयार है।' अब उन्हें अनुकूल उत्तर मिला, 'जरा रुक जाते, मैं उठ ही रही थी।' उमाशंकरजी को राहत मिली। वर्षों से वे नित्य सुबह की चाय साथ पीते थे। चाय पीने के थोड़ी देर पश्चात् मॉर्निंग वॉक हेतु वे बाहर आ गए। उनके घर से फर्लांग भर की दूरी पर ही एक सुंदर पार्क था जहां वे नित्य सवेरे भ्रमण हेतु जाते थे।

बाहर आते ही एक दृश्य देखकर वे सहम गए। दो युवा सांड सर नीचे कर एक-दूसरे से भिड़े हुए थे। उनमें से कोई एक-दूसरे को किधर भी ठेल सकता था। वे क्षणभर रुके तभी एक सांड दूसरे पर जोर आजमाते हुए दूर तक ले गया। अवसर मिलते ही वे गार्डन की ओर लपके। वे भीतर आए वहां भी दो कुत्ते आपस में लड़ रहे थे। वे आगे बढ़े तो श्यामजी एवं गोवर्धनजी में तेज आवाज में बहस चल रही थी। चुनाव नजदीक थे। श्यामजी एक पार्टी की तरफदारी कर रहे थे, गोवर्धनजी दूसरी की। दोनों उनके हमवय थे, घर में चलती नहीं थी, यहां तेवर दिखा रहे थे। गार्डन में कुछ नीम, अमलतास, कनेर, गुलमोहर के पेड़ थे तो हरसिंगार, चमेली, चंपा जैसे फूलों के पेड़ भी थे। एक पीपल भी था जिसके चारों ओर चबूतरा बना था। वे इसके नीचे से निकले तो उन्हें लगा ऊपर दो कौव्वे लड़ रहे हैं। उनकी कांव-कांव नीचे तक आ रही थी। एक तेज सांस लेकर वे आगे बढ़े तभी उनकी नजर ऊपर आसमान पर गई। वहां एक सफेद एवं भूरी बदली में गुत्थमगुत्था हो रही थी। क्षणभर के लिए वे सहम गए। क्या समूची कायनात में युद्ध मचा है? क्या सबके भीतर कुछ ऐसा घुट रहा है जिसे वे उगलना चाहते हैं?

कायनात की छोड़ो उनका कुनबा कौन-सा कुरुक्षेत्र से कम है? इन-मीन सात जने हैं पर सभी अपनी ढपली अपना राग अलापते हैं। वे नित्य एक-दूसरे को आपस में बहस करते हुए देखते हैं, जाने कैसे परिवार अब तक एक मुट्ठी में बंधा है? जैसे सुमित्रा उनसे चिक-चिक करती है, बहू मनीषा पति अनिमेष पर रौब झाड़ती है। पोतियां अनीता एवं सुनीता कभी-कभी दो बिल्लियों की तरह आपस में लड़ पड़ती हैं। यूँ बाहर ऐसे बताएंगी जैसे ऐसी प्रेमिल बहनें और कोई न हो, घर में अवसर मिलते ही आंखें तरेरने लगती हैं। कुछ बातें आपस में बांटती हैं तो कुछ बातों को लेकर दूरी बना लेती हैं। जब बांट लेती हैं तो प्रसन्न रहती हैं, जब नहीं कह पाती तब पेट में मरोड़े उठते हैं। पोता राजू उमाशंकरजी एवं दादी की आंख का तारा है पर वह भी अनेक बार बहनों से उलझ पड़ता है। उसकी मित्र-मंडली भी बहुत बड़ी है, उमाशंकरजी ने जब-तब उसके अनेक मित्रों को घर आते हुए देखा है।

कुल-मिलाकर परिवार के सभी सदस्य पढ़े-लिखे बुद्धिमान हैं पर जैसे हज़ार वाट के सात बल्ब एक घर में रोशन हो तो चुंधियाना लाज़मी है। यही हाल उमाशंकरजी के घर का है। बहुत प्रकाश अनेक बार अंधेरे का सबब बन जाता है।

उमाशंकरजी का पूरा नाम उमाशंकर व्यास है, दस वर्ष पूर्व सेवानिवृत्त होने के पहले सरकारी कॉलेज में हिंदी के प्रोफेसर थे। कॉलेज छोड़ने के बाद से लगातार पेंशन मिल रही है इसलिए आज भी घर में रुतबा है। सुमित्रा भी उन्हीं के दम-खम पर ऐंठी रहती है एवं मौका मिलते ही बहू को अहसास करवा देती है कि हम किसी के टुक्कड़ पर नहीं पल रहे, अपने बूते जीते हैं।

व्यासजी शहर परकोटे के भीतर स्थित पुरखों की हवेली में रहते हैं, जहां उनके साथ यह कुनबा रहता है। इस उम्र यानी सत्तर में भी स्वस्थ हैं एवं सुबह भ्रमण में मिलने वाले अन्य बूढ़ों की तरह उन्हें न शुगर है न बीपी। दिनचर्या नियमित है। नित्य सुबह-शाम दो मील पैदल चलते हैं, योगा भी करते हैं एवं इसी के चलते शरीर सौष्ठव दर्शनीय है। अच्छे लंबे, गोरे हैं तिस पर तीखी नाक उन पर खूब फबती है। सुमित्रा भी उन्हीं की तरह हमवय महिलाओं से अधिक स्वस्थ है। इंग्लिश गोरा रंग, सुंदर नक्श एवं आज भी आंखों में चमक

है। दिन भर काम में लगी रहती है। कभी थक जाती है तब व्यासजी पर पिल पड़ती है। बहू तो सुनती नहीं। पढ़ी-लिखी, नौकरीपेशा बहू सुने क्या? अभी कुछ दिन पहले ही बहू से झड़प हुई थी, उस दिन बहू भारी पड़ी, बेटे ने मध्यस्थता का प्रयास किया तो उसे भी मुंह की खानी पड़ी। व्यासजी चुप रहे तो रात सुमित्रा ने उन्हें लपेट लिया,'काठ की तरह खड़े थे। दो शब्द मेरे पक्ष में ही बोल देते। 'ऐसी रूठी कि दो दिन नहीं बोली। जवानी में तो वे फिर मना लेते थे, अब इस जंग लगी बुद्धि से प्रेम की धार कैसे चमकाएं?

व्यासजी का परिवार मोहल्ले का जाना-माना परिवार है एवं समाज में उनकी अच्छी प्रतिष्ठा है। इनके कुलदीपक का नाम अनिमेष एवं बहूरानी का मनीषा है। अनिमेष विवाह के दो वर्ष बाद हुआ था, अब पचास का है। इन दिनों शहर की एक कम्पनी में एग्जीक्यूटिव है। उसने आईआईएम अहमदाबाद से एमबीए किया है एवं अच्छी डिग्री होने से कैंपस सेलेक्शन में नौकरी भी जल्दी चढ़ गया। सौभाग्य से कम्पनी इसी शहर की थी। आज उसी कम्पनी में अच्छे पद पर है, अच्छी पगार भी पाता है एवं इसी के चलते घर में कोई आर्थिक समस्या नहीं है। उसमें कुछ अच्छी आदतें हैं जैसे उच्च पदासीन होते हुए भी किसी तरह का नशा-पता नहीं करता, पैसे का दुरुपयोग नहीं करता, सास-बहू के आए दिन होने वाले झगड़ों को बैलेंस भी करने का प्रयास करता है पर बीवी के आंख तरेरने पर उसी की ओर लुढ़क जाता है। उस दिन सावित्री घर उठा लेती है। मनीषा भी एमबीए है। अनिमेष के साथ पढ़ती थी, वहीं से इश्क़ परवान चढ़ा एवं बात इतनी आगे बढ़ी कि विवाह का निर्णय लेना पड़ा। मनीषा की तनख़्वाह अनिमेष से कुछ ज्यादा है, व्यासजी की नज़रों में बहू बेटे से अधिक व्यावहारिक एवं बुद्धिमान है। दोनों शाम हारे-थके घर आते हैं। देर रात तक लैपटॉप पर लगे रहते हैं। दोनों अपनी व्यावसायिक समस्याओं को लेकर परेशान भी रहते हैं, समाधान न मिलने पर आपस में भिड़ जाते हैं।

दोनों बेटियों में बड़ी अनीता सीए कर चुकी है, वह भी किसी कम्पनी में नौकरी करती है, छोटी सुनीता सीए इंटर में है। घर में सभी जानते हैं कि दोनों के किन्हीं लड़कों से चक्कर हैं। राजू को भी एक बार व्यासजी ने किसी लड़की के साथ मोटरसाइकिल पर घूमते हुए देखा था। आशिकों की इस जमात को देखकर व्यासजी एवं सुमित्रा अनेक बार आशंकित हो उठते हैं। पोतियां यूँ तो समायोजन कर लेती हैं पर प्रेम के रहस्य हृदय में ही रखती हैं। अनेक बार वे विचित्र उदासियों में भी घिर जाती हैं।

व्यासजी को कई बार लगता है उनका परिवार खुशहाल परिवार है पर अनेक बार यह भी लगता है अनिमेष, बहू, पोतियां, पोता उदास भी हो जाते हैं। उन्हें लगता है जब वे मन की भड़ास नहीं निकाल पाते तब दुखी हो जाते हैं। इन दिनों उन्होंने यह बात शिद्दत से महसूस की है।

शहर में पतझड़ को विदा कर बसंत आ चुका है। अब शीघ्र ही गणगौर का मेला भरेगा जो उनका प्रिय त्योहार है। हर वर्ष घाटी पर लगने वाले इस मेले में वे अवश्य जाते हैं। सुमित्रा कहती है अब तो बच्चों के मेले देखने के दिन आए आप तो बन्द करो पर वे नहीं मानते। बच्चों, सुमित्रा को मेले आदि में कोई रस नहीं है।

आज गणगौर के मेले में वे शहर की ऊंची घाटी पर अवश्य जाएंगे। अब ऊंची भी कहाँ रही, कार-टैक्सियां तक तो जाती हैं। वहां सजी-धजी पार्वती जिसे यहां के लोग गवर कहते हैं, को देखना व्यासजी को खूब भाता है। उसकी पालकी के पीछे गीत गाती स्त्रियां भी खूब गहने पहने हुए होती हैं। स्त्रियां गहनों में फबती भी है, आदमी पहने तो गधा लगे। उन्होंने सुमित्रा को एक बार पूछा भी था, 'सुमि! गहनों पर औरतों का एकाधिकार है क्या? आदमी भी तो गहने पहन सकता है।' तब उसने व्यासजी को ऐसे देखा मानो कह रही हो, 'आदमी गोबर होता है। गोबर पर सोने का वर्क लगता है क्या?' ओह! न उसने कहा, न व्यासजी ने सुना। वे भी जाने क्या-क्या बुन लेते हैं।

मेला देखकर व्यासजी झूम उठे। उन्हें अनायास अपने पिता की याद हो आई, जब वे उनके कंधे पर बैठकर यही मेला देखने आते थे। बाबूजी कितनी चीजें दिलाते थे..चश्मा, घड़ी, खिलौने एवं बर्फ का मीठा गोला भी तो खिलाते थे। मेला उनकी पुरानी मीठी यादों को पुकारता है। मेले में उनके साथ अतीत का एक छोटा बच्चा भी आता है। यहां की भीड़ उन्हें खूब आकर्षित करती है। मेला सामूहिक ध्यान की तरह सबको प्रसन्नता से सराबोर करता है। जैसे गंगा में मिलने वाले नाले भी गंगा बन जाते हैं, असंख्य प्रसन्न लोगों के बीच कुछ उदास भी यहां सहज प्रसन्न हो उठते हैं। मस्ती का सैलाब द्वेष, दम्भ एवं उदासी के कीचड़ को यूँ बहा ले जाता है।

मेले से लौटते हुए उनकी नज़र एक पक्षी बेचने वाले पर पड़ गई। उसके पास कबूतर, रंग-बिरंगी चिड़ियां, बतख एवं बहुत सारे तोते भी थे। वस्तुतः उसके पास अधिसंख्य तोते ही थे। ये तोते अनेक रंगों एवं अनेक प्रकार के भी थे। छोटे-बड़े, हरे-बैंगनी हर तरह के। ये तोते इतने सुंदर, सुरीले थे कि इन पर नज़र नहीं ठहरती थी। कुछ तोते तो उनके शहर में दिखने वाले तोतों से दूनी साइज के थे। व्यासजी बचपन से प्रकृति प्रेमी तो थे ही, पक्षी प्रेमी भी थे। पक्षी प्रेम उनकी साँसों में बसा था। तोतों के बारे में वे बहुत कुछ जानते भी थे। उन्हें पता था तोता पचास से सौ साल तक जीता है। पक्षी प्रेम उनका शौक ही नहीं अभिरुचि भी थी। तभी एक आवाज़ सुनकर वे चौंके,'गुड इवनिंग सर! हाऊ आर यू?' वे हैरान थे क्या पक्षीवाला अंग्रेजी भी जानता है? उन्होंने कौतुक मन उसकी ओर देखा तो पक्षीवाले ने अंगुली से बड़े तोते की ओर इशारा करते हुए कहा,'हुजूर! मैं नहीं यह बोल रहा है।' विस्मयविमुग्ध व्यासजी झेंप गए।

'गुड इवनिंग डिअर! आई एम फाइन।' उन्होंने हंसते हुए तोते को उत्तर दिया। इस बार उन्होंने उत्तर देते हुए तोते को गौर से देखा। यह गहरे हरे रंग का तोता था। आगे की ओर मुड़ी लाल तीखी चोंच उसके ऊपर एक छोटा काले बालों का वलय था। पंजे झक सफेद एवं नाखून गहरे काले रंग के थे। आंखे हल्की नीली थी जिन्हें वह तेजी से इधर-उधर घुमा रहा था। सवा फिट लंबा एवं पांच इंच चौड़ा तो होगा। अब वे पक्षीवाले से मुखातिब थे।

'अरे ! इतना बड़ा एवं इतना प्यारा तोता तुम कहां से ले आए? ये नस्ल इधर की तो नहीं दिखती।' उनकी उत्सुकता आँखों में सिमट आई।

'आपने ठीक पहचाना। यह तोता दक्षिणी अमेरिका की अमेज़न नदी के घने जंगलों में मिलता है। यह 'कॉर्बेल' प्रजाति का दुर्लभ तोता है। वहां इससे भी बड़े तोते मिलते हैं। इसे 'मिमिक्री मास्टर' भी कहते हैं। यह हूबहू आपके कहे शब्दों की नकल कर लेता है। यह मुर्गे, कुत्ते, बकरी, बिल्ली की आवाज़ ही नहीं गीत-संगीत यहां तक कि बच्चे के रोने-चिल्लाने तक कि आवाज़ें भी दोहरा देता है।' पक्षीवाले के परिचय ने तोते को कीमती बना दिया। उसने तोते के इस गुण का प्रदर्शन किया तो व्यासजी हैरान रह गए।

'यह खाता क्या है?' व्यासजी के जिज्ञासु मन को पंख लग गए।

क्रमशः.... (आगामी अंक में)

हरियाली देखना, महसूस करना और उसका आंनद लेना सबको पसंद है तभी तो आजकल हम अपने आसपास के वातावरण को भी हरा-भरा रखने की कोशिश करते हैं। फिर भी अफसोस है, इस बात पर कि अक्सर हम प्राकृतिक तरीके के स्थान पर अप्राकृतिक तरीके का इस्तेमाल करते हैं अर्थात् प्लास्टिक के पेड़-पौधे लगाकर अपनी इच्छाओं की पूर्ति कर लेते हैं। चूँकि प्लास्टिक का इस्तेमाल करना वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी गलत है फिर भी प्राकृतिक तरीके से लगाये गए पेड़-पौधों की देखरेख से बचने के लिए हम यह तरीका अपनाते हैं। इसके पीछे हमारा लक्ष्य कृत्रिम ही सही लेकिन उस स्थान की सुंदरता को बढ़ाना होता है। वास्तव में यह मानव स्वभाव है। दूसरी तरफ अगर हम सेहत के प्रति जागरूक हों और अपनी पसंद हरियाली को प्राकृतिक तरीके से लगाएं तो नि:संदेह हमारा वातावरण स्वास्थ्य की दृष्टि से भी हरा-भरा रहेगा। ऐसे में यह विचारणीय हो गया है कि प्राकृतिक अथवा अप्राकृतिक किस रूप में हरियाली हमारे लिए हितकारी होगी? आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

हरियाली का अप्राकृतिक परिवेश उचित अथवा अनुचित?

आवश्यक नहीं नयनाभिराम वस्तुएं स्वास्थ्यवर्धक भी हों

हमारे आसपास की चीजें नयनाभिराम और मनभावन हो सकती हैं पर यह जरूरी नहीं है कि वह स्वास्थ्यवर्धक भी हों। प्राकृतिक पेड़-पौधे लगाने के लिए वातावरण अथवा जगह की कमी आदि कारणों को अपवाद मान भी लिया जाए तो भी सच यही है कि प्राकृतिक पेड़-पौधे लगाने के लिए आवश्यक मेहनत से हम बचना चाहते हैं और अपनी सुविधानुसार कृत्रिम (प्लास्टिक) हरियाली लगाकर कृत्रिम संतुष्टि से ही तृप्त हो जाते हैं। यह जानकर भी हम अनजान बने रहते कि प्लास्टिक का उपयोग वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी नुकसानदेह है। अगर थोड़ी सी दूरदर्शिता रखकर घर-ऑफिस अथवा अपने आसपास के स्थानों पर प्राकृतिक हरियाली को लगाया जाए तो सारा वातावरण सकारात्मक ऊर्जा से भर जाएगा। साथ ही नई पीढ़ी को प्रकृति के प्रति एक संदेश मिलेगा। धीरे-धीरे गमलों अथवा छोटे-पौधे की देखरेख का मामूली सा काम हमारा शौक और दिनचर्या का हिस्सा बन जायेगा। हरियाली के लिए आपका एक कदम दूसरों के लिए प्रेरणा बन सकता है। जरूरी नहीं कि आप अनगिनत गमलों और पेड़ों को लगाओ; पर दो-चार गमले तो अपने घर-आंगन में लगाए जा सकते हैं।

❐ **सुमिता मूंधड़ा,** मालेगांव, नाशिक

हरियाली मूल रूप में ही उचित

आज हमारे बीच हरे-भरे जंगल खत्म होते जा रहे है और कांक्रिट के जंगल बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे में कांक्रिट के जंगलों के बीच यदि अप्राकृतिक पेड़-पौधे या हरियाली; मात्र प्रदर्शन हेतु लगाई जाती है, तो यह प्रकृति के हित में नहीं है। वृक्ष संवर्धन आज की महती आवश्यकता है। कांक्रिट के जंगलों के बीच में हरे-भरे वृक्ष, पेड़-पौधे लगाए जाएं। जिससे मानव सहित सभी प्राणियों के लिए शुद्ध वातावरण उपलब्ध हो सके। यदि इस ओर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले समय में स्वास्थ्य संबंधी अनेक बीमारियों से ग्रस्त हो सकते हैं। हरियाली ना केवल मानव, अपितु पशु-पक्षियों के लिए, भी अति आवश्यक है। हर कॉलोनी व सोसाइटी में पार्क होना आवश्यक है। यदि औषधीय पौधे हो तो और भी ज्यादा अच्छा है। वृक्ष वातावरण को सुखद बनाने के साथ-साथ सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार करते हैं। आज मानव अनेक अप्राकृतिक साधनों के बीच में रह रहा है। प्रकृति प्रदत्त हरियाली को हम अप्राकृतिक ना बनाकर इसे मूल रूप में हमारे आसपास सृजित करें, निर्मित करें। समस्त प्राणियों को जीवन देकर स्वयं के जीवन की भी रक्षा करें।

❐ **पल्लवी दरक न्याती,** कोटा (राज.)

अप्राकृतिक परिवेश सर्वथा अनुचित

हरियाली का अप्राकृतिक परिवेश सर्वथा अनुचित है। हरियाली और वसुंधरा का तो चोली दामन का रिश्ता है। हरियाली मन को सर्वदा ही ठंडक पहुंचाती है। भारत का निसर्ग सौंदर्य पेड़ पौधो से संपन्न है। भारत की स्वर्गीय धरा को हमें प्लॅस्टिक प्रदूषण से दूर रखकर पर्यावरण संरक्षण करना चाहिये, तभी हम ग्लोबल वार्मिंग से बच सकेंगे और आने वाली पीढ़ी के लिये प्राकृतिक धरोहर संजोये रखेंगे। हरियाली पर नंगे पाव चलने से रोगों से मुक्ति मिलती है। गाँव माटी से जुड़े थे तो हर घर मे आंगन फुलवारी होती थी, हर तरह के पेड़ पौधे पर्यावरण संतुलन रखते थे। जैसे ही हम आधुनिकीकरण की चकाचौंध में उलझ गये, सीमेंट के जंगलों से घिर गये तो हम घर को भी बनावटी पेड़, फूल-पौधो से सजा रहे, क्योंकि इनकी देखभाल नही करना पड़ती। फ्लेट में बालकनी तो होती ही हैं, हम गमलों में तुलसी, गुलाब तो लगा ही सकते हैं। घर में रखने वाले प्राकृतिक पौधे भी मिलते हैं लेकिन देखभाल जरूरी है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्लॅस्टिक हानिकारक है, प्राकृतिक हरियाली से पर्यावरण रक्षण होकर प्राणवायु मिलेगी, ग्लोबल वार्मिंग और प्राकृतिक आपदा से बचना हो तो नवहरितिमा लगाओ। हरे भरे पौधो को देख, पंछी भी चहकते हैं व नवहरितिमा देख शगुन के गीत गुणगुनाते हैं।

❐ **छाया राठी,** यवतमाल

हरियाली का अप्राकृतिक प्रयोग पूर्णतः अनुचित

वर्तमान स्थिति को देखकर तो लगता है कि हम अपनी भावी पीढ़ी को दूषित वातावरण ही देकर जाएंगे। दूषित हवा का प्रकोप हम झेल चुके हैं। यदि कृत्रिम हरियाली की तरफ उनको मोड़ दिया तो फिर उन्हें सांसे भी कृत्रिम ही लेनी पड़ेगी। आजकल सजावट के लिए कृत्रिम घास, कृत्रिम पुष्प, कृत्रिम वृक्ष उपलब्ध हैं जिनका प्रयोग अगली पीढ़ी के लिए कचरा रूपी कोबरा विष होगा। कृत्रिमता एक छल है, सपना है। जीवन के किसी भी क्षेत्र में सपना टूटने पर और छल प्रकट होने पर वह अत्यंत दुखदाई है।

❐ **सुनीता महेश मल्ल,** आमगांव, जिला गोंदिया विदर्भ

यदि प्रेरणा मिले तो ठीक

हरियाली से तात्पर्य हरे-भरे वातावरण से है, जो हमारे मन को और आँखों को सुकून दे। आज शायद ही कोई होगा जो हरियाली से मुँह मोड़ ले, मानव तो ठीक पशु पक्षियों को भी हरियाली की जरुरत होती है। भले ही हरियाली उनके लिए सिर्फ पालन-पोषण का ही कारण क्यों ना हो। कोरोना के बाद से प्राण वायु ऑक्सीजन का महत्त्व सही मायने में सभी को समझ भी आया है और उसे किस तरीके से सदुपयोग करना है वो भी ज्ञात हुआ है। बहुत सारे प्रकृति प्रेमी कोरोना के पहले भी हरियाली के प्रति जागरूक थे, परन्तु कोरोना के बाद लगभग हर व्यक्ति हरियाली के प्रति कुछ ज्यादा ही जागरूक हुआ है। यही वजह रही है कि कुछ इंडोर प्लांट्स (जैसेः स्नेक प्लांट, जेड प्लांट, मनी प्लांट आदि) जिन्हें देखना तो दूर शायद ही कभी किसी ने उनका नाम सुना था अचानक से 'ऑक्सीजन बम' के नाम से सुप्रसिद्ध हो गए और तो और गिलोय जैसी जंगली लता अचानक से प्राणदायी औषधी बन गयी। ये बात बिल्कुल नहीं है कि ये पौधे कोरोना के बाद से ही ऑक्सीजन देने लगे हैं अथवा गिलोय पहले औषधी नहीं हुआ करती थी, बल्कि ये तो कई सालो से अपना काम करते आ रहे हैं परन्तु कोरोना समय से ही हम मनुष्यों को इनके महत्त्व का अनुसरण हुआ। चलो देर आये पर दुरुस्त आये। आजकल पृथ्वी पर सबसे बड़ी समस्या बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग की है, जो कि तापमान में धीरे-धीरे ही सही पर लगातार वृद्धि करती जा रही है। इसका असर हम सभी को देखने को मिल रहा है जैसेः जलवायु परिवर्तन, तापमान में औसत से ज्यादा वृद्धि, वर्षा का न होना अथवा बेमौसम वर्षा आदि। ये लक्षण हमारी पीढ़ी के लिए भले ही बहुत सूक्ष्म हों, परन्तु हमारी आने वाली पीढ़ी को इन दुष्प्रभावों को झेलना ही पड़ेगा। हालांकि विश्व के सभी बड़े देश और संयुक्त राष्ट्र बहुत सारे कार्यक्रम जैसेः ग्लोबल वार्मिंग डे, वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे आदि मनाकर लोगों को इसके प्रति जागरूक कर रहा है। परन्तु इसके दुष्परिणाम तो समय के साथ ही पता चल पाएंगे। आजकल सामाजिक, धार्मिक कार्यक्रमों, दफ्तरों में प्लास्टिक के फूलों व पत्तों से सजावट का प्रचलन बढ़ा है, जिससे कि प्राकृतिक अनुभूति हो। मनुष्य इन कृत्रिम सजावट को देखकर एक बार 'अरे क्या सीन है' कहता है, इससे अच्छी अनुभूति भी होती है और साथ ही यह विचार भी जरूर आता है कि, जब कृत्रिम चीज इतनी मनमोहक लगती है तो प्राकृतिक पौधे कितने आकर्षक लगेंगे। ऐसी सोच ही हमें हरियाली बढ़ाने का विचार देती है क्योंकि पेड़, पौधे, फूल हमें सुकून देते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इन्हीं कृत्रिम हरियाली को देखकर मन में अगर यह विचार जागृत होता है कि हमें भी हरियाली बढ़ाने में सहयोग देना चाहिए, तो यह पर्यावरण को सुरक्षित और मनमोहक बनाएगा। अगर ये भाव हम मनुष्यो के मन में आने लगे तो ऐसे कृत्रिम पौधे जरूर लगाने चाहिए।

❐ **कृष्ण गोपाल ईनाणी,** मांडल जिला भीलवाड़ा, राजस्थान

नकल से असल की ओर जाएं

किसी कवि ने सच कहा है, "खुशबू आ नहीं सकती, कागज के फूलों से।" प्रकृति ने विभिन्न तरह की अपार सम्पदा दी है। उसी में हरियाली, पेड़ पौधे आदि हैं और इन पर मानव जीवन भी निर्भर करता है। प्रकृति से खाद्य पदार्थ, फल सब्जी आदि मिलती हैं। यहां तक मनुष्य या जो भी जन जीवन श्वांस लेता है, वह भी पेड़ पौधों की देन हैं। कई तरह की औषधियां, जड़ी बूटी हरियाली की ही देन है। वैसे मनुष्य प्रकृति प्रेमी है,पर कुछ लालचवश या अन्य कारणों से इसे नष्ट कर रहा है। जिसका दुष्परिणाम है तरह-तरह की प्राकृतिक आपदा, वातावरण में प्रदूषण, मौसम में बदलाव। इसके दुष्प्रभाव से तरह-तरह की बीमारियां बढ़ रही है। पशु पक्षियों का जीवन भी प्रभावित हो रहा है। कई पशु, पंछी और कीट पतंगों की प्रजाति नष्ट हो गई या होने के कगार पर है। यह ठीक है आजकल किसी स्थान की सुन्दरता बढ़ाने या इच्छापूर्ति के लिए बनावटी पेड़ या फूलों का प्रचलन बढ़ रहा है, जो कि प्लास्टिक और कई तरह के कैमिकल से बनाए जाते हैं, पर वास्तव में ये प्रदूषण ही फैलाते हैं और स्वास्थ्य पर भी विपरीत प्रभाव डालते हैं। पर्यावरण को संरक्षित करना होगा। अपने आसपास की जगहों पर जीवनोपयोगी जैसे पीपल, नीम या उस क्षेत्र के अनुकूल पेड़ लगायें। घर, आफिस आदि जगहों पर गमलों में या खाली जगहों पर तुलसी, स्नेक प्लांट, लक्की बम्बू, मनीप्लांट, मौसम के फूलों आदि के पौधे लगाएं, जो कि वातावरण को स्वच्छ रखेंगे और समय का भी सदुपयोग होगा। हरियाली के संरक्षक बनें और परिवार के सदस्यों को भी इसकी प्रेरणा दें। अभी भी समय है नकल की ओर से असल की ओर जाने का। पेड़ लगाएं जीवन बचाएं।

❐ **बिनोद बिहानी,** फरीदाबाद

प्राकृतिक परिवेश पूर्णतया उचित है

धरती पर जीवित हर व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वो अपने बहुमूल्य जीवन का कुछ समय पर्यावरण एवं हरियाली के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने में लगाएं। लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में लोग पर्यावरण एवं हरियाली के प्राकृतिक परिवेश को भूलने लगे हैं। हमारा माहेश्वरी समाज देश का सबसे प्रबुद्ध समाज माना जाता है। हमारा यह सामाजिक और राष्ट्रीय कर्तव्य बनता है कि हर खुशी के अवसर जैसे-जन्मदिन, सालगिरह आदि पर पौधारोपण अवश्य करें। प्रदूषण के वर्तमान दौर में हरियाली के प्राकृतिक परिवेश को बढ़ावा देने की हमें सख्त जरूरत है। आजकल व्यक्तिगत, सामाजिक एवं सार्वजनिक समारोह में स्वागत के नाम पर कृत्रिम फूलदान एवं बुके आदि दिये जाते है, यह पूर्णतया पर्यावरण के लिए नुकसानदायक है। मैं समाज के सभी प्रबुद्धजनो से विनम्रता पूर्वक कहना चाहूंगा कि 'मानो न मानो यह हकीकत है। हरियाली के प्राकृतिक परिवेश को, हमारे जीवन में अपनाने की जरूरत है'।

❐ **आनन्द कोठारी,** गंगापुर जिला भीलवाड़ा (राज)

राह जिंदगी की...

प्रो. कल्पना गगडानी मुंबई

मित्रता, पारिवारिक समरसता और त्यौहार

सावन मास, छोटी बड़ी तीज से शुरू हुआ सिलसिला गणपति, जन्माष्टमी, श्राद, नवरात्री, दशहरा, करवा चौथ, दीवाली और फिर लगन सराय 1 जुलाई से दिसम्बर तक त्योहारों की ये धूम, कृषि प्रधान संस्कृति के समय में परिवार, व्यक्ति, समाज के रिश्तों में प्रगाढ़ता और सौहाद्रता लाने का एक सहज, सरल और सुंदर प्रयास रहा। सदियों इस श्रेष्ठ परम्परा ने मनुष्य की सामाजिकता को सावधानी से संजोए रखा।

त्योहारों के बहाने रिश्तेदारों का एक दूसरे के घर जाना आना, गांव जनों का मंदिरों के उत्सवों में मिलना जुलना, झांकियों में कला को स्थान और सम्मान मिलना, बच्चो को प्रतिभा प्रसारण के अवसर मिलना, संगीत, नृत्य, भजन-नदी नहाना सब मानवीय जीवन की सामाजिक भूख मिटाने के उत्तम भोजन थे। इनसे परिवार के हर सदस्य की ऊर्जा उत्साह में दिन दिन रात चौगुनी वृद्धि हो जाती थी। जीवन कर्मक्षेत्र में खुशी-खुशी, रमा रहता था एक अकथनीय मरोस के साथ। आधुनिक दौर में परिस्थितियां बदल गई हैं। परिवार विभक्त हो छोटे हो गये हैं, घर के बच्चें नौकरियों के लिये बाहर चले गये हैं। खर्च बढ़ गये हैं और हमारी सामाजिकता केवल सोशल मीडिया तक सिमटकर रह गई है।

परिस्थितियों के बदलाव संग सिमटते हुए रिश्तों ने जहां पहले स्वतंत्रता का सुखद अहसास दिया वहीं कालांतर में कुछ मनवांछित कमियां भी नजर आने लगी। स्वतंत्रता स्वच्छंदता बन गई। अकेलापन एकाकीपन, मुसीबतों के पल, सुख-दुःख की सामाजिकता, प्रेम, भाईचारा का कम होना किसी शून्यता का अहसास दिलाने लगा। संयुक्त परिवार टूट कर विभक्त हुआ। तब बात इतनी बिगड़ी नहीं थी क्योंकि परिवार तो था। अब दायरा और सिमटने लगा; सिंगल फेमेली से सिंगल पेरेंट्स तक पहुंच गये।

इस अवस्था में भी व्यक्ति यदि खुश हो तो परिवर्तन ग्राह्य और स्वीकार है। परंतु सरकारी और पारिवारिक आंकड़े कुछ और बता रहे है। आज शारीरिक स्वास्थ की जागरुकता ने फिजिकल टेक्स तो इंप्रूव कर दी पर मेंटल हेल्थ चर्चा परिचर्चा का विषय बन गई। मनोवैज्ञानिक, मनोचिकित्सक, काउंसलर की तादाद और व्यवसाय दोनों बहुत बढ़ गये। सामाजिक चिंतन का विषय है कि इस देश में ऐसा अब क्यूं होने लगा। 'सर्दी जुकाम की तरह टेंशन, फ्रस्ट्रेशन, डिप्रेशन, इनसिक्योरिटी, एंजाइटी शब्द रोज कानों में पड़ने लगे हैं। शुरुआत ही भीषण और डरा देने वाली है। परिणाम और दुःपरिणाम भी स्पष्ट नजर आ रहें है। ड्रग्स, लीकर, सुसाइट सामान्य से लगने लगे हैं।

क्या ये सफलता की राह है? क्या ये खुशियों की बहार है? क्या ये आत्म संतुष्टी का ग्रोस है? 'कदापि नहीं'

मनुष्य सामाजिक प्राणी है। कोरोना काल ने ये अहसास सबको दिला दिया। वर्क फ्राम होम का सुखद सपना भयावह लगने लगा। वर्चुअल दुनिया में रिश्ते ढूंढने लगे। लाइक और कमेंट जिंदगी समझने लगे। सब कुछ मुखी से फिसला नहीं है। सामाजिकता के अवसर त्यौहार लायेंगे। अवसर को भुनायें, मेल मिलाप बढ़ाये, पर्वों के आयोजन में उर्जा और उत्साह बढ़ायें। पर्वों के आयोजनों में ऊर्जा और उत्साह बढ़ाये। मेंटल वेल्स, फिजिकल हेल्थ की वेल्थ कमायें।

योग-मुद्रा

शिवनारायण मूंधड़ा
'वास्तु मित्र'
94252-02721

हमारे देश का रहस्यपूर्ण शब्द है बोधिसत्त्व। बोधि का अर्थ है- अन्तर्ज्ञान, परमज्ञान, अव्यक्त ज्ञान। सत्त्व का अर्थ है निर्भयता, निडरता, वीरता। उक्त परिभाषा के अनुसार इस मुद्रा का अभ्यास अन्तर्ज्ञान की प्राप्ति एवं निर्भय दशा की उपलब्धि निमित्त किया जाता है।

अन्तर्ज्ञानि कराती बोधिसत्त्वज्ञान मुद्रा

कैसे करें : बोधिसत्त्व मुद्रा बनाने के लिए पहले दाहिने हाथ से ज्ञान मुद्रा करके हृदय के पास (समभाग) रखें। फिर बायें हाथ से ज्ञान मुद्रा बनाकर दाहिने हाथ के ऊपर इस तरह रखें कि दोनों हाथों के अंगूठे और तर्जनी एक दूसरे से युक्त हों इस तरह बोधिसत्त्व ज्ञान मुद्रा होती है। सुखासन या वज्रासन में स्थित होकर इस मुद्रा का 15 मिनट नियमित रूप से प्रयोग करना चाहिए।

लाभ : ज्ञान मुद्रा में बताये गये सभी तरह के अच्छे परिणाम इस मुद्रा के प्रयोग से भी हासिल होते हैं। इसके अतिरिक्त ध्यान साधना में अपेक्षाधिक प्रगति होती है। इसी के साथ अभ्यास के अनुरूप वैचारिक निर्मलता, बौद्धिक क्षमता एवं ज्ञानावरणी कर्म का क्षयोपशम होता है। अनुभवियों के मतानुसार ज्योति केन्द्र (ललाट के मध्यभाग) पर श्वेत प्रकाश बिखरता दिखाई देता है।

इस मुद्रा द्वारा ये शक्ति केन्द्र भी सक्रिय

चक्र- स्वाधिष्ठान एवं मणिपुर चक्र तत्त्व-जल एवं अग्नि तत्त्व ग्रन्थि-प्रजनन, एड्रीनल एवं पैन्क्रियाज ग्रन्थि केन्द्र-स्वास्थ्य एवं तैजस केन्द्र विशेष प्रभावित अंग-प्रजनन अंग, मल-मूत्र अंग, पाचन तंत्र, नाड़ी तंत्र, यकृत, तिल्ली, आँतें आदि।

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

छोरियां भी छोरे सूं कम नहीं हुवें

खम्मा घणी सा हुकुम आज आपा बात कर रिया हाँ.. समाज मे बेटा-बेटी रे प्रति भेदभाव री... हुकुम आपाणे समाज मे केह्वे जरूर कि लड़का लड़की समान है पर व्यवहारिक रूप में लागू नहीं करें। आज भी कई परिवारों में बहु तो अच्छी चईजे.. पर घर मे बेटी जन्में तो लागे दुनियां रो सारों बोझ वाणे सर पर आ गयो है। सच कहूं तो बेटियां माता पिता ने ही बोझ लागण लाग जावें... बचपन सूं ही भेदभाव! हुकुम इण युग मे भी कई परिवारों में बहु बेटी ने जन्म दे देवे तो... ससुराल वाळा घरें नहीं बुलावें... हुकम ऐड़ा माहौल में एक अच्छे समाज री कल्पना भी किकर हूँ सके?

हुकुम समाज रे लोगों ने लागे कि बेटा ही वाणे वास्ते सब कुछ है। बेटियां वाणी जिंदगी में कोई अहमियत नहीं राखे। आपा कई बार अन्य धर्मों में भी देखा... इस्लाम धर्म में तीन विवाह करण री इजाजत हुवें.. यदि वे एक कन्या रे साथे विवाह करें तो भी दूसरी कन्या रे साथे विवाह कर सकें। एड़ी सामाजिक मान्यता में चारों ओर सूं कष्ट बेटियों ने ही झेलनो पड़े। मुस्लिम धर्म मे भी तीन बार तलाक केवते ही औरत रो दूसरे मर्द रे साथे हलालो हुवें... जिणमें उन्हें दूसरे व्यक्ति सूं शादी करणी पड़े और वो व्यक्ति वापस तलाक देवे तो पहलो पति वापस पत्नी रो दर्जो देवे.. अगर नहीं देवे तो फेर किन्ही ओर मर्द सूं शादी.. आखिर क्यों हुवें ऐड़ो? इण कानून माथे सरकार और समाज ने चिंतन करणों चईजे और एड़ी रूढ़ीवादी पंरपरा ने सरकार द्वारा बंद कर देवणों चहिज़े। (हालांकि अबार कानून में तीन तलाक पर कानूनन प्रतिबंध कियो है पर चेतना अभी भी न रे बराबर है)

हुकुम लड़कियों री दशा सुधारण वास्ते हरियाणा सरकार ने 14 जनवरी ने बेटी री लोहड़ी नाम सूं एक योजना बणई और इण योजना रो उद्देश्य लड़कियों ने सामाजिक और आर्थिक रूप सूं स्वतंत्र बणाणों है। लड़कियां आपरा अधिकार ने पा सकें और उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें। सही कहूँ तो हुकुम आपा समाज मे देखा कि औरत री दुश्मन एक औरत ही हुवें जो पुरुषों रे दबाव रे कारण उन्हें कोख में मार देवें। समाज में दहेज लोभियों री सोच अबार तक नहीं बदली है वे लोग और भी दहेज की मांग करें। आप खुद बताओ कीन्हों ब्याह बिना दहेज हुवै? सारी रीत हुवै अर ऊपर ठोलो भी देवे की माने कई नहीं चईजे। आज भी तिलक सु लगाने विदा तक सारा रिवाज में लड़की वाले री जेब कटे। म्हाणों बेटो सीए है इंजीनियर है विनी तो कीमत आंके, बेटी सीए एमबीए हुवे तो भी कोई रियायत कोनी मिले। समाज हिपोक्रेट है हुक्म बात बराबरी री करे अर खुद आपरा व्यवहार सूं इणने असिद्ध करे। बेटी रो दर्द आज भी बेटी रो बाप ही जाणे हुकम।

प्रसिद्ध समाज सुधारक जेम्स टासयन आ बात लिखी कि - ***'वी केन नॉट इमेजिन वेलनेश विदाउट वुमन'*** मतलब हम महिलाओं रे बिना एक अच्छे राष्ट्र री कल्पना नहीं कर सका ।

अब समाज रे लोगा ने भी आपरी सोच ने बदलनी पड़ी। बेटियां हर क्षेत्र में बेटे सूं आगे जा सकें परंतु समाज री गंदी नजर वाणें आगे बढ़ण सूं रोके... इने बावजूद भी बेटियां आज सारी बाधाओं ने पार कर आगे बढ़ण वास्ते आतुर हूं रही हैं और हर क्षेत्र में काम और नाम भी कर रही हैं ।

हुकुम, समय रे साथे समाज में बेटियों रो कांई स्थान है इण विषय पर हर समाज ने चर्चा करणी चहिज़े और वाणे आगे बढ़ावण में पुरो सहयोग भी। आज अनुपात बिगड़न रों ओ खास कारण है। आधी आबादी रो यों क्रूर सत्य है ..।

बेटियां समाज व राष्ट्र री अमूल्य धरोहर और जननी हैं। **एक सुसंस्कृत और संस्कारवान समाज व राष्ट्र रे निर्माण रे वास्ते बेटियों ने पढ़ाणों, वाणी सुरक्षा करण री आपाणी नैतिक जिम्मेदारी है।** बेटियों रे बिना समाज व पुरुष रो कोई अस्तित्व नहीं है।

'हर अवसरों में, दिखावे हैं दम, छोरियां भी छोरे सूं हुवें नहीं कम। '

मुलाहिजा फ़रमाइये

ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- अच्छी थी पगडंडी अपनी। सड़कों पर तो जाम बहुत है।।
- फुर्र हो गई फुर्सत अब तो। सबके पास काम बहुत है।।
- नहीं जरूरत बुज़ुर्गों की अब। हर बच्चा बुद्धिमान बहुत है।।
- उजड़ गए सब बाग बगीचे। दो गमलों में शान बहुत है।।
- मट्ठा, दही नहीं खाते हैं। कहते हैं ज़ुकाम बहुत है।।
- पीते हैं जब चाय तब कहीं। कहते हैं आराम बहुत है।।
- बंद हो गई चिट्ठी, पत्री। फोनों पर पैगाम बहुत है।।
- आदी हैं ए.सी. के इतने। कहते बाहर तापमान बहुत है।।
- झुके-झुके स्कूली बच्चे। बस्तों में सामान बहुत है।।
- सुविधाओं का ढेर लगा है। पर इंसान परेशान बहुत है।।

कार्टून कौतुक

खुश रहें - खुश रखें

बाहर नहीं जा सकते तो घर पर ॐ नमः शिवाय मंत्र का जाप करें

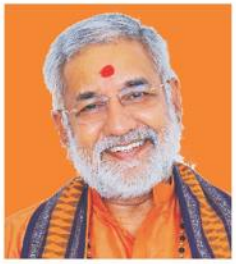

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

कहानीः पुराने समय में सूतजी नाम के एक प्रसिद्ध ऋषि थे। वे कथा बहुत अच्छे ढंग से सुनाते थे। उनका बोलने का तरीका और प्रेरक विचार सभी को आकर्षित करते थे। वे अपनी कथा में समस्याओं के समाधान भी बताते थे। इसी वजह से रोज काफी लोग उनसे कथा सुनने आते थे।

एक दिन कुछ ऋषि भी सूतजी से कथा सुन रहे थे। कथा के बीच में एक ऋषि ने सूतजी से पूछा- 'मोक्ष कैसे मिलता है?' यहां मोक्ष का अर्थ यह है कि इंसान उदासी और अशांति से कैसे बच सकता है? सभी के जीवन में कुछ न कुछ ऐसी घटनाएं होती रहती हैं, जो अशांत कर जाती हैं।

सूतजी बोले- 'श्रवण, मनन और कीर्तन, ये तीन काम करने से उदासी और अशांति खत्म हो जाती है।'

ऋषियों ने फिर पूछा- 'अगर कोई व्यक्ति ये तीन काम न कर सके तो उसे कैसे शांति मिलेगी?'

सूतजी ने कहा- 'व्यक्ति को शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए।'

यहां प्रकृति में शिवलिंग के महत्व को बताया गया है। शिवजी दो रूप में हैं। एक मूर्ति रूप में और दूसरा शिवलिंग रूप में। शिवलिंग पर जल-दूध चढ़ाया जाए तो मन जल्दी शांत होता है।

सूतजी ने ये बात इसलिए बताई कि हर समस्या का सरल उपाय भी होता है। बस उपाय मालूम होना चाहिए। ये मुश्किल है कि हर आदमी कथा सुन ले, कीर्तन कर ले और मनन कर ले, लेकिन शिवलिंग पर जल चढ़ाना तो बहुत आसान है। अगर कोई व्यक्ति ये भी न कर सके तो वह "ॐ नमः शिवाय" मंत्र का जाप करे। इससे मन को शांति मिलेगी।

सीख - अगर हम अशांत हैं तो अपने मन को शांत करने के लिए घर पर मंत्र जाप कर सकते हैं। इसमें कोई अतिरिक्त प्रयास नहीं करना है, अन्य लोगों की जरूरत नहीं है। ये काम अकेले ही किया जा सकता है। अपनी सुविधा से जो सरल तरीका अपनाया जा सकता है, वह अपनाएं। ये समय मुश्किल काम करने का नहीं है। सकारात्मक रहें।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'। इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित **डॉ. विवेक चौरसिया** के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद".

Rs. 120/-
डाक खर्च सहित

ऋषिमुनि प्रकाशन

आपसे कहा जाता है -

- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?

aisa kyon

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - "**ऐसा क्यों?**" लेकिन इसका उत्तर देगा कौन? **इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक**

Rs. 100/-
डाक खर्च सहित

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

शुगर फ्री ड्राई फ्रूट मोदक

सामग्रीः 1/2 टीस्पून घी, 2 टेबल स्पून काजू बारीक कटे हुए, 2 टेबलस्पून बादाम बारीक कटे हुए, 2 टेबलस्पून किशमिश बारीक कटी हुई, 1 टेबलस्पून खसखस, 1- 1/2 कप गिले खजूर के छोटे-छोटे पिसेस, 1/4 कप दूध, 1/2 कप मिल्क पाउडर, 1/4 कप खोबरा किस, एक छोटा चम्मच इलायची पाउडर।

विधिः एक पैन में घी लेकर काजू-बादाम -किशमिश के कतरन धीमी गैस पर गोल्डन ब्राउन होने तक सेंकें, फिर इसमें खसखस डालकर सब मिलाकर धीमी गैस पर भूनें। दूसरे पैन में एक टीस्पून घी और 1/4 कप दूध डालकर हिलाए। और इसमें 1/2 कप मिल्क पाउडर डालकर पैन छोडे तब तक धीमी गैस पर भूनें। फिर इसमें 1 /4 कप खोबरा डालकर 2 मिनट पकाये, फिर इलायची पाउडर डालकर पके हुए ड्राई फ्रूट डालकर मिक्स करें और सांचे में डालकर मनपसंद आकर दे।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

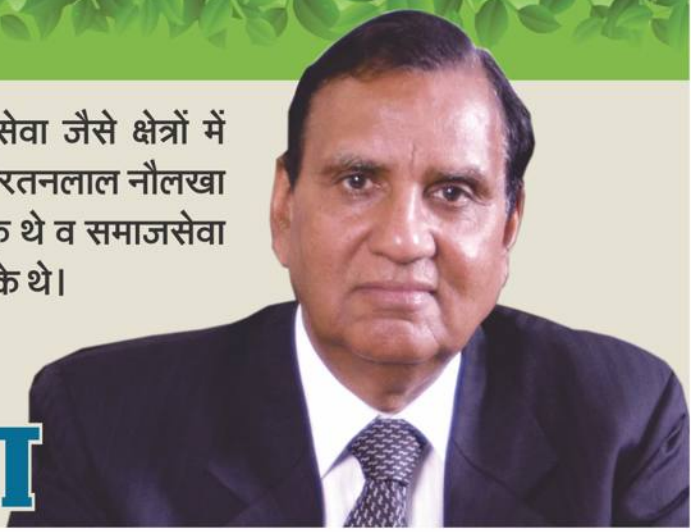

उद्योग, व्यावसायिक संस्थान, शिक्षण संस्थान तथा समाजसेवा जैसे क्षेत्रों में अपना चहुंमुखी अप्रतीम योगदान दे रहे भीलवाड़ा निवासी श्री रतनलाल नौलखा नहीं रहे। आप प्रसिद्ध उद्योग नितिन स्पिनर्स लि. के संस्थापक थे व समाजसेवा के क्षेत्र में आप अ.भा. माहेश्वरी महासभा में उपसभापति रह चुके थे।

नहीं रहे सेवा के ऑलराउण्डर

रतनलाल नौलखा

श्री नौलखा ने नितिन स्पिनर्स लिमिटेड सन् 1993 में प्रारम्भ की। वर्तमान में कम्पनी में 150000 स्पींडल, 3000 रोटर एवं 49 निटिंग मशीन स्थापित हैं, जो कि सूती धागे व निटेड फेब्रिक का उत्पादन करती हैं। श्री माहेश्वरी टाईम्स ने भी आपको आपके चहुंमुखी योगदानों के लिये अवार्ड ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर-2015'' से सम्मानित किया था। आप अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के उपसभापति (पश्चिमांचल), लॉयन्स क्लब District-323E2 के डिस्ट्रीक्ट चैयरपर्सन, श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी के ट्रस्टी, श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र के सदस्य, राजस्थान महेश सेवा निधि के उपाध्यक्ष, विवेकानन्द केन्द्र, भीलवाड़ा के अध्यक्ष, श्री गणेश उत्सव एवं प्रबन्ध समिति-भीलवाड़ा के संरक्षक एवं श्री सोजीराम रतनलाल नौलखा चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी आदि कई पद की जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक निर्वाह कर चुके थे। श्री नौलखा ने भीलवाड़ा माहेश्वरी समाज की प्रमुख शैक्षणिक संस्था श्री महेश शिक्षा सदन के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक निर्वहन लगातार बारह वर्ष सन् 1983-1995 तक किया। दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इण्डिया भीलवाड़ा शाखा के संस्थापक अध्यक्ष आदि कई महत्वपूर्ण पदों पर भी रह चुके थे।

उन्हीं के पदचिन्हों पर परिवार

श्री नौलखा वर्ष 1966 में विवाह सूत्र में बंधे थे। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला देवी नौलखा एक पारिवारिक एवं धर्मप्रिय महिला हैं। श्री नौलखा के दो पुत्र व एक पुत्री हैं। बड़े पुत्र 45 वर्षीय दिनेश नौलखा चार्टर्ड एकाउटेंट व कोस्ट अकांउटेंट हैं तथा नितिन स्पिनर्स की स्थापना के साथ ही कम्पनी से जुड़े होकर इसके प्रबंध निदेशक की जिम्मेदारी निभा रहे है। छोटे पुत्र 39 वर्षीय नितिन नौलखा एम.बी.ए. की पढ़ाई करने के बाद 2001 से कम्पनी के कार्यकारी निदेशक के रूप में जुड़े हुये है। पुत्री सुधा का विवाह दिल्ली निवासी विवेक मालानी के साथ हुआ जो वर्तमान में जयपुर में रियलएस्टेट से जुड़े हुऐ हैं।

द्वितीय पुण्य स्मरण

जीवन पथ पर प्रेरणा हो आप, यादों में खुशनुमा अहसास हो आप
क्या हुआ जो पास, नही सदा हमारे पास हो आप

स्व. श्री प्रवीण मालू

(श्रीजी शरण दिनांक 7 सितम्बर 2021)

मालू परिवार

अमरावती

LAL KITAB

राशिफल संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए सितम्बर महीना औसत प्रदर्शन वाला रहेगा, खासकर करियर की दृष्टि से। पहले से निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने में अनायास परेशानियां आऐंगी। इन सबके बावजूद साहसिक निर्णय आप लेंगे। व्यापारी वर्ग को लाभ की संभावनाएं कम ही दिख रही है। परिवार की ओर से अचानक खर्च आ सकते हैं। यात्राओं पर धन खर्च होगा एवं नए वाहन की खरीदी के योग रहेंगे। दांपत्य जीवन तनावपूर्ण हो सकता है, अज्ञात भय बना रहेगा, जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

वृषभ

वृष राशि के लिए यह महीना कॅरियर की दृष्टि से अनुकूल रहना है यद्यपि सफलता की गति धीमी रहेगी नौकरी पैसा जातकों को अपने कार्यक्षेत्र में कुछ दबाव महसूस होगा। व्यापारी वर्ग के लिए यह समय अनुकूल रहेगा। खासकर उनके लिए जो विदेश से संबंधित व्यापार व्यवसाय करते हैं। काम का अधिक दबाव और तनाव आपको ब्लड प्रेशर और अनिद्रा जैसी समस्याएं दे सकता है। जिन जातकों का अभी विवाह नहीं हुआ है, उनके संबंध होने के योग बन रहे हैं एवं विवाहित जातकों के दांपत्य जीवन में तनाव रहेगा।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों के लिए यह महीना अत्यंत सुखद है। व्यापार व्यवसाय कार्यक्षेत्र में अनुकूलता रहेगी। धन लाभ होगा। रुकी हुई योजनाएं क्रियान्वित होंगी, दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी छोटी-मोटी समस्याएं रहेंगी, जो आप नियमित आहार-विहार से ठीक कर सकते हैं। स्थाई संपत्ति से संबंधित प्रकरण में सफलता मिलेगी। शुभ समाचार मिलेगा, पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। परिवार में विवाह संबंध होगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए कार्य क्षेत्र की दृष्टि से यह महीना चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। काम का दबाव अधिक महसूस करेंगे। सहकर्मियों से संबंध तनावपूर्ण हो सकते हैं, कार्य क्षेत्र बदलने का विचार बनेगा। पारिवारिक संपत्ति को लेकर विवाद की स्थिति बनेगी। बिजनेस पार्टनर परेशानी उत्पन्न करेंगे। स्वास्थ्य के ऊपर धन-व्यय होगा। खासकर माताजी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। इन सब परिस्थितियों में आपके जीवनसाथी का सकारात्मक दृष्टिकोण आपको संबल प्रदान करेगा।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए इस महीने तीर्थ यात्रा योग बनेंगे। व्यापार-व्यवसाय उत्तम चलेगा, धन लाभ होगा। नौकरी करने वाले जातकों के प्रमोशन के योग बनेंगे। छोटी-मोटी बातों को लेकर परिवार में तनाव जैसी स्थिति भी बन सकती है, इससे बचने का प्रयास करें। अविवाहित जातकों के संबंध होने के योग बनेंगे। पारिवारिक वातावरण कुछ और सहज रहेगा।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह महीना मिले-जुले परिणाम वाला रहेगा। कॅरियर के क्षेत्र में अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। इच्छित कार्यों में अनावश्यक विलंब होगा। आर्थिक क्षेत्र में अप्रत्याशित परेशानियां आ सकती है। स्वास्थ्य भी ठीक से साथ नहीं देगा। नौकरी करने वाले जातकों के कार्य क्षेत्र में वरिष्ठ लोगों से वाद-विवाद संभावित है। स्वास्थ्य की दृष्टि से अपच, गैस्ट्रिक ट्रबल और सर दर्द जैसी समस्या से सामना हो सकता है। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए यह महीना मिले-जुले परिणाम वाला रहेगा। तुला राशि के जातक इस महीने अपने भविष्य को लेकर ज्यादा चिंतित दिखेंगे एवं इस चिंता के फलस्वरुप उनके द्वारा किए गए प्रयास सकारात्मक परिणाम लेकर आएंगे। परिवार में शुभ मांगलिक कार्य होंगे। पाचन संस्थान संबंधी समस्याएं हो सकती है। आहार विहार का विशेष ध्यान रखें। जातक जो नौकरी पेशा है, वह अपना कार्य समय पर पूरा न कर पाने के कारण अपने वरिष्ठों के कोप का भाजन हो सकते हैं। व्यापार करने वाले इस महीने नई पार्टनरशिप प्रारंभ करने से बचें।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों को इस महीने समस्याओं का सामना करते हुए आगे बढ़ना पड़ेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। मानसिक उथल-पुथल रहेगी। तीर्थ यात्रा पर जाने की प्लानिंग होगी। जीवनसाथी से मनमुटाव संभावित है। विदेश से जुड़े हुए व्यापार करने वाले जातकों को इस महीने अपने निर्णय के प्रति विशेष सजग रहने की आवश्यकता है। आपका कोई गलत निर्णय आपकी दशा और दिशा दोनों बदल सकता है।

धनु

धनु राशि के लिए सितंबर महीना अनुकूलता लिए आ रहा है। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। पारिवारिक माहौल उत्तम रहेगा। तीर्थ यात्रा के योग बनेंगे। घर पर शुभ मांगलिक कार्य होंगे। स्वास्थ्य संबंधी छोटी-मोटी समस्याएं रहेंगी। व्यापार-व्यवसाय प्रारंभ होंगे, जो जातक विदेश में अपने व्यापार का विस्तार करने की प्लानिंग कर रहे हैं, उन्हें सफलता मिलेगी। नौकरी करने वाले जातकों को सहयोग एवं प्रमोशन संभावित है। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा।

मकर

मकर राशि वालों के लिए यह महीना मिले-जुले परिणाम वाला रहेगा। धन का प्रभाव बना रहेगा। आय और व्यय बराबर रहेगा। नए कार्यक्रम करने की दृष्टि से यह महीना ठीक नहीं है, जो चल रहा है उसे ही ठीक से चलाएं। शरीर में छोटे-मोटे संक्रमण पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती है। नए कार्य प्रारंभ करने की रूपरेखा तैयार कर लें और अगले दो-तीन महीने में उसको क्रियान्वित करने का प्रयास करें। कुछ समय बाद आपका समय अच्छा आ रहा है। बुरे समय का अंतिम दौर चल रहा है।

कुम्भ

कार्य क्षेत्र की दृष्टि से कुंभ राशि के जातकों के लिए यह महीना चुनौती वाला हो सकता है। अनचाही यात्राएं करना पड़ सकती है। नौकरी में दबाव झेलना पड़ेगा। आपके किए गए कार्य को प्रशंसा नहीं मिलेगी। इस कारण आप कुछ मानसिक तनावग्रस्त रहेंगे। स्वतंत्र रूप से व्यापार-व्यवसाय करने वाले जातकों को अपेक्षित लाभ नहीं मिलेगा। साझेदारों से असंतोष मिलेगा। परिवार एवं दांपत्य में बोल वचन के कारण असंतोष उत्पन्न होगा।

मीन

मीन राशि के जातकों को इस महीने और अप्रत्याशित परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। व्यापार में उतार-चढ़ाव नौकरी के जगत में सहकर्मियों एवं वरिष्ठों के बर्ताव में एकाएक परिवर्तन आएगा। काम का दबाव अधिक रहेगा चिंता एवं तनाव बना रहेगा। धन का प्रवाह बना रहेगा किंतु बचत करने में सफल नहीं होंगे। इस महीने आपकी इम्यूनिटी कमजोर रहेगी, जिसके फलस्वरुप स्वास्थ्य संबंधी छोटी-छोटी समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं।

IS:1786

CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7,000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 22 Hospitals: 1 million patients treated

Over 75 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant.

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccine in Maharashtra. Over 4,000 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4,500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2023-2025
Despatch Date - 02 September, 2023

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com